Table of Contents

एक कामुक डरावनी रक्तपिपासा

एबी. सिंथे

कॉपीराइट © 2024 एबी. सिन्थे द्वारा
सर्वाधिकार सुरक्षित।
इस पुस्तक का कोई भी भाग लेखक की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक माध्यम से, जिसमें सूचना भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली शामिल है, पुनरुत्पादित नहीं किया जा सकता है, सिवाय पुस्तक समीक्षा में संक्षिप्त उद्धरणों के उपयोग के।
संपादक: एलेक्सा (द फिक्शन फिक्स से)
कवर आर्टिस्ट: डिस्टर्ब्ड वाल्कीरी डिज़ाइन्स
इंटीरियर फॉर्मेटिंग: डिस्टर्ब्ड वाल्कीरी डिज़ाइन्स

अंतर्वस्तु

पाठकों के लिए चेतावनी
प्रस्तावना
1. दलीला
2. दलीला
3. दलीला
4. दलीला
5. रीफ
6. दलीला
7. दलीला
8. दलीला
9. दलीला
10. दलीला
11. दलीला
12. रीफ
13. दलीला
14. दलीला
15. दलीला
उपसंहार

उन सभी कुटिल, कामुक महिलाओं के लिए जो सिर्फ चुदवाना चाहती हैं
उस मनोरोगी हत्यारे के बारे में आपने पढ़ा था। आराम से बैठिए और मैं आपको उससे मिलवाता हूँ...
आपका अगला, घिनौना जुनून:

शार्क डैडी।

अब, अच्छी लड़की बनो और अपने पैरों को ऐसे फैलाओ जैसे तुम इन्हें फैलाने वाली हो
पन्ने: अच्छे और चौड़े। अपनी पैंटी गीली करने के लिए तैयार हो जाइए (अगर आपने पहनी भी है तो)।
(कोई भी) और याद रखें, यह किताब वाटरप्रूफ नहीं है।

पाठकों के लिए चेतावनी

इस पुस्तक में निम्नलिखित उत्तेजक तत्व मौजूद हैं:

अश्लील भाषा, विस्तृत यौन दृश्य, हिंसा, रक्त, भयावह दृश्य, हत्या, अनौपचारिक यौन संबंध, अजनबी के साथ यौन संबंध, असुरक्षित यौन संबंध, बिना सहमति के यौन संबंध, संदिग्ध सहमति, हस्तमैथुन, सार्वजनिक हस्तमैथुन, शव का अपमान, अंग-भंग, रक्त पीना, मासिक धर्म के दौरान यौन संबंध, मासिक धर्म से संबंधित खेल, शारीरिक शोषण, यौन उत्पीड़न का प्रयास, उत्पीड़न, लिंगभेद, स्त्री द्वेष, वेश्यावृत्ति के लिए शर्मिंदगी, दुर्व्यवहार करने वाला माता-पिता (भूतपूर्व और वर्तमान), दुर्व्यवहारपूर्ण संबंध, आत्महत्या का उल्लेख, भोगवादी व्यवहार, शराब पीना, धूम्रपान का उल्लेख, नशीली दवाओं का उल्लेख, पशु क्रूरता (मृत शार्क पर दुर्व्यवहार का वर्णन), पशु मृत्यु (मछली पकड़ना), शार्क का शिकार, शार्क के कई विस्तृत हमले, अपहरण, मानव चारा, भावनात्मक शोषण, आग, मानसिक और शारीरिक यातना, यौन उत्पीड़न का प्रयास, बंदूक हिंसा, चिंता और आघात।

प्रस्तावना

दलीला

दूर से आती लहरों की आवाज़ बड़े अलाव की चटकती आवाज़ में घुलमिल गई। प्राकृतिक लोरी पार्टी में शामिल लोगों की मिली-जुली आवाज़ों के साथ मिलकर देर रात की मुलाकात के लिए एक आदर्श माहौल बना रही थी। आग की गर्माहट के

बावजूद, गर्मी की रात की ठंडक अंधेरे में घूम रही थी, जिससे मेरी त्वचा में सिहरन हो रही थी। मैंने अपने बुने हुए स्वेटर की लंबी आस्तीनों को खींचा, ताकि शरीर की थोड़ी-बहुत गर्मी को बचा सकूँ, और जलते हुए अलाव के चारों ओर चक्कर लगा रहे बेपरवाह वयस्कों के चेहरों पर लपटों की परछाइयों को नाचते हुए देखा। इकट्ठा हुए पार्टी करने वाले नशे में थे, सिगरेट पी रहे थे, रात के उत्सव के आनंद में डूबे हुए थे, और गर्मी के एक आदर्श कॉकटेल के सभी तत्वों को मिला रहे थे: ड्रग्स, सेक्स और शराब। इन तीनों तत्वों को मिला दें, तो एक रोमांचक गर्मी का रोमांस हो सकता है, या कम से कम एक यादगार एक रात का रिश्ता।

समुद्र तट पर बैठे कुछ लोगों में से एक अपनी गिटार के तारों से खेल रहा था, जलती हुई सिगरेट उसके होठों से लटक रही थी और वह उसे बजा रहा था। उसके नशे में चूर चेहरे पर मदहोश कर देने वाली मुस्कान थी। वह अपनी उंगलियां हिला रहा था, उसका सिर मधुर, सुकून देने वाली धुन पर झूम रहा था और उसके मुंह से धुआं निकलकर हवा में फैल रहा था। उसके बगल में बैठा जोड़ा हंस रहा था, एक-दूसरे को चूमते हुए उनके हाथ एक-दूसरे की पैंट में थे, उन्हें इस बात की परवाह नहीं थी कि कौन उन्हें देख रहा है। वहां मौजूद बाकी वयस्कों की तरह, वे भी अलाव के रोमांचक और उत्तेजक माहौल का आनंद ले रहे थे, खुलकर मजे करने का मौका पाकर। मैंने आह भरी, अकेलेपन से ईर्ष्या और झुंझलाहट महसूस कर रही थी, काश कोई मुझे चुरा ले जाता और रात में किसी जानवर की तरह मुझे अपना बना लेता। इसके बारे में सोचते ही मैं उत्तेजित हो गई।

मैंने लोगों के घेरे में नज़रें घुमाईं, मेरी निगाहें उनके जगमगाते चेहरों पर घूमती रहीं और फिर रुक गईं, टिमटिमाती लौ के पार एक जोड़ी गहरी पुतलियों पर टिक गईं। वे एक लंबे-चौड़े, आकर्षक आदमी की थीं जो अपनी बीयर पी रहा था, उसकी निगाहें मुझसे गहराई से जुड़ी हुई थीं, और एक मोहक ताकत से मुझे अपनी ओर खींच रही थीं। ऐसा लगा जैसे मेरी किस्मत बदल गई हो। अब शुरू होता है।

अपने होंठों को दबाते हुए, मैंने अपने नीचे पड़े गीले लकड़ी के लट्ठे पर अपना भार डाला। रेत मेरी नंगी टांगों को खरोंच रही थी, जैसे ही मैंने अपनी मुद्रा ठीक की, मैंने जानबूझकर अपनी छाती को उभारा और अपने लंबे सुनहरे बालों को एक तरफ से दूसरी तरफ झटक दिया। मैं उस सुंदर अजनबी के लिए आकर्षक दिखना चाहती थी, उसकी दिलचस्पी जगाना चाहती थी और उसे मुझे पाने की इच्छा पैदा करना चाहती थी।

मैंने शरमाते हुए नज़रें हटा लीं, शर्मीली और मासूम दिखने की कोशिश करते हुए—जो मेरे अनुभव में पुरुषों को हमेशा पसंद आता था। जैसे ही मेरी नज़रें दबे स्वर में उसकी आँखों से मिलीं, मुझे तुरंत पता चल गया कि मेरी चाल कामयाब हो गई है। वह आदमी खड़ा हुआ और धीरे-धीरे आग के चारों ओर घूमकर मेरी तरफ आया। एकदम सही।

मेरे पास आते हुए उसने गला साफ किया। "क्या यह सीट खाली है?" उसने मेरे बगल में खाली जगह की ओर इशारा करते हुए पूछा। मैंने मीठी मुस्कान के साथ सिर

हिलाया, उसकी चुलबुली आवाज़ पर मुझे अच्छा लगा। उसने अपनी उत्सुकता छिपाने की कोशिश की और मेरे बगल में बैठ गया, पैर मोड़कर, उसके नंगे पैर रेतीले समुद्र तट पर थे। उस आदमी ने रात के आकाश की ओर देखा, मेरी नज़र भी उसकी नज़रों का पीछा करती रही, मैं उत्सुकता से दिखावा कर रही थी कि मुझे परवाह है कि वह क्या देख रहा है, और उसके आगे की बात कहने का इंतज़ार कर रही थी। "आज रात आकाश कितना सुंदर है, है ना?"

“हम्म,” मैंने सहमति जताई। क्या हम सचमुच अभी रात के आकाश के बारे में बात कर रहे हैं? मुझे लगा था कि वह सेक्स करना चाहता है?

हम वहाँ चुपचाप बैठे अपने आस-पास की हर चीज़ को सुन रहे थे, हमारी निगाहें आसमान में तारों पर टिकी थीं। मैंने गहरी साँस ली, अपने कान के पीछे बालों की एक लट दबाई क्योंकि कामुकता की एक लहर मेरे अंदर दौड़ गई, संतुष्टि पाने के लिए बेताब। वह आदमी अपनी ड्रिंक पीता रहा, मेरी तरफ देखता रहा, हमारी आँखें मिलीं। लगता है मुझे ही पहल करनी पड़ेगी। "हे।" मैं उसकी तरफ मुड़ी, अपनी पीठ सीधी रखते हुए। "क्या तुम यहाँ से निकलना चाहते हो? शायद समुद्र तट पर टहलने चलें?" मैंने भौंहें उठाईं, समुद्र की ओर इशारा किया, मेरा सुझाव बिल्कुल स्पष्ट था।

उस आदमी ने बिना झिझके मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "बिल्कुल।"

हम दोनों खड़े हो गए, उस आदमी ने मुझे उठने में मदद की और फिर आगे-आगे चलने लगा, जब हम रेत के टीलों पर चल रही उस चहल-पहल भरी पार्टी से बाहर निकले। मैंने पीछे मुड़कर देखा तो पाया कि पार्टी में मौजूद हर कोई अपनी-अपनी धुन में मग्न था; कोई एक-दूसरे को किस कर रहा था, कोई शराब पी रहा था, इतना मदहोश था कि किसी को पता ही नहीं चल रहा था कि हम क्या कर रहे हैं या हमारी गैरमौजूदगी का किसी को एहसास भी नहीं था।

जब हम आखिरकार समुद्र के किनारे पहुँचे, तो उस आदमी ने प्यार से मेरा हाथ थाम लिया। उसकी गर्म उंगलियाँ मेरी उंगलियों में उलझ गईं और हम समुद्र तट के ज्वारीय हिस्से पर चलते हुए रास्ते में पड़े छोटे, चिकने पत्थरों और सीपियों को ठोकर मारते रहे। उसकी निगाहें मेरे शरीर पर घूम रही थीं, वह अपनी बीयर पीते हुए मुझे निहार रहा था। मैं खुद को काबू में रखने की कोशिश कर रही थी, अपने सुनहरे बालों की एक लट को घुमा रही थी, ठंडे अटलांटिक पानी में हर कदम के साथ ऊर्जा बढ़ती जा रही थी।

“मुझे नहीं लगता कि मैंने आपको पहले कभी यहाँ देखा है। क्या आप गोल्डन कोस्ट में नए हैं या गर्मियों की छुट्टियों में घूमने आए हैं?” मैंने पूछा, ताकि हम भीड़ से थोड़ी दूरी बनाकर खुद को कुछ एकांत दे सकें।

वह धीरे से हँसा, उसकी घबराहट साफ़ झलक रही थी। “बस घूमने आया हूँ। छुट्टियों में कुछ करीबी दोस्तों के साथ यहाँ आया था, लेकिन अब जब चौथा जुलाई बीत चुका है, तो वे सब घर लौट गए हैं। मैं बस थोड़ा और समय यहाँ बिता रहा हूँ, अकेले अपने समय का आनंद ले रहा हूँ, फिर खुद वापस चला जाऊँगा।” चलते-चलते उसकी निगाहें मेरी छातियों पर टिकी रहीं, अलाव की आवाज़ें अब सुनाई देना बंद हो चुकी

थीं। “तुम्हारा क्या?” उसने पूछा, उसकी आँखें अब भी कहीं और थीं।
उनके स्पष्ट अनादरपूर्ण रवैये के बावजूद, यह सवाल अप्रत्याशित था, जिससे मुझे रुककर अपने जवाब पर विचार करना पड़ा। "ठीक है," मैंने धीमी आवाज़ में कहा, "मैं यहीं का रहने वाला हूँ, यहीं पैदा हुआ और पला-बढ़ा हूँ।"
"अरे, एक स्थानीय तटीय निवासी," उसने मजाक उड़ाते हुए कहा।
“हाँ, लेकिन हाई स्कूल से ग्रेजुएशन करने के कुछ ही मिनट बाद मैं यहाँ से चली गई थी। सारा सामान पैक किया और बस निकल पड़ी। मैंने खुद से कहा था कि एक बार इस जगह को छोड़कर मैं कभी वापस नहीं आऊँगी।” मैं रुक गई और समुद्र को निहारने लगी, उसकी आधी रात जैसी सुंदरता को निहारते हुए। “और फिर भी, मैं यहाँ हूँ।” ये दबे हुए शब्द मेरे होठों से धीरे से निकले। मुझे अपने अतीत की दुखद यादों से अपना मिजाज बदलते महसूस हो रहा था, यादें मेरे दिमाग में घर कर रही थीं, मुझे तरह-तरह की भावनाओं में डुबो रही थीं, मानो वे पल पर हावी होने की कोशिश कर रही हों। नहीं। मैंने दर्द को दूर धकेल दिया। इस आदमी को तुम्हारी भावनाओं की परवाह नहीं है। उन्हें कभी नहीं होती।
वह मुझे ऊपर से नीचे तक घूरता रहा, उसके इरादे साफ थे, उसने अपनी बीयर का एक और घूंट लिया। "तुम वापस क्यों आई?" उसने पूछा, उसके शब्द खोखले और अर्थहीन थे, उसकी निगाहें फिर से मेरी छाती पर टिक गईं। मैंने गहरी सांस ली, इस फालतू की बातों से चिढ़ गई क्योंकि हम दोनों एक ही बात चाहते थे। छोड़ो इसे। मेरे चेहरे का भाव बदल गया, मैंने अपने जटिल अतीत को दिमाग से झटक दिया और उसकी ओर मुड़ी, चाँदनी की किरणें हमारे चेहरों पर पड़ रही थीं। मैंने उसे एक नज़र में देखा, उसकी काया की मोहक अदाओं से उसकी तारीफ की, मेरे होंठों के कोने ऊपर की ओर मुड़ गए। "क्या तुम बस यहीं बैठकर पूरी रात अपनी ज़िंदगी के बारे में बातें करना चाहते हो?" मैंने उसका हाथ छोड़ा और आसानी से अपना स्वेटर उतार दिया, जिससे मेरी गर्व से भरी नंगी छाती दिखाई दी। "या तुम कुछ और मज़ेदार करना चाहते हो? जैसे मुझे यहीं, बीच पर, चोदना?" मैं उसकी ओर झुकी, मेरे स्तन उसकी छाती से दब गए, मैंने अपने हाथ उसकी कमीज़ के नीचे डाले, उसकी त्वचा पर फिराते हुए, अपनी पीठ को थोड़ा सा झुकाया, स्पर्श पाने के लिए तड़प रही थी। बेसुध होकर चुदवाने के लिए।
मेरे खुलेआम और बेबाकी भरे प्रस्ताव ने उस आदमी को चौंका दिया, जो बीयर से भरा मुँह लिए आँखें फाड़कर घूर रहा था। "ओह शिट—" उसने निगलते हुए सिर हिलाया और कांच की बोतल रेत पर रख दी। उसके हाथ लड़खड़ा रहे थे, वह अपनी कमीज़ उतारने की कोशिश कर रहा था, जबकि मैं अधनंगी, सिर्फ़ अपनी छोटी सी जींस शॉर्ट्स पहने इंतज़ार कर रही थी। उसने अपनी कमीज़ हमारे पैरों के पास फेंक दी। "हाँ, चलो—चलो करते हैं।" वह मुस्कुराया, घबराहट में खुद ही हँस रहा था, उसके कंधे हल्के से अजीब तरह से उसकी छाती की ओर झुक गए। वह मेरे और करीब आया, अपने हाथों को मेरी नंगी कमर के चारों ओर लपेटकर मेरी पिछली जेबों की ओर बढ़ा। वह मुस्कुराया, उसकी गर्म, बीयर से भीगी साँस मेरे चेहरे पर लगी।

बस हिम्मत जुटाओ। मैं अच्छे हिस्से तक पहुँचने के लिए बेताब थी, जीने के लिए तैयार थी।
मैंने उस आदमी की कलाई पकड़ ली और उसे रोक दिया जब वह मेरी जींस के नीचे से मेरे नितंबों तक पहुँचने की कोशिश कर रहा था। उसका चेहरा हैरानी से भर गया। "मुझे करने दो," मैंने फुसफुसाते हुए कहा और मुस्कुराते हुए उसे ज़ोर से पीछे धकेल दिया। वह गिर पड़ा, पीठ के बल ज़ोर से धँस गया और धूल उड़ने लगी। वह आदमी मेरी आक्रामकता से हैरान होकर वहीं पड़ा रहा।
“क्या—”
“श्श्श।” मैं झुकी, मोहक अंदाज़ में उसके शरीर पर रेंगती हुई, उसके नंगे, मांसल सीने पर धीरे से चूमते हुए फुसफुसाते हुए बोली, “मैं नियंत्रण अपने हाथ में ले रही हूँ।” वह थोड़ा सहम गया, थोड़ा डरा हुआ था, लेकिन मेरी पहल से पूरी तरह उत्तेजित भी हो गया था।
“ओह, ठीक है।” उसने घबराकर निगल लिया, उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। मेरी जीभ उसकी गर्दन पर फिर गई, उसकी ठुड्डी के नीचे हल्के से छूते हुए, उसने एक हल्की, बचकानी सिसकी भरी। मैं मन ही मन हँस पड़ी। बिलकुल वहीं जहाँ मैं तुम्हें चाहती हूँ। मैंने अपने पैर फैलाए, उसके शरीर को अपने घुटनों के बीच थाम लिया और मेरी जीभ उसकी गर्दन पर लौट आई, उसके कान तक घूमती हुई, चक्कर लगाती हुई, इस सब के दौरान मेरी नंगी छाती उसकी छाती से दबी हुई थी, उस पल की गर्मी से हमारी त्वचा एक-दूसरे से चिपक गई थी। मैं उसकी पैंट के नीचे उसके लिंग को सख्त होते हुए महसूस कर सकती थी, जो मेरी शॉर्ट्स पर ज़ोर से दबाव डाल रहा था, मानो सवारी करने के लिए बेताब हो। मेरी गर्म साँसें उसके गालों को छू गईं और वह काँप उठा।
“डरो मत,” मैंने उसके कान में फुसफुसाते हुए कहा और शरारती अंदाज़ में उसके कान को चाटा। “मैं बस मज़े करना चाहती हूँ।” मेरे दाँत उसके कान के निचले हिस्से में चुभ गए, जिससे वह चौंक गया और उछल पड़ा, उसके हाथ मेरी पीठ को कसकर पकड़ रहे थे। मैं हल्की सी हँसी रोक नहीं पाई और माफ़ी माँगते हुए उसकी गर्दन पर चुंबन किया। बेचारा, कितना मासूम और प्यारा। मैंने उसके शरीर को चूमना जारी रखा, मेरी जीभ उसकी त्वचा का स्वाद चखती हुई उसके सीने तक पहुँच गई। वह शायद तकिया राजकुमारी या एक रात के रिश्ते के लिए ही ऐसा करता होगा। शर्त लगाओ, ये रिश्ते बस कुछ मिनटों तक ही चलते हैं और हर बार एक ही पोजीशन में सेक्स करते हैं। कितना दुखद है।
समुद्र की ठंडी लहरें किनारे पर आ रही थीं और हम दोनों उनके गर्म, नमकीन पानी में भीग गए। वह आदमी झिझक रहा था, घबराया हुआ था कि उसे अपने हाथ कहाँ रखने चाहिए। मुझे अपने साथियों को किसी को खुश करने के नए तरीके सिखाने में कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन यह तो मेरी उम्मीदों से भी कहीं ज़्यादा अनुभवहीन था। सच में मूड खराब कर देने वाला।
मैंने उसकी कलाई पकड़ी और धीरे से उसे अपनी छाती की ओर ले गई, जबकि उसने

एक हाथ से मेरे स्तन और दूसरे हाथ से मेरी कमर को जकड़ रखा था। उसकी पकड़ कठोर और स्पष्ट रूप से बेपरवाह थी, उसकी पकड़ मुझे आनंद देने के बजाय दर्द दे रही थी। एक ऐसी महिला होने के नाते जिसे रफ सेक्स पसंद था, मैंने ऐसा नहीं सोचा था। लगता है उसे मुझे हावी होने के लिए मनाना पड़ेगा।

“यहाँ।” मैंने उसका हाथ अपने स्तनों से हटाकर अपनी गर्दन पर रख दिया, मैं चाहती थी कि वो मुझे अपने वश में कर ले। उसकी उंगलियाँ धीरे से मेरी गर्दन पर लिपट गईं और हल्की-हल्की लहरें हम दोनों को छू गईं। वो आदमी मेरी तरफ़ देख रहा था, मानो मुझसे यह आश्वासन मांग रहा हो कि वो सही कर रहा है, ठीक वैसे ही जैसे कोई पिल्ला अच्छे व्यवहार के लिए इनाम चाहता है। ऐसे ही पल मुझे ये एहसास दिलाते थे कि मैं कभी-कभी महिलाओं के साथ संबंध बनाना क्यों पसंद करती हूँ। उन्हें हमेशा पता होता था कि अपने हाथों का सही इस्तेमाल कैसे करना है, अपनी कोमल उंगलियों को सही जगह पर, सही दबाव के साथ कैसे रखना है। उन्हें पता था कि मुझे कैसे छूना है—पुरुषों के विपरीत, जो हमेशा ज़रूरत से ज़्यादा अकड़ और आत्मविश्वास दिखाते हैं, और जब कोई उनसे उनकी कामुक बातों और मज़ाकों को पूरा करने की उम्मीद करता है, तो वे तुरंत बिखर जाते हैं। फिर भी, सेक्स तो सेक्स ही है, और इस पल में, मैं बस चाहती थी कि मेरे साथ सेक्स हो... अच्छा हो या बुरा। मेरा शरीर उससे सट गया, उसके कड़े लिंग पर ज़ोर से रगड़ खाने लगा, जबकि उसने मेरी गर्दन को कमज़ोर पकड़ से पकड़े रखा था। वह कराह उठा, उसकी कमर मेरी ओर झुक गई, मानो वह तेज़ी से आगे बढ़ना चाहता हो। मेरे हाथों ने भी तुरंत उसकी बात मान ली, उसकी जींस के बटन खोल दिए और उसे छोड़ दिया। उसका लिंग सीधा खड़ा था, पूरी तरह से खड़ा, आश्चर्यजनक रूप से अच्छा आकार। मैं शिकायत नहीं कर सकती थी, हालाँकि मैंने इससे बेहतर भी देखे थे।

उसने तुरंत मेरा चेहरा ज़बरदस्ती नीचे, अपने सख्त शरीर की ओर खींचने की कोशिश की, लेकिन मैंने चुपचाप मना कर दिया। मर्द हमेशा ज़बरदस्ती ओरल सेक्स क्यों करवाना चाहते हैं? मैं समझती हूँ कि मुँह से सेक्स करवाना कितना अच्छा लगता है, लेकिन क्या उन्हें यह एहसास नहीं होता कि गीली योनि का एहसास कितना बेहतर होता है? एक अच्छे से रैंडम सेक्स की मेरी उम्मीदों के बावजूद, ऐसा लग रहा था कि मैं उतनी भाग्यशाली नहीं थी जितना मैंने सोचा था और मुझे इसे यादगार बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करनी होगी।

"मुझे काट लो," मैंने धीमी आवाज़ में कहा, आगे झुकते हुए, उसकी गर्दन को चूमते हुए, मैंने अपना हाथ उसके लिंग के चारों ओर लपेट लिया और उसे सहजता से सहलाने लगी।

“क्या?” उसने लड़खड़ाते हुए पूछा, जैसे ही मेरा हाथ और ज़ोर से दबा, वह कराह उठा, उसकी उंगलियाँ मेरी त्वचा में धंस गईं। हाँ।

“मुझे काटो,” मैंने दोहराया, उसकी फैली हुई शाफ़्ट पर अपनी गति बढ़ाते हुए। “बस मुझ पर भरोसा करो। यहाँ।” मैंने अपने खाली हाथ से इशारा करते हुए अपनी गर्दन पर टैप किया। “यहाँ काटो।”

वह आदमी हांफता और कराहता रहा, मेरे हाथों में ज़ोर से धक्के मारता रहा, उसके वीर्य की गर्माहट मेरी हथेली पर टपक रही थी। उसका मुंह मेरे होंठों को चूमने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मैंने जानबूझकर उसके होंठों को चकमा दिया। मैंने अपने बालों को कंधे पर डाल लिया, अपनी त्वचा को दिखाते हुए, इंतज़ार करती रही, और उसे सहलाती रही। बस मुझे काट लो। वह झिझका, आगे झुकते हुए उसने अपना हाथ मेरे गले से हटाकर मेरे कंधों को पकड़ लिया। उसकी गर्म सांसों का स्पर्श मेरी त्वचा पर महसूस करके मैं उत्तेजित हो गई, और करीब आती गई, उसके गीले लिंग को अपनी छाती से दबाते हुए, उसे और तेज़ी से रगड़ने लगी, मेरी गीलापन बढ़ता जा रहा था। उसने अपना मुंह चौड़ा खोल दिया, उसके दांत चांदनी में चमक रहे थे, जैसे वे मेरे ऊपर मंडरा रहे हों। हां। अभी करो। मुझे काटो। करो!
मेरी उत्तेजना और सहलाने से शायद मैं उसे हद से ज़्यादा उत्तेजित कर बैठी थी, क्योंकि वह ज़ोर-ज़ोर से कराहने लगा, उसकी उंगलियाँ मेरी त्वचा में और गहरी धंसने लगीं। उसने ज़ोर से धक्का दिया और अचानक मेरे नंगे सीने पर वीर्य गिरा दिया, ऐसा करते हुए उसने अपना लिंग मेरे पेट पर रगड़ा। मुझे अपना मुँह बंद करना पड़ा, उसके गर्म, चिपचिपे वीर्य के असर को सहने के लिए खुद को तैयार करना पड़ा जो मेरे ऊपर फैल गया। ये क्या बकवास है? घृणा से मेरा हाथ तुरंत उसके ढीले पड़ते लिंग से छूट गया और मैं पीछे झुक गई, जो कुछ हुआ उससे मैं बहुत नाराज़ थी।
वह आदमी तेज़ी से सांस लेते हुए सीना फुला रहा था और मुस्कुरा रहा था। "हे भगवान!" उसने धीरे से कहा। "वाह! कितना अच्छा लगा!" वह ज़ोर से हँसा, अपनी बात को ज़ोर से कहते हुए, मुट्ठी हवा में लहराई। मैंने भौंहें चढ़ाकर उसका मज़ाक उड़ाया और उसकी कमीज़ पकड़कर उसे समुद्र के पानी में डुबोकर खुद को साफ़ किया। "तुम ये क्या कर रहे हो?" वह झल्लाया और उठकर बैठ गया। "ये मेरी कमीज़ है।"
“और?” मैंने व्यंग्य करते हुए अपनी त्वचा से उसके वीर्य की अत्यधिक मात्रा को पोंछा।
“बस करो!” वह गुर्राया। “यह सब करना बंद करो। यह घिनौना है!” वह झट से खड़ा हो गया और मुझे धक्का देकर मेरे हाथों से गीली, इकट्ठी हुई कमीज़ छीन ली।
मैं उसकी इस घिनौनी मर्दानगी पर हंसते हुए खड़ी हो गई। "ओह, तो मेरे लिए तुम्हारे वीर्य से लथपथ पेट और छाती पर घूमना ठीक है, लेकिन तुम अपनी कमीज़ पर थोड़ा सा वीर्य बर्दाश्त नहीं कर सकते? वाह!" मैंने आंखें घुमाईं।
“प्लीज़। मुझे यकीन है कि तुम्हें किसी अनजान आदमी के वीर्य से सना चेहरा अपने चेहरे पर लेकर घूमने की आदत हो गई होगी, और तुम इसे अपनी अय्याश सहेलियों के सामने एक घिनौने सम्मान के प्रतीक की तरह दिखाती हो।” उसने अपना सिर हिलाया और अपनी कमीज़ से खेलते हुए अपनी जींस ठीक की।
मैंने अपना सिर झुकाया, मेरी ज़बान तुरंत जवाब देने के लिए तैयार थी। “कम से कम वो दूसरे लड़के तो खुद पर इतना काबू रख सकते हैं कि उनका लिंग गीला हो जाए और वो मुझसे सेक्स कर सकें। लेकिन सच कहूँ तो, अगर तुम किसी तरह खुद को

रोक भी लेते हो, तो मुझे शक है कि तुम मुझे चरम सुख तक पहुँचा पाओगे। कुंवारे लोगों को तुमसे ज़्यादा अनुभव होता है।" पलक झपकने से पहले ही उस आदमी ने मुक्का मारा, उसकी मुट्ठी मेरे पेट पर ज़ोर से लगी। मैं पीछे की ओर गिर पड़ी, ज़मीन पर रेत और समुद्र का पानी उछला। मैं दर्द से कराह उठी, मेरे शरीर में उस ज़बरदस्त चोट से दर्द हो रहा था।
"साली कमीनी," उस आदमी ने थूकते हुए कहा और मुड़कर जाने लगा।
समुद्र के नमक से मेरी आँखों में जलन हो रही थी, और रेत में पड़ी बीयर की कांच की बोतल को देखकर मेरी नज़रें तन गईं। मैंने मुस्कुराते हुए बोतल को कसकर पकड़ लिया। "जानते हो, तुम ही तो मुझे ढूंढने आए थे।" मैंने एक गहरी साँस ली और खुद को खड़ा करके उसका सामना किया, बोतल को छुपाते हुए। वह मुड़ा और झुंझलाहट भरी नज़रों से मेरी तरफ देखा। "तुम सच में बहुत बदनसीब हो।"
“ओह हाँ? ऐसा क्यों?” उसने व्यंग्य से भरी आवाज में पूछा।
"क्योंकि तुमने वाकई गलत औरत से पंगा ले लिया है।" मैंने मुस्कुराते हुए कहा।
उसका चेहरा उलझन से भर उठा, उसकी कम बुद्धि मेरी बातों को समझ नहीं पा रही थी। मैंने अपना हाथ घुमाते हुए मोटी कांच की बोतल उसके सिर पर ज़ोर से मारी। बोतल तुरंत चकनाचूर हो गई, उसके चेहरे पर गहरा घाव हो गया और उसके टुकड़े समुद्र तट पर बिखर गए। वह आदमी चीख उठा, गहरे घाव पर हाथ दबाते हुए लड़खड़ाकर पीछे गिर गया। घाव से खून की धारें बह रही थीं, जो उसकी त्वचा पर टपक रही थीं।
“ये क्या बकवास है?” वह बच्चे की तरह सिसकते हुए चिल्लाया। मुझे हँसी आ गई, उसकी बनावटी, कठोर छवि का टूटना देखकर मुझे बहुत मज़ा आया, क्योंकि वह रेत में इधर-उधर हाथ-पैर मार रहा था और खड़े होने की कोशिश कर रहा था।
वह रेत के ढेरों को नोचते हुए घूमने लगा, भागने की कोशिश कर रहा था... लेकिन मैं उससे कहीं ज़्यादा फुर्तीला और ऐसे हालातों में कहीं ज़्यादा अनुभवी था। मैं चिल्लाया, उसकी ओर झपटा और बोतल के टूटे किनारे को उसकी टांग के पिछले हिस्से में ज़ोर से मारा, जिससे उसकी जींस फट गई और मांस में धंस गई। वह दर्द से चीख उठा, उसका खून से लथपथ चेहरा रेत पर जा लगा, और मैंने टूटे हुए कांच को उसकी पिंडली पर घसीट दिया, जिससे वह भाग नहीं सका। उसकी खून से लाल आँखें डर से भरी हुई मेरी ओर घूर रही थीं, मानो मुझसे उसे छोड़ने की भीख मांग रही हों। मैंने बोतल को उसके मांस से खींच लिया, और उस गहरे घाव से खून बहने लगा। मैं वहीं खड़ा रहा, उसके खुले मांस से बहते हुए तरल के रंग को देखता रहा।
“वाह! चांदनी में तुम्हारा खून कितना खूबसूरत लग रहा है,” मैंने उसकी पिंडली के खुले घाव को कुरेदते हुए कहा, नए खून को निकलते देख मैं मंत्रमुग्ध हो गई थी। मेरी इस दर्दनाक जिज्ञासा से वह आदमी सिहर उठा, मुझसे उसे छोड़ने की भीख मांगने लगा और अलाव की तरफ रेंगने की कोशिश करने लगा। “ओह,” मैंने कहा और खड़ी होकर उसे लात मारकर पीठ के बल गिरा दिया। “लेकिन देखो, तुम यही चाहते थे। तुम चाहते थे कि मैं तुम्हारे साथ सेक्स करूं।” मैं मुस्कुराई, खून से सनी बीयर की

बोतल एक तरफ फेंक दी और अपना हाथ अपनी पिछली जेब में डाला। उसकी आँखें चौड़ी हो गईं जब मैंने कोई धातु की चीज पलटी, और मेरी बैलिसॉन्ग बटरफ्लाई नाइफ निकली—मेरा भरोसेमंद छोटा दोस्त। “जानते हो, अगर तुम चाहो तो हम अभी भी कर सकते हैं,” मैंने मासूम बच्चे जैसी आवाज में कहा, उसके ऊपर खड़े होकर मेरी आँखें चौड़ी हो गईं।
“क-क्या?” वह हांफते हुए बोला, उसके चेहरे से खून टपक रहा था जो उसके आंसुओं के साथ मिल रहा था।
“धत् तेरे की,” मैंने गुस्से से कहा, मेरी आवाज़ सामान्य हो गई थी। “हे भगवान, एक औरत को चरम सुख पाने के लिए कितनी मशक्कत करनी पड़ती है। तुम तो पहले ही चरम सुख पा चुके हो, तो अब मेरी बारी है।” मैं उसकी कमर पर बैठ गई, मेरे पैर उसके चारों ओर फैले हुए थे। “क्या कहते हो?” मैंने अपनी मासूम आवाज़ में पूछा। “क्या तुम मुझे चरम सुख पाने में मदद करोगे?” मैंने अपनी पलकें झपकाईं, अपने होंठ काटते हुए, मेरी चाकू उसकी गर्दन पर तनी हुई थी। मैं उसके करीब झुकी, उसके गाल को चूमा, उसकी त्वचा से आँसुओं से भीगा खून चाटा। “हम्म। नमकीन।” मैं मुस्कुराई, उसकी त्वचा पर खिलखिलाते हुए हँसी। “तुम्हें कैसे पता चला कि मैं नमकीन पसंद करने वाली लड़की हूँ?”
“तुम तो बिलकुल पागल हो!” वह चिल्लाया, और मेरी मुस्कान पल भर में गायब हो गई।
मैं भावनात्मक और यौन दोनों तरह से व्याकुल होकर पीछे झुक गई। "सच में?" मैंने उसका खून से सना हाथ पकड़ा और उसे जबरदस्ती अपनी नंगी छाती से छुआ दिया, उसका खून मेरी त्वचा पर फैल गया। "क्या तुम्हें पता है कि कितने लोग इसके साथ सेक्स करने के लिए जान तक दे देंगे?" मैंने चाकू से अपने धड़ की ओर इशारा किया। "वाह, मेरा कोई मज़ाक उड़ाने का इरादा नहीं है, लेकिन बस इतना कहूँगी कि बहुत सारे, क्योंकि मुझे खुद उनमें से कुछ को मारना पड़ा है।"
मुझसे घृणा करते हुए उसने अपना हाथ मेरी पकड़ से छुड़ा लिया। "दफा हो जाओ मुझसे—" मैंने अपनी तलवार उसकी गर्दन की नस पर तान दी, उसके शब्द सन्न रह गए क्योंकि उसकी गर्दन की नसें डर से फूल गईं और फड़कने लगीं।
“अफ़सोस,” मैंने आह भरी।
मेरी छुरी उसके मांस में घुस गई, गहराई तक धंसती हुई, मैंने धीरे-धीरे उसे बाहर की ओर और उसके कान की तरफ खींचा, फिर वापस घुमाकर दूसरे कान तक पहुँचाया। इस सब के दौरान वह हांफता रहा, अपने ही खून में घुटता रहा, जो उसके मुंह में भर गया और उसके होठों के कोनों से बहकर रेत पर फैल गया। वे हमेशा मना क्यों कर देते हैं? मैं उसकी त्वचा को काटता रहा, मेरे हाथ उसकी छाती पर टिके थे, और मैं उसकी जिंदगी को तेजी से खत्म होते हुए देख रहा था। मुझे हमेशा यह हिस्सा अच्छा लगता था—जब उनकी पुतलियाँ बड़ी हो जाती थीं, जैसे जीवन के आखिरी कुछ पल उनके फेफड़ों से निकलकर उनके होठों से नाचने लगते थे। "ओह, मैं लगभग भूल ही गया था!" मैंने चाकू नीचे रख दिया, अपनी दूसरी पिछली जेब में हाथ डाला और

लिपस्टिक की एक छोटी सी ट्यूब निकाली। मैंने ढक्कन हटाया और ट्यूब को घुमाया, मेकअप को बाहर निकाला और रंग की तारीफ की; चेरी टोमैटो, मेरा सबसे पसंदीदा। मैंने धीरे से अपने होठों पर रंग लगाया, बार-बार अभ्यास करने से मेरी हरकतें निपुण हो गई थीं, मैं अपनी छाप छोड़ने की तैयारी कर रही थी। मेरे पीछे पानी की हल्की छप-छप की आवाज़ सुनकर मैं चौंक गई और अंधेरे में देखने के लिए मैंने अपना सिर घुमाया। मैंने समुद्र की ओर देखा और सतह पर छोटी-छोटी लहरें देखीं। अजीब। मुझे लगा जैसे कोई मुझे देख रहा हो। जल्दी करो। मैंने जल्दी से उस अजीब से एहसास को दूर किया और झुककर अपने बालों को पीछे करते हुए उस आदमी के गाल पर चुंबन किया। मैंने होठों पर एकदम सही निशान छोड़ दिया था, मेरा खास मौत का चुंबन।

“लो।” मैंने मुस्कुराते हुए उसके खून से लथपथ शरीर को देखा। मेरी उंगलियाँ उसके चेहरे की हड्डियों को छू रही थीं, मैं खुद पर गर्व महसूस कर रही थी। “अब तुम एकदम परफेक्ट हो।” मैंने उसकी नाक को हल्के से छुआ, उसके डरे हुए चेहरे को घूरते हुए, जो उस पल में जम सा गया था। “अगर तुम इतने बेवकूफ न होते, तो आज भी जिंदा होते और मेरे साथ सेक्स कर रहे होते।” मैंने आह भरी। “कितनी अफ़सोस की बात है। और तुम्हारा लिंग भी कितना अच्छा था।” मेरे हाथ उसकी पैंट के नीचे गए, मैंने उसके लिंग को जींस के नीचे से बाहर निकाला, उसे अपनी हथेली में रखकर निहारा। धड़कते दिल का हिस्सा न होने के बावजूद भी, वह मुझे उत्तेजित कर रहा था।

“कितना बेकार।” मुझे अचानक उसके लिंग के सिरे को चूमने और मीठी विदाई देने की इच्छा हुई, लेकिन जैसे ही मैंने उसे और जोर से दबाया, उसके वीर्य की आखिरी कुछ बूँदें निकल गईं, जिससे मेरा यह विचार तुरंत ही रुक गया। “कोई बात नहीं।” मैंने उसके लिंग पर एक थप्पड़ मारा, उसे उछलते हुए देखा, मुस्कुराते हुए खड़ी हुई और अपना सामान उठाया।

मैं रात का आनंद लेते हुए, समुद्र की खुशबू को महसूस करते हुए, बीच पर आगे बढ़ती गई, तभी उसके खून की धातु जैसी गंध मेरी नाक में आई। मैंने नीचे खुद को देखा, अपनी त्वचा पर उस आदमी के खून के धब्बे देखे, और अपने पेट पर उसके वीर्य के सूखे अवशेष महसूस किए। मैंने झुंझलाहट में आह भरी। आखिर ये शारीरिक संबंध हमेशा हत्या में ही क्यों खत्म होते हैं? और ये सब इतना गंदा क्यों होना चाहिए?

एक

दलीला

मैंने अपने शॉर्ट्स को पैर से हटाते हुए अपने बाकी सामान पर फेंक दिया और वो मेरे पैरों पर गिर पड़े। मैं किनारे की रेत पर नग्न खड़ी थी, अपने नवीनतम शिकार, अलाव और किसी भी ताक-झांक करने वाली निगाहों से बहुत दूर। पानी दूर की लहरों के

साथ तालमेल बिठाते हुए मेरे पैरों से टकरा रहा था, समुद्र में टकराने की आवाज़ मुझे अपनी ओर खींच रही थी। मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं, नमकीन हवा में सांस ली और मोहक चाँदनी में नहाया, जिसकी किरणें मेरी त्वचा को धीरे से सहला रही थीं। आधी रात की ठंडी हवा मेरे बालों को मेरी नंगी त्वचा पर सहला रही थी, मेरे स्तनों पर धीरे से फिसल रही थी, मेरी दर्द भरी चाहत को और बढ़ा रही थी। देर रात की तेज़ तैराकी ठीक वही थी जिसकी मुझे ज़रूरत थी, खासकर जो मैंने अभी किया था उसके बाद। उस आदमी को वहाँ खून से लथपथ और मृत पड़ा हुआ देखना... धिक्कार है, इसने मुझे उत्तेजित कर दिया। और खुद को संतुष्ट करने का मौका, सबके सामने, बिना किसी को पता चले... वाह, यह तो एकदम सही था।

मैं आगे बढ़ी, गर्म पानी से मेरी त्वचा में झुनझुनी होने लगी और मेरी निप्पलें सख्त हो गईं। यह एक बेहद मोहक एहसास था, जिसे मैं बचपन से ही पसंद करती आ रही थी, और यह मुझे समुद्र में और आगे खींचता चला गया, जब तक कि पानी मेरे कंधों को छोड़कर पूरे शरीर को ढक नहीं लिया।

मैं शांति से अंधेरे पानी में उतर गई, सिर पीछे की ओर झुकाकर तारों को निहार रही थी, उनकी टिमटिमाती रोशनी की प्रशंसा कर रही थी। मैंने सालों तक इस जगह से मुक्ति पाने की कामना की, इसे छोड़ने की तैयारी की, लेकिन फिर भी मुझे वापस यहीं लौटना पड़ा, मानो मैं कभी गई ही न होऊं। यह एक सुखद और दुखद पल था, जो मेरी कामुक इच्छाओं के उमड़ने से दब गया। मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं, अपने शरीर को सहजता से सतह पर उठने दिया, कोमल लहरों पर तैरती हुई, जो मुझे झुला रही थीं। रात की नमकीन हवा की महक ने मुझे मोह लिया, मेरी उंगलियों को नियंत्रित करते हुए, जो जानबूझकर मेरी टांगों पर ऊपर की ओर सरक रही थीं, पानी की बूँदें मेरी त्वचा पर पड़ रही थीं और रात की हवा से टकराकर एक कामुक विरोधाभास पैदा कर रही थीं, जिसने उस पल को और भी तीव्र कर दिया। मेरा मुँह थोड़ा खुला रह गया, एक हाथ मेरे स्तन को सहलाने लगा, धीरे से मेरे सख्त निप्पल को छू रहा था, जबकि दूसरा हाथ मेरी जांघों के भीतरी भाग पर सरक रहा था, मेरी टांगें चौड़ी होती जा रही थीं, जैसे-जैसे मेरी उंगलियाँ मेरे केंद्र की ओर बढ़ रही थीं।

समुद्र का पानी मेरे चेहरे पर छलक रहा था, मेरी इंद्रियाँ पूरी तरह से खुद को सहलाने में मग्न थीं। मेरी नसें कामुक इच्छा से जल रही थीं, मानो बेकाबू होकर बाहर निकलना चाहती हों, और मेरी हरकतों को और तेज़ कर रही थीं। मेरी उंगली का सिरा मेरे गुप्तांग के चारों ओर घूम रहा था, जैसे-जैसे आनंद बढ़ता जा रहा था, मेरी उत्तेजना खारे समुद्री पानी में घुलमिल रही थी, जिससे मेरा हाथ गीला हो रहा था। मैंने दो उंगलियाँ अंदर डालीं और उन्हें आगे-पीछे किया। मैंने अपना सिर पानी में तैरता रखने की कोशिश की, लेकिन पानी मेरे मुंह में घुस गया, जिससे मेरा गला जलने लगा और आगे बढ़ना मुश्किल हो गया। कराहते हुए, मैंने अपनी उंगलियाँ निकाल लीं, क्योंकि हस्तमैथुन करने और डूबने से बचने की कोशिश में जो परेशानी हो रही थी, उससे मैं निराश था।

मेरा शरीर पानी में तैर रहा था, मैं किनारे की ओर पीछे मुड़कर देख रहा था और सोच

रहा था कि क्या बीच पर आगे बढ़ना रेत से भर जाने लायक है भी या नहीं। तभी एक हल्की सी छपछपाहट से मैं चौंक गया और मेरा ध्यान उसकी ओर गया। मैंने मुड़कर देखा तो जहाँ मैं बहकर आया था, उससे कुछ ही दूरी पर एक जंग लगा पुराना बोया पड़ा था। तभी मेरे दिमाग में एक दिलचस्प विचार आया और मेरा उत्साह फिर से जाग उठा।

मैंने बड़ी खूबसूरती से अपने हाथों को हिलाया और पैरों को किक किया, गहरे पानी की लहरों के बीच तैरती हुई मैं उस buoy तक पहुँच गई। जैसे ही मैंने उस तैरते हुए उपकरण के धातु के किनारे को पकड़ा, मैंने किनारे की ओर पीछे मुड़कर देखा और महसूस किया कि मैं वास्तव में कितनी दूर आ गई हूँ। यह अजीब था फिर भी मदहोश कर देने वाला था, जिसने मेरी देर रात की आत्म-संतुष्टि में एक नया ही अनोखा आयाम जोड़ दिया। मैंने buoy और तेज़ लहरों के सहारे खुद को संभाले रखने की कोशिश की, और अपनी उंगलियों को अपने केंद्र की ओर बढ़ाया। मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं, मेरा मन भटकने लगा क्योंकि मैं एक रोमांचक ऊँचाई पर लौट आई थी, और धीरे से अपने जी-स्पॉट को सहला रही थी। मेरे शरीर ने मेरे स्पर्श के जवाब में एक धनुषाकार मोड़ लिया, आगे की ओर झुक गया, मेरे स्तन buoy की ठंडी, कठोर धातु से रगड़ खा गए। यह एक आश्चर्यजनक फिर भी सुखद अनुभूति थी, जिसका मैंने स्वागत किया और सचमुच उसमें डूब गई।

जैसे ही मेरी पकड़ मजबूत हुई, बोया मेरी ओर झुकने लगा। लहरों से जूझते हुए मैं खुद को सहला रही थी। मेरा सिर पीछे की ओर झुका हुआ था, मेरे सुनहरे बाल पानी में फैल रहे थे। मैं हांफ रही थी, मेरी आहें अनसुनी रह गईं। मैं जितनी जोर से चाहूँ उतनी जोर से आवाज कर सकती थी, और कोई मुझे सुन नहीं सकता था। यह आदर्श से भी बढ़कर था। यह कामुकता से भरपूर था।

मेरा शरीर तेज़ी से कसने और जलने लगा, मेरी खुशी चरम पर पहुँच रही थी तभी पानी के नीचे कुछ मेरे पैरों के बीच से गुज़रा। यह क्या था? मेरी उंगलियाँ तुरंत पीछे हट गईं और मैंने दोनों हाथों से बोया को कसकर पकड़ लिया, मेरे पैर अभी भी चौड़े फैले हुए थे। ओह नहीं। मैं अपनी इच्छाओं को रोक नहीं पा रही थी, एक साथ डरी हुई और उत्तेजित, रात की हवा में कराहते हुए मेरी उंगलियाँ फिर से मेरी योनि से छू गईं। मैंने अपने चरम सुख को रोकने की पूरी कोशिश की, अंधेरे पानी में खोजती रही। नहीं। जो भी मुझे छू रहा था, वह वापस आ गया, धीरे-धीरे मेरे पैरों के बीच फिर से तैरने लगा, मेरी उंगलियों को मेरे जी-स्पॉट पर ठीक से छूने के लिए प्रेरित किया, मुझे चरम सीमा तक पहुँचा दिया और मैं चीखते हुए समुद्र में ज़ोर से स्खलित हो गई। मेरी योनि धड़क रही थी, परम आनंद से कस रही थी। मेरा दिल तेज़ी से धड़क रहा था, मेरा दिमाग उलझा हुआ था और एक भी विचार को समझ नहीं पा रहा था, यह तो दूर की बात है कि अभी क्या हुआ था। मैंने बोया को कसकर पकड़ लिया, ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रही थी, तभी अचानक किसी चीज़ ने मेरे पैरों को पकड़ लिया। मैं चीख पड़ी, ज़ोर से मुझे पानी के नीचे खींच लिया गया, समुद्र का पानी मेरे मुँह में भर गया। मेरे हाथों ने बोया को और कसकर पकड़ लिया, और मैं गहरी साँस लेते हुए खुद को सतह

पर खींच लाई। चरम सुख के अंतिम चरण में भी मेरा शरीर काँप रहा था। मेरे पैरों पर दबाव कम होकर मेरी जांघों पर चला गया, जिससे वे और फैल गईं। ऐसा लगा जैसे दो हाथों ने मुझे समुद्र के बीचोंबीच जकड़ लिया हो। लेकिन ऐसा मुमकिन नहीं था...है ना?

मुझे जकड़े हुए किसी भी जीव की मौजूदगी बढ़ती गई, जैसे ही कोई चीज मेरे पैरों के बीच आकर मेरे शरीर के करीब सरकने लगी। मैंने उससे बचने की कोशिश की, उसे लात मारकर खुद से दूर करने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। जो भी था, वह ज़्यादा ताकतवर था, मुझे और गहराई में समुद्र की ओर खींच रहा था। मैं चीख पड़ी, पानी ने मेरी चीखों को दबा दिया, जैसे ही मैं लहरों के नीचे डूबी, बोया पर मेरी पकड़ ढीली पड़ गई। कोई चीज मेरी जांघ के अंदरूनी हिस्से पर सरकी, जानबूझकर मेरे मध्य भाग की ओर बढ़ी, उस संवेदनशील जगह को छूते हुए। मेरा शरीर कांप उठा और मैं हांफने लगी, समुद्र के पानी में मेरा दम घुटने लगा। मैंने सतह पर बेताब होकर हाथ-पैर मारे, बोया के धातु के किनारे को पकड़ लिया और खुद को ऊपर खींच लिया, और पास में छिपे किसी भी रहस्यमय जीव की पकड़ से खुद को छुड़ा लिया।

मैं हांफते हुए, सांस लेने के लिए संघर्ष करते हुए, धातु के ढांचे को कसकर पकड़े हुए चिल्ला उठा। यह क्या था? और यह मेरे साथ क्या करने की कोशिश कर रहा था? जैसे ही मैंने चारों ओर देखा, मुझे अचानक राहत महसूस हुई, मैंने अपना सिर बोया पर टिका दिया और राहत की सांस ली। मुझे लगता है कि यह चला गया है।

मैंने आँखें खोलीं और तुरंत ही पीछे से आती हुई एक परछाईं को अपने ऊपर मंडराते हुए देखा। चीखने के लिए मेरा मुँह खुला ही था कि एक बड़े हाथ ने आकर मेरा मुँह ढक लिया। दूसरा हाथ मेरे पेट के चारों ओर लिपटा और मुझे एक शरीर से खींच लिया—स्पर्श से लग रहा था कि वह एक पुरुष का शरीर था।

वह अजनबी आदमी मेरे करीब आया, उसका चेहरा मेरी गर्दन से सट गया और वह मेरे पीछे आकर और अंदर तक घुस गया। उसका सख्त और ढीला लिंग मेरी कमर से दब रहा था। "मैं तुम्हें चोट नहीं पहुँचाऊँगा," उसने फुसफुसाते हुए मेरी त्वचा को चूमा। "जब तक तुम न चाहो।" मैं महसूस कर सकती थी कि उसका मुँह चौड़ा हो रहा है, उसके दाँत मेरी गर्दन की त्वचा पर गड़ रहे हैं। कितना प्यारा और संवेदनशील स्थान! डर के बावजूद, मैं खुद को रोक नहीं पाई और उसकी हथेली में एक हल्की सी आह भर दी। "ओह, अब तुम्हें अच्छा लग रहा है ना?" उसकी साँसें मेरी त्वचा पर नाच रही थीं। "अच्छा, अभी तो बहुत कुछ बाकी है। सुनो, मैं अपना हाथ हटा लूँगा, लेकिन तभी जब तुम वादा करो कि चीखोगी नहीं, ठीक है?" मैंने अपना सिर तेज़ी से हिलाया, यह सोचने की कोशिश कर रही थी कि मैं कितनी तेज़ी से तैर सकती हूँ और क्या मैं उससे बच पाऊँगी।

उस आदमी ने धीरे से अपना हाथ बढ़ाया, मेरी ठुड्डी पर दबाव डालते हुए, उसकी कोमल पकड़ बनी रही, जो धीरे-धीरे मेरे गले तक पहुँच गई। मैं स्थिर रही, दोनों हाथों से बोया को कसकर पकड़े हुए, सोच रही थी कि क्या कहूँ। "त-क्या चाहते हो तुम?"

मैंने कांपती हुई आवाज़ में पूछा।
उसने अपना लिंग मेरी पीठ पर ज़ोर से दबाया, जिससे मेरी कमर दर्द से कराह उठी और मेरी कमर फड़कने लगी। उसकी आक्रामकता से मुझे थोड़ी उत्तेजना भी हुई।
"मैंने तुम्हें खुद को संतुष्ट करते हुए सुना, इसलिए सोचा कि तुम्हारी मदद कर दूँ।" उसने मेरे बालों में फुसफुसाते हुए गहरी साँस ली। "जिज्ञासावश, क्या मुझे खून की गंध आ रही है?" यह सोचकर उसकी आवाज़ तेज़ हो गई, जिससे मैं चिंतित हो गई। क्या उसने मुझे उस आदमी को मारते हुए देखा था? ऐसा तो हो ही नहीं सकता, है ना? मुझे उससे दूर जाना था।
बिना सोचे समझे मैंने अपना मुंह खोला और चीख पड़ी, “मदद करो! मदद करो—” उस आदमी की पकड़ मेरे गले पर और कस गई, मेरी चीखें मानो दम तोड़ रही थीं, और मेरी साँसें धीरे-धीरे रुक रही थीं। "मैंने तुमसे कहा था कि चीखना मत," उसने मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा। "मैं तुम्हारी चीखें तभी सुनना चाहता हूँ जब मैं तुम्हारे अंदर हूँ।" जैसे ही वह बोला, उसके लिंग का अगला हिस्सा तन गया, और मेरे अंदर कुछ हलचल हुई। हालाँकि उसका यहाँ आकर खुद को मेरे सामने पेश करना पागलपन था, फिर भी मुझे उससे डर कम होता जा रहा था और मैं उसे चाहने लगी थी।
मेरे भीतर कुछ बदल गया, मेरा शरीर उसके करीब आने का विरोध करना बंद कर दिया, और उसके और करीब झुक गया, मानो चुपचाप उसे आगे बढ़ने का इशारा कर रहा हो। मुझे पता नहीं था कि क्या था, लेकिन मैं उसके और उसके दबंग अंदाज़ से मंत्रमुग्ध हो गई थी। इस पल, अज्ञात का डर उसके द्वारा दिए जा रहे अनुभव को पाने के किसी भी जोखिम के लायक था।
“ओह?” उसने खुद को संभाला, उसका लिंग अब मेरे पैरों के बीच था, मेरी भीतरी जांघ को छू रहा था। “क्या तुम आखिरकार मुझे अपने साथ शामिल होने के लिए बुला रही हो?” उसने मेरे चेहरे के पास कर्कश स्वर में फुसफुसाया, उसका दूसरा हाथ मेरी जांघ को कसकर पकड़े हुए था और उसने अपने घुटने से मेरे पैरों को चौड़ा किया।
“अब और लड़ाई नहीं?” उसने मेरी कॉलरबोन को चूमते हुए पूछा। उस आदमी का सारा डर एक अवर्णनीय लालसा में बदल गया था।
मैंने घूंट भरा, मेरा शरीर उसे चिढ़ाते हुए जल रहा था। "जब तक तुम्हें यह पसंद न हो, तब तक नहीं।" मैंने अपना सिर थोड़ा सा घुमाया, काश वह मुझे फिर से काट लेता। मैं उस आदमी को मुस्कुराते हुए महसूस कर सकती थी, मेरी सहमति से खुश, जैसे ही उसके होंठ मेरी त्वचा पर चले, मेरी कॉलरबोन के ऊपर की त्वचा को काटते हुए, वह मेरे शरीर में गहराई तक घुस गया। उसका लिंग न केवल लंबा था बल्कि मोटा भी था, उसके द्वारा लगाए गए बल के बावजूद मेरे अंदर समा पाने के लिए संघर्ष कर रहा था। रात की हवा में मेरा दम घुट रहा था, मेरी आँखें चौड़ी हो गईं और आँसू बहने लगे, जैसे ही वह कराह उठा। उसके कसे हुए दांत मेरी त्वचा में चुभ गए, जबकि दर्द भरी संवेदनाओं से मेरी पीठ झुक गई। मेरी आँख से एक आँसू गिर गया, मेरा मुँह उत्तेजना से भर आया, जैसे ही मैंने अपने पैर पीछे किए और उन्हें उसकी कमर के चारों ओर लपेट लिया, खुद को उसके लिंग पर और आगे खींचते हुए, अपने शरीर की सीमाओं

को पार कर रही थी।
वह आदमी धीरे-धीरे आगे-पीछे धक्के देने लगा, गति बढ़ाते हुए, मानो उसे ठीक-ठीक पता हो कि मुझे कैसे संतुष्ट करना है। हम चुप रहे, हमारे बीच केवल हमारी आहें और कराहें ही सुनाई दे रही थीं, साथ ही भारी साँसें भी। हम धीरे-धीरे आगे बढ़ते रहे, अपना समय लेते रहे और उस पल को जीते रहे। जैसे ही मेरा चरम सुख करीब आने लगा, उस आदमी ने अपनी गति धीमी कर दी, मुझे किनारे से वापस खींच लिया, मेरे आनंद को और बढ़ा दिया। यह रोमांचकारी था। मैंने कभी किसी ऐसे व्यक्ति के साथ संबंध नहीं बनाया था जो मेरी गुप्त इच्छाओं को पूरा करते हुए मुझे कैसे उत्तेजित करना जानता हो। मुझे पीछे से संभोग करने का रहस्य जितना पसंद आ रहा था, मेरी जिज्ञासा उतनी ही बढ़ती गई, और मैं उसका चेहरा देखना चाहती थी।
मेरा सिर पीछे की ओर झुक गया, उसकी गति बढ़ गई क्योंकि उसका एक हाथ मेरे निप्पल को मरोड़ रहा था जबकि दूसरा हाथ मेरे गुप्तांग के चारों ओर तेज़ी से घूम रहा था। मैंने बोया पर अपनी पकड़ ढीली कर दी, अब केवल एक हाथ से पकड़े हुए थी। मैंने अपना हाथ ऊपर उठाया, उसे पीछे की ओर झुकाया, जिससे मेरी उंगलियां उसके बालों में फिसल गईं। वे लंबे तो नहीं लग रहे थे, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से मुलायम थे।
“सावधान रहो,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “अगर तुमने हाथ छोड़ दिया, तो हम डूब सकते हैं।” मैं समझ गया था कि वह मज़ाक कर रहा है, लेकिन उस पल में जान बचाने की कोशिश का अतिरिक्त खतरा रोमांचकारी लग रहा था।
“मैं काफी देर तक अपनी सांस रोक सकती हूँ,” मैंने छेड़ा। “क्या तुम रोक सकते हो?” मैंने जानबूझकर बोया छोड़ दिया, और हम दोनों पल भर में गहरे समुद्र में डूब गए। उसका शरीर डूबने लगा, मुझसे दूर होता चला गया, और उसका लिंग मेरे शरीर से अलग हो गया। नहीं। मुझे छोड़ने का पछतावा हुआ, पानी को महसूस करते हुए, उसे ढूंढने लगी। वह कहाँ चला गया? मेरा शरीर भी गहराई में उतरने लगा, और मैं अपने हाथों को छटपटाते हुए, सतह पर वापस आने की कोशिश कर रही थी। मैंने अपना मुंह खोला, मेरे फेफड़ों की हवा बुलबुले बनकर बाहर निकल गई, और मेरे गले में जलन रह गई। मैंने उसे मुंह से बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रही, क्योंकि मैं छटपटाते हुए, सतह की ओर बढ़ रही थी। घबराहट हावी होने लगी। मैं इतनी दूर नहीं हो सकती!
उस आदमी के हाथ वापस आए, मेरी बांहें पकड़ लीं और मुझे अपनी ओर खींच लिया। उसने मुझे गले लगा लिया, हमारे शरीर एक-दूसरे से चिपक गए और मैंने उसके होंठों को अपने होंठों पर महसूस किया। उसने गहरी सांस ली, और उसकी हवा मेरे शरीर में प्रवेश कर गई, जिससे मेरे फेफड़े शांत हो गए। वह ठीक है। मैं ठीक हूँ। हम वहीं जमे और स्थिर रहे, जैसे ही उसने अपने होंठ हिलाए और मुझे जोश से चूमा। मेरी बांहें छटपटाना बंद कर गईं और उसकी गर्दन के चारों ओर लिपट गईं, जैसे ही मैंने उसकी हवा अंदर ली, मेरा दिल तेजी से धड़क रहा था, एक तो उसके द्वारा दिए गए एहसास से और दूसरा घटती ऑक्सीजन से। डूबने के वास्तविक खतरे के बावजूद, मैं

बस उसे ही चाहती थी।
उसके पैर चलने लगे और जैसे ही वह पानी की सतह पर आने लगा, मैंने अपनी बाहों को उसकी गर्दन के चारों ओर लपेट लिया, और हमारे शरीर तेज़ी से ऊपर उठने लगे। हम पानी की लहरों को चीरते हुए, साँस लेने के लिए हाँफते हुए, समुद्र के अँधेरे से बाहर निकले। मैंने कुछ बार पलकें झपकाईं, मेरी आँखें समुद्र के पानी से थोड़ी जल रही थीं और उसे निहार रही थीं, उसकी सुंदरता ने मुझे पूरी तरह से मंत्रमुग्ध कर दिया था।
वह आदमी बेहद आकर्षक था, उसके काले बाल उसकी आँखों की पुतलियों से लगभग मेल खाते थे, उसका गठीला और चौड़ा शरीर मांसपेशियों से भरा हुआ था। उसकी छाती के आधे हिस्से और पूरी बांह पर कई जनजातीय टैटू गुदे हुए थे जो उसकी सांवली त्वचा पर उभर कर दिख रहे थे। उसने अपनी ठुड्डी ऊपर उठाई, उसकी मजबूत ठुड्डी हिल रही थी जैसे वह मुझे देख रहा हो। मेरा हाथ उसके गाल से छू गया, और मैंने उसका चेहरा अपनी ओर खींच लिया और हमने फिर से चुंबन किया। उसने मुझे पीछे धकेल दिया, मेरा सिर हल्के से बोया के किनारे से टकरा गया। "पकड़ लो," उसने आदेश दिया। कितना आक्रामक!
मैंने उसकी गहरी आँखों में देखा, उत्सुकता से मुस्कुराते हुए मैंने अपनी बाहें ऊपर उठाईं और बोया की धातु की रेलिंग को कसकर पकड़ लिया, उसके हाथों ने मुझे सहारा दिया और मेरे स्तन समुद्र के पानी से ऊपर उठ गए। वह उन्हें घूर रहा था, अपने होंठों को कसकर दबाए हुए था और उसकी जीभ उसके निचले होंठ पर फिर रही थी। मैं अपने स्तनों पर उसके होंठों का स्पर्श महसूस करना चाहती थी, उसकी जीभ को अपने निप्पल्स पर फिसलते हुए महसूस करना चाहती थी। मानो मेरे विचारों को सुनकर, वह धीरे-धीरे मेरे करीब आया, उसके हाथ मेरी कमर की गोलाई को सहला रहे थे, उसने अपना मुँह खोला और मेरे स्तन को चूमना शुरू कर दिया।
उसकी जीभ के स्पर्श से मेरी सांसें तेज हो गईं और मेरा सिर पीछे की ओर झुककर बोया पर टिक गया। उसकी जीभ मेरी त्वचा पर फिसलती हुई, एक-एक करके मेरे दोनों निपल्स के ऊपरी हिस्से को छू रही थी। मेरा शरीर दर्द कर रहा था, मेरा गुप्तांग फड़क रहा था, मानो उसके लिंग के वापस आने की गुहार लगा रहा हो।
मैंने नीचे देखा और उसे निहारा, उसकी सुंदरता की प्रशंसा करते हुए जब उसकी नज़रें मेरी आँखों से मिलीं। उसके होंठों का कोना मुड़ा और उसने मुझे हल्के से काटा। मैं हांफ उठी, मेरी बाहें कस गईं और मैंने बोया को और कसकर पकड़ लिया। उसने मेरा निप्पल छोड़ दिया और मुझे अपनी ओर खींच लिया, मेरी ठुड्डी पकड़ ली, बोया उसके खींचने से नीचे झुक गया। उसने मेरे होंठों को अपने होंठों से सटा लिया, मुझे ज़ोर से चूमा, मेरे निचले होंठ को इतनी ज़ोर से काटा कि खून निकल आया। मैं ज़रा भी नहीं हिली, दर्द भरे सुख का आनंद ले रही थी क्योंकि धातु जैसा स्वाद हमारी लार में घुल गया था।
उस आदमी का हाथ मेरी ठुड्डी से मेरी गर्दन तक फिसल गया, धीरे-धीरे मेरे नंगे शरीर से होते हुए मेरी जांघ तक पहुँचा, और उसने मेरे पैरों को अपनी कमर के चारों ओर

लपेट लिया। "अब चीखने का समय है," उसने मेरे कान में फुसफुसाया। इससे पहले कि वह अपने शब्द पूरे कर पाता, उसने अपना लिंग मेरे अंदर गहराई तक डाल दिया, मेरी चीखें मेरे फेफड़ों में गूँज उठीं क्योंकि उसने तुरंत मेरे शरीर को ज़ोर-ज़ोर से धक्के देने शुरू कर दिए, ज़रा भी नहीं रुके। पानी हमारे चारों ओर छलकने लगा क्योंकि हम अपनी खुद की लहरें बना रहे थे, उसकी कराह और मेरी आहों की आवाज़ों में भीगे हुए। मैंने यह छिपाने की कोशिश नहीं की कि वह कितना अच्छा लग रहा था, मैंने इसे ज़ाहिर किया, उससे विनती की कि वह न रुके। वह बस मुस्कुराया, अपनी गति और जोश बढ़ाता गया, मुझे किसी और से कहीं बेहतर तरीके से चोद रहा था।
“हे भगवान!” मैं रोने लगी, मेरा शरीर एक बार फिर कसने लगा, आने वाले चरम सुख को रोकने में असमर्थ। “नहीं, भगवान नहीं!”
“इस समय मैं तुम्हारे प्यारे से मुंह से सिर्फ अपना नाम सुनना चाहता हूँ,” वह हांफते हुए बोला। मैंने उसे टकटकी लगाकर देखा, अपनी भावनाओं को दबाते हुए उस पल को लंबा खींचने की कोशिश की।
"बताओ।" इतनी खुशी को रोके रखना दर्दनाक था, लेकिन मुझे उसका नाम जानना ज़रूरी था।
जैसे-जैसे वह ज़ोर लगाता गया, उसकी मुस्कान और चौड़ी होती गई। "रीफ़।" वह आगे झुका, शब्दों के बीच मेरी त्वचा को चूमता और काटता रहा। "अब, बोलो।" मेरा शरीर चरमरा गया, मैं परम आनंद में डूब गई, जैसे ही उसने मेरे स्तन को फिर से काटा, मैं बेकाबू हो गई। मैं चीख पड़ी, ज़ोर-ज़ोर से साँस लेते हुए, मेरा शरीर काँपने लगा, उसके सख्त लिंग को जकड़ने के लिए संघर्ष कर रही थी। "मेरा नाम बोलो," वह गुर्राया, और ज़ोर से काटने लगा। "बोलो!"
“रीफ़!” मैं चीखी, ज़ोर से चरम सुख का अनुभव करते हुए, उसे अपने ऑर्गेज़्म से भिगो दिया। “रुको मत। रुको मत, रीफ़। मुझे और ज़ोर से चोदो।” मैंने अपना एक हाथ हटाकर उसकी गर्दन पकड़ ली, उसे अपनी ओर खींच लिया, और चरम सुख का अनुभव करते हुए, मेरा दिल उत्तेजना से धड़क रहा था। रीफ़ ने ठीक वैसा ही किया जैसा मैंने कहा था, मुझे पहले से भी ज़्यादा ज़ोर से चोदा, इतना ज़ोर से कि मेरी हड्डियाँ भी छिल गईं, लेकिन मुझे परवाह नहीं थी। मैं चाहती थी कि यह एहसास कभी खत्म न हो, यह बेकाबू इच्छा मेरे अस्तित्व को जला रही थी, और मैं उसके साथ हिलने लगी, अब हमारे सीने एक-दूसरे से ज़ोर से टकरा रहे थे। मेरा शरीर रुक नहीं सका, लगभग तुरंत ही दूसरी बार चरम सुख का अनुभव हुआ, जिससे उसे मेरे अंदर आसानी से चलने के लिए चिकनाई मिल गई।
“ओह, धत् तेरे की!” मैं चीख पड़ी, चरम सुख के कारण मेरा शरीर दर्द से तड़प रहा था। मेरे नाखून उसकी त्वचा में गड़ गए और मैं धीरे-धीरे हांफने लगी, मेरी सांसें बेकाबू हो गईं। रीफ ने अपनी गति धीमी कर दी, वह अभी भी मेरे अंदर था और मुझे थामे हुए था। वह मुझे घूर रहा था, लहरें हम पर टकरा रही थीं और बोया को हिला रही थीं। मैं सांस लेने के लिए संघर्ष कर रही थी, अपनी खुशी छिपा नहीं पा रही थी, मुस्कुराते हुए मैंने उससे कहा, “क्या तुम भी चरम सुख तक पहुंचे?” मैंने निगलते हुए

कहा, “क्योंकि मैंने तुम्हें सुना नहीं।”
रीफ मुस्कुराया और मन ही मन हँसने लगा। “मुझे नहीं लगता कि तुम इतनी ज़ोर से आवाज़ कर रही थी कि तुम्हें कुछ सुनाई दिया होगा।” उसने मेरे चेहरे से बाल हटाए और धीरे से मेरे गाल को सहलाया। “लेकिन नहीं, मुझे कुछ सुनाई नहीं दिया। यकीन मानो, जब मैं चरम सुख तक पहुँचूँगा तो तुम्हें पता चल जाएगा।” रीफ धीरे-धीरे मेरे अंदर से बाहर निकला, जिससे मेरे शरीर में एक झनझनाहट सी दौड़ गई।
मेरी भौंहें असमंजस से तन गईं। वो क्यों नहीं आया? क्या मैं उसके लिए काफी नहीं थी? क्या मैंने उसे प्रभावित नहीं किया? मेरे दो बार आने के बावजूद वो इतनी देर तक कैसे शांत रह सकता है? ये सब क्या हो रहा है?
“हे।” उसने मेरा ध्यान वापस अपनी ओर आकर्षित किया।
“क्या?” मैंने पूछा, इस बात से थोड़ा आहत होकर कि मैं उसे शारीरिक रूप से संतुष्ट नहीं कर पा रही थी।
“तुम कमाल की थी, लेकिन मुझे खाना खाने से पहले उसका स्वाद चखना पसंद है।” उसने आँख मारी और मुझे धीरे से चूमा। जैसे ही मैंने उसे गले लगाया, मेरा हाथ फिसल गया और हमारे शरीर पानी के नीचे चले गए। उसके हाथ मेरे शरीर से अलग हो गए और मेरी पहुँच से दूर चले गए। मैंने सतह की ओर तैरने की कोशिश की, और लगभग ठीक मेरे ऊपर तैरते हुए बोया की एक झलक देखी, तभी कुछ मेरे पैर से छूकर निकल गया। मैं रुक गई, यह सोचकर कि यह रीफ है, तभी अचानक किसी ने मेरे धड़ के किनारे पर काट लिया, जिससे मैं बोया के आधार से टकरा गई और मेरा सिर ज़ोर से टकराया। टक्कर की आवाज़ मेरे कानों में गूँज उठी और डर से मेरी आँखें चौड़ी हो गईं, मैं घबरा गई जब मैंने देखा कि मेरे शरीर से खून बह रहा है। मेरे सिर में दर्द हो रहा था, एक अंधेरा धीरे-धीरे मेरी चेतना पर हावी होने लगा। मैंने पलकें झपकाईं, मेरी दृष्टि धुंधली होती गई और मैंने परछाइयों में कुछ तैरता हुआ देखा। कुछ बड़ा।
मैंने पलकें झपकाईं और उस आकृति को पहचान लिया। वह एक शार्क थी।

दो

दलीला

तेज़ लहरों की गड़गड़ाहट और ऊपर से आती सीगल पक्षियों की चीखों ने मुझे चौंका कर जगा दिया। मैं कराह उठा, मेरे चेहरे पर रेत लगी थी और मेरी आँखें रोशनी को ठीक से देखने की कोशिश कर रही थीं। चारों ओर तेज़ धूप थी, आवाज़ों और गंधों का ज़बरदस्त टकराव एक साथ मुझ पर हावी हो रहा था, जबकि सूरज मेरी नंगी पीठ पर तेज़ चमक रहा था। मेरी कमर में जलन हो रही थी, और नमकीन पानी के मेरे धड़ से टकराने पर मैं सिहर उठा, जिससे मुझे तुरंत याद आ गया कि पानी में किसी चीज़ ने

मुझ पर हमला किया था।
मैंने अपना शरीर घुमाया और पेट पर नज़र डाली, मेरा हाथ कांपने लगा, मेरी आँखें जो देख रही थीं उसे समझने की कोशिश कर रही थीं। मेरी उंगलियाँ कांप रही थीं, उनकी नोकें मेरी त्वचा पर बने कई निशानों को छू रही थीं। खून हल्के से पानी में घुल रहा था, उसकी चुभती गर्मी से मुझे दर्द हुआ और मैं हांफने लगी, तब मुझे एहसास हुआ कि जिस शार्क को मैंने कल रात देखा था, उसने मुझ पर हमला किया था और मेरे शरीर पर एक बड़ा काटने का निशान छोड़ दिया था।
मैं झट से खड़ा हो गया और चारों ओर नज़र घुमाकर देखा तो पाया कि बीच बिल्कुल खाली था। लगता है अभी सुबह ही है। मैंने चारों ओर देखा और अपना सामान नज़र आ गया। मैंने उसे झटपट उठाया और जल्दी से कपड़े पहन लिए, इस बात का ध्यान रखते हुए कि बड़े घाव पर खरोंच न लगे। रेत में लड़खड़ाते हुए मैं मुड़ा और दूर तैरते हुए बोया को देखा, और मुझे उसकी याद आ गई। रीफ़। वह गायब हो गया था। क्या शार्क ने उस पर भी हमला किया था? मैंने अपना सिर खुजलाया, बोया के निचले हिस्से से टकराने के कारण अब उस पर एक छोटा सा उभार आ गया था। आखिर कल रात क्या हुआ था?

मैंने अपने गीले कपड़े एक तरफ फेंक दिए और धड़ाम से टाइल वाले फर्श पर गिर पड़ी, जिससे बाथरूम के फर्श पर रेत बिखर गई। छोटे से कमरे में भाप भर गई, जिससे मेरी त्वचा गर्म हो गई। मैं खड़ी होकर अपने शरीर के प्रतिबिंब को घूर रही थी और बाथरूम के शीशे में शार्क के काटने के बड़े निशान को देख रही थी। खून बहना बंद हो गया था, क्योंकि काटने का निशान गहरा नहीं था। शार्क के दांतों ने मेरे मांस को छेद दिया था, लेकिन कोई और नुकसान नहीं हुआ था, जो कि... अजीब था। कोई शार्क बस थोड़ा सा चखकर क्यों चली जाएगी? यह सोचकर मुझे तुरंत रीफ की कही बात याद आ गई।

मैंने सिर हिलाया और शॉवर में चली गई। गर्म पानी से मेरे पूरे शरीर पर फैले घाव में जलन हो रही थी, जिसे मैं ध्यान से साफ करने लगी। मेरे हाथ दांतों के कई निशानों पर फिरे और मुझे याद आया कि रीफ ने मुझे कैसे छुआ था, उसके हाथ मेरी त्वचा पर कैसे फिसल रहे थे। मैं नहाती रही, अपने बालों और शरीर को ध्यान से धोती रही और साथ ही अपने नए घाव का भी ख्याल रखती रही। मेरा मन रीफ के ख्यालों में डूबा हुआ था। वह रहस्यमय, दबंग और आकर्षक था... एक ऐसा रहस्यमयी इंसान जो कहीं से भी प्रकट हो गया था। मैं सोचे बिना नहीं रह सकी कि क्या वह यहीं का रहने वाला था, और उम्मीद कर रही थी कि मुझे उससे दोबारा मिलने का मौका मिलेगा।

“लो, तुम यहाँ हो!” मेरी खूबसूरत रूममेट चेरी अपनी कुर्सी से उछलकर मेरी तरफ दौड़ी। मुझे दर्द से कराहते हुए उसने मुझे कसकर गले लगा लिया, जिससे वह थोड़ा पीछे हट गई। उसकी चॉकलेट जैसी आँखों ने मुझे ऊपर से नीचे तक देखा और तुरंत मेरे धारीदार हॉल्टर टॉप और बेल बॉटम जींस के नीचे साफ दिख रहे ताज़े काटने के निशान को पहचान लिया। उसने हल्की सी साँस ली और अपना मुँह हाथ से ढक लिया, उसकी बाहों में पहनी चूड़ियाँ आपस में बज उठीं। “डेलीला,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “क्या किसी शार्क ने तुम पर हमला किया? क्या इसीलिए तुम कल रात घर नहीं आई?”

मुझे पता था कि मैं इस निशान को छिपा नहीं पाऊँगी, लेकिन मुझे इतनी चिंता की उम्मीद नहीं थी। "हाँ, मैं कल रात तैरने गई थी और आज सुबह समुद्र तट पर उठी तो यह निशान मेरे चेहरे पर था।" मैं घबराकर हँसी। "लगता है, मैं वो नहीं थी जो इसे चाहिए थी।" मैं हँसी में बात टालने की कोशिश करती रही, घबराई हुई थी क्योंकि वह मुझे देख रही थी, बाहर से खिड़की के पर्दों से छनकर आती धूप की किरणों में उसकी गर्म पुतलियाँ चमक रही थीं।

चेरी ने अपनी बाहें मोड़ लीं। "तुम इतनी रात को बीच पर क्या कर रही थी, तैर रही थी?" उसने एक भौंह ऊपर उठाई। "मुझे लगा था कि हमने तय किया था कि अब हम किसी से भी ऐसे ही संबंध नहीं बनाएंगे, डेलाइला।"

मैंने आंखें घुमाईं और अपनी बाहें मोड़ लीं। "देखो, कल रात..." मैंने उस आदमी को याद करना बंद कर दिया जिसे मैंने मारा था। गला साफ करते हुए मेरी रीढ़ सीधी हो गई। "कल रात कुछ अलग थी। मुझे पता है हमने तय किया था कि मैं ऐसे ही लोगों से संबंध बनाना बंद कर दूंगी, लेकिन... मुझे लगता है कि मैं किसी से मिली।" मैंने विषय बदलने की कोशिश की, उस लाश से ध्यान हटाकर उस आदमी की ओर इशारा किया जिसने मुझे समुद्र में देवता की तरह व्यथा।

“ओह?” उसका चेहरा थोड़ा नरम पड़ गया। “तुम्हें ऐसा लगता है? अच्छा, बताओ। कौन है वो?”

मेरे गाल लाल होने लगे, जिससे मेरी भावनाएं ज़ाहिर हो गईं। "पहली बात तो ये है कि ये लड़का है।" मैं बच्चे की तरह खिलखिला कर हंस पड़ी।

“सच में?” उसने उत्सुकता से पूछा। “अच्छा, उसका नाम क्या है? मुझे उसके बारे में सब कुछ बताओ!”

“किसके बारे में?” शेरिफ की वर्दी पहने एक अधेड़ उम्र का आदमी कमरे में दाखिल हुआ, जिससे चेरी एकदम घबरा गई। वह तुरंत सख्त हो गई और अपनी डेस्क और टाइपराइटर पर लौट गई। वह पूरी तरह चुप हो गई और टाइप करने लगी, अपना काम

फिर से शुरू कर दिया। चेरी गोल्डन कोस्ट के पुलिस स्टेशन में सचिव थी, उसी स्टेशन में जहाँ मेरे पिताजी, चीफ बेली, काम करते थे।
“हे पापा,” मैंने आह भरी और अपनी नज़रें नीचे कर लीं क्योंकि उन्होंने हम दोनों के बीच एक नज़र डाली।
“मैंने तुम दोनों से कहा था कि अपनी निजी जिंदगी घर पर ही रखो और काम के घंटों के दौरान ये सब गपशप बंद करो?” उसने चिढ़ते हुए चेरी को कागजों का एक बंडल पकड़ा दिया। “लो, इन्हें तुरंत टाइप करवा दो।”
चेरी ने उसके हाथों से कागज़ ले लिए और उन्हें देखते हुए उसका चेहरा पीला पड़ गया। "एक और?" उसने पूछा।
मेरे पिता ने गला साफ किया और अपने हाथों को कमर पर रखते हुए कहा, "दुर्भाग्यवश। मैं डिप्टी डेनियलसन को यह मामला संभालने के लिए कहता, लेकिन लगता है किसी को पता ही नहीं कि वह कहाँ है। लानत है डेनियलसन को! अगर उसका सिर उसके शरीर से जुड़ा न होता तो वो उसे काट देता।"
मैंने चेरी के हाथों में मौजूद कागजों पर नज़र डालने की कोशिश करते हुए पूछा, "यह क्या है?"
“लगता है आज सुबह समुद्र तट पर एक और शव मिला है। लगता है मौत के फरिश्ते ने एक और शिकार को अपना शिकार बना लिया है, उसे—” चेरी रुक गई, उसकी आँखें चौड़ी हो गईं, उसने गला साफ किया और आगे बोली। “उसे समुद्र तट पर अभद्र हालत में छोड़ दिया है।” मैं मन ही मन हँस पड़ी, यह भूलकर कि मैंने उस आदमी का लिंग बाहर लटका हुआ छोड़ दिया था। ओह!
मौत का फरिश्ता; मीडिया ने मुझे यह बेतुका और अतिरंजित उपनाम दिया था। इस नाम से ऐसा लगता था मानो मैं कोई बेहद शातिर सीरियल किलर हूँ, जो अपने शिकार का पीछा करके उन्हें मार डालता है, जबकि असलियत में बात इसके बिल्कुल उलट थी। ऐसा नहीं था कि मैंने उन सभी लोगों की हत्या की योजना बनाई थी। बस मैं खुद को रोक नहीं पाता था। मेरा स्वभाव हमेशा से गुस्सैल था, और मेरे 'शिकार', जैसा कि वह उन्हें कहता था, बस बदकिस्मत लोग थे जिन्होंने गलत समय पर मुझे गुस्सा दिला दिया था। हत्याओं के पीछे कोई रणनीति या विस्तृत योजना नहीं थी, हालाँकि मीडिया द्वारा मुझे दी गई वाहवाही मुझे अच्छी लगती थी। मेरे सभी अपराधों को जोड़ने का एकमात्र कारण वह लिपस्टिक थी जो मैं अक्सर अपने हर शिकार पर छोड़ जाता था। यह एक साधारण विदाई चुंबन से शुरू हुआ था, लेकिन जैसे-जैसे मीडिया इस पर जुनूनी होता गया और इसे मौत का चुंबन कहने लगा, मैं भला कैसे मना कर सकता था? अब, मैं जानबूझकर इसे अपने निशान के रूप में शामिल करता था, इसे अपना लेता था।
मेरे पिता की नजर मुझ पर पड़ी, उन्होंने मेरे धड़ को देखा। "रुको, आखिर तुम्हारे साथ क्या हुआ?"
“मुझे तो लगता है शार्क ने काट लिया है।” वह आदमी पुलिस स्टेशन में दाखिल हुआ, मछली पकड़ने के चारे और शरीर की दुर्गंध से मेरा दम घुट रहा था, उसकी जानी-

पहचानी आवाज़ सुनकर मेरा शरीर अकड़ गया। धत् तेरे की, डेल! “देखने से तो लगता है कि उसे तुम्हारा स्वाद पसंद नहीं आया।” डेल मेरे पिता के पास खड़ा हुआ, उसके गंदे, दागदार कपड़े बिखरे हुए थे, उसके लंबे, गंदे सुनहरे बाल इधर-उधर बिखरे हुए थे, मानो वह अभी-अभी बिस्तर से उठा हो, जो उसकी खुरदरी छोटी मूंछों से बिल्कुल मेल खा रहे थे। उसकी हरी आँखें मेरे शरीर पर कुछ ज़्यादा देर तक टिकी रहीं, जिससे मैं अकड़ गया क्योंकि मुझे हमारा अतीत याद आ गया, हाई स्कूल में उसे छोड़ने के सारे दर्दनाक कारण याद आ गए। “मैंने सुना है कि तुम वापस शहर आ गए हो। इतने सालों बाद तुम्हें फिर से देखकर अच्छा लगा।”

“शार्क ने तुम पर हमला कर दिया? धिक्कार है, डेलाइला! मैंने तुम्हें रात में तैरने के बारे में कितनी बार कहा है?” मेरे पिता ने मुझे डांटा। डेल मुस्कुराया, मुझे अपने पिता के शब्दों के बोझ तले सिकुड़ते हुए देखकर उसे आनंद आ रहा था।

“ठीक है, ज़्यादा दर्द नहीं हो रहा—” इससे पहले कि मैं अपनी बात पूरी कर पाती, डेल आगे बढ़ा और मेरी कमर को अपनी ओर खींच लिया, मेरे घाव को ध्यान से देखते हुए, उसकी गंदी उंगलियों के स्पर्श से मैं दर्द से कराह उठी।

"लगता है हम सही थे, चीफ बेली।" उसने सूंघा और मुझे घूरते हुए अकड़ के साथ मेरा शरीर छोड़ दिया।

“किस बारे में सही?” मैंने पीछे हटते हुए पूछा, अपने हाथों से काटने के निशान को ढकते हुए।

“डेल और मैं यहाँ समुद्र तट पर हाल ही में हुए शार्क हमलों के बारे में बात कर रहे थे। लगता है गोल्डन कोस्ट पर एक नहीं, बल्कि दो जानलेवा शार्क का साया है, एक ज़मीन पर और अब एक समुद्र में।” मेरे पिता ने मेरी ओर इशारा करते हुए कहा, उनकी निगाहें मेरी आत्मा में झाँक रही थीं। “पानी में सावधान रहना। अब देर रात तैरना बंद। तुम बहुत भाग्यशाली हो कि वो शार्क तुम्हें खत्म करने के लिए वहाँ नहीं रुकी।” मेरी नज़रें उनसे आगे चेरी पर गईं, उसकी आँखें मेरी आँखों से मिल गईं। मेरे पिता ने मेरी नज़रों की दिशा देखकर मुड़े। “अब मैं सच कह रहा हूँ, तुम दोनों।” उन्होंने हम दोनों की ओर इशारा करते हुए कहा। “मेरी बेटी को सुरक्षित रखना, चेरी।” उन्होंने अपनी गहरी निगाहें मुझ पर फिराते हुए मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा, “तुम अब मेरे घर में नहीं रहती हो, लेकिन मैं अब भी तुम्हारा पिता हूँ। तुम्हें मेरी बात माननी होगी और जैसा मैं कहूँ वैसा करना होगा। समझी?”

मेरी आंखों का मिलन हुआ और मेरे धड़कते पेट में क्रोध और भय उबल रहा था। मैंने हल्के से कांपते हुए सिर हिलाया। "जी सर।"

उन्होंने मेरी बांह पर थप्पड़ मारा, जिससे मैं चौंक गया क्योंकि उनका मूड ठीक हो गया था। "ठीक है, डेल, मेरे ऑफिस में आकर मुझसे बात करो।"

डेल मुझे देखता रहा, फिर मेरे पिता के पीछे-पीछे उनके दफ्तर में चला गया। "फिर मिलेंगे, डेलिला," उसने फुसफुसाते हुए कहा और दरवाजा बंद कर दिया।

चेरी और मैंने राहत की सांस ली, अकेले होने पर हमें सुकून मिला। "कसम से, एक दिन तुम मुझे नौकरी से निकलवा दोगी," उसने झल्लाते हुए कहा और फिर से टाइपिंग

करने लगी।
मैं उसकी छोटी सी साधारण सी मेज के पास गई, झुककर अपने हाथ उसके किनारे पर रखे, मेरे लंबे बाल मेरी बाहों पर लटक रहे थे। "अरे, चलो काम खत्म होने के बाद कुछ मज़ेदार करते हैं, थोड़ा आराम करते हैं।"
उसने मेरी ओर ध्यान से देखा, मेरी बातों से उत्सुक होकर उसकी उंगलियां कीबोर्ड की चाबियों पर रुक गईं। "तुम्हारे मन में क्या चल रहा है?"
मैंने मुस्कुराते हुए अपने पिता के दफ्तर के बंद दरवाजे की ओर देखा। "क्या कहते हो, हम समुद्र तट पर चलें?"
“डेलीला।” उसने आह भरी। “क्या तुमने चीफ की एक भी बात नहीं सुनी? तुम्हारे पापा, मेरे बॉस ने अभी-अभी कहा है कि अब और तैराकी नहीं—”
“उन्होंने कहा कि अब रात में तैरना मना है। उन्होंने कभी नहीं कहा कि हम दिन में बाहर नहीं जा सकते।” मैंने अपने सुनहरे बालों की एक लट घुमाई, और हमारी मुस्कान एक-दूसरे से मिलती-जुलती थी।
“ठीक है।” वह मुस्कुराई। मैं उत्साह से ताली बजाने लगी, चेरी ने तुरंत मुझे चुप कराया और हंसते हुए बोली, “अब यहाँ से जाओ। मुझे ये सब काम खत्म करना है ताकि अंधेरा होने से पहले हम जा सकें।”
“ठीक है, जान।” मैं मुड़ी, टाइपराइटर की आवाज़ फिर से शुरू हो गई और मैंने रुककर अपने पिता के कार्यालय के कांच के दरवाजे से झाँका।
डेल की घूरती निगाहों को देखकर मेरी मुस्कान गायब हो गई। मेरे पिता अपनी मेज पर झुके हुए थे और मछुआरे से बात करते हुए किसी बात का इशारा कर रहे थे, उन्हें इस बात का एहसास ही नहीं था कि मछुआरा उनकी बात पर ध्यान नहीं दे रहा था। धत् तेरे की, डेल!

तीन

दलीला

"क्या तुम मेरा सूट और स्केट लाए हो?" दोपहर की तेज धूप हम पर पड़ रही थी, तभी पुलिस विभाग के दोहरे दरवाजों से बाहर निकलते हुए चेरी ने मुस्कुराते हुए कहा।
“सब यहीं है।” मैंने मुस्कुराते हुए उसके रोलर ब्लेड्स और स्विमसूट व कपड़ों से भरा बैग उसे देते हुए कहा। “क्या मैं तुम्हें ढक दूं?”
“जी हाँ, कृपया।” वह मुस्कुराई और अपना सामान समेटते हुए इमारत के बगल में एक बड़ी झाड़ी के पीछे छिप गई और कपड़े बदलने लगी। मैं वहीं खड़ा देखता रहा, गाड़ियाँ आती-जाती रहीं, मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था कि इतनी खूबसूरत देवी सबके सामने कपड़े बदल रही है। उनका नुकसान। “मैंने चीफ और डेल को पानी में जाकर उस खूंखार शार्क को ढूंढने के बारे में बात करते सुना,” उसने मेरी तरफ देखते

हुए कहा और अपनी बिकिनी की पट्टियों को अपने गले में बाँध लिया, इस बात का ध्यान रखते हुए कि उसके घने बालों में न उलझें।
“अरे हाँ?” मैंने कंधे के ऊपर से कहा। “ये तो भूसे के ढेर में सुई ढूंढने जैसा है। मतलब, उन्हें क्या उम्मीद है? ये तो समुद्र है; इसमें शार्क तो होंगी ही। और वैसे भी, उन्हें क्या लगता है कि इस एक शार्क का शिकार करने से क्या होगा? क्या गोल्डन कोस्ट सुरक्षित जगह बन जाएगा?” मैं इस बेवकूफी भरे विचार से चिढ़कर हँस पड़ा। "मौत का फरिश्ता अभी भी इधर-उधर घूम रहा है, तब तक नहीं।" रूममेट और बचपन की सबसे अच्छी दोस्त होने के बावजूद, चेरी को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि जिस कुख्यात हत्यारे का उसने जिक्र किया था, वह असल में मैं ही थी।
वह मेरी तरफ लुढ़क गई और सहारा पाने के लिए मेरी बांह पकड़ ली। "तैयार हो?"
“चलो नाचते हैं।” हम दोनों ने साथ में पैर हिलाते हुए बीच की ओर सड़क पर स्केटिंग की। मन ही मन मैं दबी-दबी उम्मीद कर रही थी कि बीच पर जाकर शायद हमारी मुलाकात रीफ से हो जाए, हालांकि शायद यह सिर्फ एक ख्वाब ही था।

“वाह, आज का दिन कितना शानदार है, है ना?” चेरी सुनहरे सूरजमुखी रंग की बिकिनी पहने, सिर पर उसी रंग का रेशमी स्कार्फ बांधे और चमकीली धूप से अपनी आँखों को बचा रहे प्यारे से लाल दिल के आकार के सनग्लासेस लगाए, रेतीले समुद्र तट पर खड़ी होकर चिल्लाई। “मुझे बहुत खुशी है कि मैंने आज बाहर आने के लिए तुम्हारी बात मान ली।” उसने कमर पर हाथ रखकर नमकीन हवा में सांस ली। “मुझे नहीं पता कि कोई इसे छोड़कर जाना चाहेगा भी कैसे। गोल्डन कोस्ट में जीवन कितना शांतिपूर्ण है।”
मेरा मन उदास हो गया और मैंने अपने हाथों की ओर देखा, हथेलियों से रेत झाड़ते हुए। हम सभी का जीवन यहाँ अच्छा नहीं था। मैंने नाक सिकोड़ी और सफेद फ्रेम वाले कैट आई सनग्लासेस को चेहरे पर थोड़ा और ऊपर कर लिया।
“हे, हॉट मम्मियों!” एक अनजान आदमी हमारे पास आया, जो साफ़ तौर पर नशे में था और खुद को बहुत बड़ा समझ रहा था। “वाह, ज़बरदस्त!” उसने मेरे पेट पर बने काटने के निशान की ओर इशारा किया, जो साफ़ दिख रहा था क्योंकि मेरी लाल बिकिनी ने मुझे मुश्किल से ही ढका था। “क्या आप दोनों लड़कियाँ हमारे साथ 'गेम ऑफ़ चिकन' खेलना चाहेंगी?” उसने कुछ ही फ़ीट दूर खड़े कुछ युवाओं की ओर इशारा किया, जो शराब पी रहे थे, हँस रहे थे और गर्मी की दोपहर का आनंद ले रहे थे। “हमें दो और लोगों की ज़रूरत है।” वह मुस्कुराया, उसकी आँखों के नीचे काले घेरे थे, मानो वह कई दिनों से सोया ही न हो।
मैंने चेरी की तरफ देखा, यह सोचकर कि वह क्या सोच रही होगी। उसने मेरी तरफ

देखा और आह भरी। "क्या बकवास है!" उसने अपने हाथ ऊपर उठाए। "चलो शुरू करते हैं।"
“वाह!” वो लड़का खुशी से झूम उठा और ताली बजाने लगा। “अरे वाह, ये तो टीम में शामिल हो गए!” उसने अपने दोस्तों को चिल्लाकर कहा, जो सब उत्साह से झूम उठे। “चलो।” उसने मेरी तरफ हाथ बढ़ाया, मैं हिचकिचा रहा था, लेकिन मैंने हाथ थाम लिया। “तुम दोनों मेरी टीम में हो। चलो मिलकर धमाल मचाते हैं।”
हम सब धीरे-धीरे पानी में उतरे, नमक से मेरे घाव में हल्की जलन हो रही थी। चेरी उस लड़के के दोस्त के कंधों पर चढ़ गई। "मुझे गिराना मत, वरना मैं तुम्हारी पिटाई कर दूंगी।" वह हँसा और सिर हिलाते हुए उसे उठने में मदद की। "चलो, डेलाइला, इन्हें हराते हैं!" उसने जोश से कहा, उसकी प्रतिस्पर्धा की भावना साफ झलक रही थी।
जब उस आदमी ने मुझे अपने कंधों पर बिठाया तो मैं हंस पड़ी। "ज़्यादा आराम मत करो," उसने मज़ाक किया। उसकी बात थोड़ी अटपटी लगी, लेकिन मैंने उसे नज़रअंदाज़ करने की कोशिश की और बस मज़े करने पर ध्यान दिया। "ठीक है! हारने वाली टीम जीतने वाली टीम को बार में एक राउंड ड्रिंक पिलाएगी! अब, तुम लोग तैयार हो?" बाकी दोनों महिलाओं ने सिर हिलाया और खुशी से चिल्लाते हुए तैयार हो गईं। "चलो चलें!"
हम सब पानी में चल रहे थे, दूसरी टीम से कुश्ती लड़ रहे थे, और आदमी एक-दूसरे पर पानी उछाल रहे थे, जिससे हम सब हंस रहे थे। चेरी अपने आगे खड़ी लाल बालों वाली महिला को मज़ाकिया अंदाज़ में धमका रही थी और उससे कुश्ती लड़ रही थी। उसने उसके हाथ पीछे की ओर झटक दिए, जिससे वह महिला पानी में गिर गई।
“वाह! एक गई, एक बाकी! उसे पकड़ो, डेलाइला!” वह चिल्लाई और अपने साथी से पैरों के बीच में हाई-फाइव किया। मेरे हाथ मेरे आगे खड़ी भूरे बालों वाली महिला से उलझे हुए थे, मेरी जांघें उस आदमी की गर्दन पर कसकर लिपटी हुई थीं और हम सब हंसते हुए और मज़ाकिया अंदाज़ में एक-दूसरे से लड़ रहे थे। मेरी कमर में दर्द हो रहा था, ज़ोरदार हरकतों से मेरा अभी-अभी ठीक हो रहा घाव और खिंच रहा था। “उसे गिरा दो, डेलाइला!” चेरी चिल्लाई और हवा में अपनी मुट्ठियां लहराईं।
“अरे, वो क्या है?” मैंने चिल्लाकर उसके पीछे पानी की ओर इशारा किया।
“अरे नहीं, मैं इस झांसे में नहीं आने वाली!” महिला हंसते हुए पास झुक गई।
धिक्कार है, मुझे और समझदार बनना होगा।
"हे भगवान, क्या वह शार्क है?" मैंने हैरानी जताते हुए चिल्लाकर कहा।
“क्या?” उसकी जांघों के बीच बैठा आदमी अचानक मुड़ा, और महिला का संतुलन बिगड़ गया और दोनों पानी में गिर गए।
“हाँ!” चेरी ने खुशी से चिल्लाते हुए कहा। “हम जीत गए!” उसने हारने वाली टीम की ओर इशारा किया, जो गुस्से में पानी उछाल रही थी। “तुम कमीनों को हमें शराब पिलानी पड़ेगी।” उसने जीभ बाहर निकाली और नाचने लगी, अभी भी उस आदमी के कंधों पर आराम से बैठी हुई थी।

“शानदार खेल, डेलाइला,” उस आदमी ने मुझे आवाज़ दी जब मैंने सहारा पाने के लिए उसके हाथ पकड़े हुए थे। उसने मुझे पानी में उतरने में मदद की और जब मैं चेरी की तरफ तैरने की कोशिश कर रही थी तो उसने मेरा हाथ नहीं छोड़ा। “अरे, क्या कहते हो, थोड़ा और आगे जाकर जश्न मनाएं?”
मैं हँसे बिना नहीं रह सकी। "अरे, तुम सच कह रहे हो?" मैंने उसका नाराज़ चेहरा देखकर पूछा। "नहीं, मुझे लगता है मैं नहीं आऊँगी, लेकिन प्रस्ताव के लिए धन्यवाद।" मैं धीरे से हँसी और तैरकर दूर जाने की कोशिश करने लगी।
“इतनी जल्दी नहीं।” उसने मुझे पीछे खींच लिया और मेरा शरीर पकड़ने की कोशिश की। “मुझे लगता है तुम्हें बस थोड़ा समझाने की ज़रूरत है।” उसने आगे झुककर मुझे चूमने की कोशिश की, उसकी सांसों में शराब की तेज़ गंध थी।
मैंने हाथ से उसका चेहरा पीछे धकेल दिया, और पानी में कूदते हुए उसके पेट पर लात मारी। "मैंने मना कर दिया!" पास में पानी उछला, मानो कोई हमारे आसपास तैर रहा हो। मैं उस नशे में धुत और कामुक आदमी से चिढ़कर इधर-उधर देखने लगी, और देखा कि चेरी रेतीले किनारे पर वापस आ रही है। "मैं वापस जाकर अपने दोस्त के पास जा रही हूँ," मैंने कहा और तैरकर दूर चली गई, उसकी हरकतों ने मेरा खुशनुमा मूड खराब कर दिया था।
“तेरा नुकसान, कुतिया,” उसने पानी में ही खड़े-खड़े कहा, मेरे इनकार से उसे ज़रा भी ठेस नहीं पहुँची थी। कितना घटिया आदमी है!
मैं तैरकर दूर चली गई, जल्दी से किनारे पर पहुँच गई और चेरी की तरफ बढ़ी। "सब ठीक है?" उसने मेरी भीगी हुई कंधों के ऊपर से उस आदमी की तरफ देखते हुए पूछा, जो पानी में और दूर बहता जा रहा था।
मैंने अपना तौलिया उठाया और उसे अपने शरीर पर लपेटना शुरू किया, साथ ही पीछे मुड़कर उसकी तरफ देखा। "हाँ, बस एक और शराबी समुद्र तट पर मजे करने की कोशिश कर रहा है।"
“छी! ये तो सबसे बुरे हैं,” उसने धीरे से कहा और अपनी बाहें मोड़ लीं, जबकि हम उस आदमी को घूर रहे थे। “समुद्र तट में ऐसा क्या है जो लोगों को इतना...”
“कामुक?” मैंने मुस्कुराते हुए पूछा।
“हाँ!” हम सब खिलखिलाकर हँसे।
“मुझे लगता है ये तो बस जादू है।” हमारी नज़रें फिर से उस नशे में धुत आदमी पर गईं, तभी चेरी ने अपने हाथ नीचे कर लिए। “ओह शिट।” उसका चेहरा उतर गया जब हम दोनों ने पानी में कुछ बड़ा और तेज़ी से हिलता हुआ देखा। “क्या ये—”
पानी की सतह पर एक गहरे रंग का पंख दिखाई दिया, जिससे उसका सवाल पुष्ट हो गया। "एक शार्क," मैंने कहा। हम दोनों डर और सदमे से जम कर वहीं खड़े रहे, देखते रहे कि शार्क सीधे उस आदमी की ओर बढ़ रही है, जिसे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि उसका शिकार कौन कर रहा है।
“हे!” चेरी चिल्लाई और उसका ध्यान खींचने के लिए अपने हाथ हिलाने लगी। “हे! शार्क! शार्क!”

उसकी चीख सुनकर किनारे पर मौजूद अन्य लोग और तैराक तुरंत चौंक गए, उस एक शब्द से ही वे भयभीत हो गए। उन्होंने चारों ओर देखा और पानी को चीरती हुई एक काली मछली की पूंछ को उस आदमी की ओर बढ़ते हुए देखा। चीखें गूंज उठीं और चारों ओर दहशत फैल गई। चेरी और मैं असहाय होकर देखते रहे, लोग पानी से बाहर भाग रहे थे और अफरा-तफरी में एक-दूसरे से टकरा रहे थे।
"शार्क!" चेरी उस आदमी पर चिल्लाती रही, और आखिरकार उसका ध्यान अपनी ओर खींचने में कामयाब रही।
“क्या?” वह चिल्लाया, तभी चेरी ने फिर चीखते हुए इशारा किया। जैसे ही वह आदमी मुड़ा, शार्क का फिन गायब हो गया, उसका चेहरा पूरी तरह से घबराया हुआ और भयभीत था। उसकी आँखें बेचैनी से अपने चारों ओर पानी में खोज रही थीं।
“मुझे कुछ नहीं दिख रहा—”
जैसे ही उस आदमी का शरीर पानी से बाहर निकला, उसके शब्द दर्द भरी चीखों में बदल गए। वह एक विशालकाय ग्रेट व्हाइट शार्क के जबड़ों के बीच बुरी तरह जकड़ा हुआ था। शार्क के दांत उसके मांस को भेद रहे थे और उसका खून नीले समुद्र के पानी को रंग रहा था। समुद्र तट पर मौजूद लोग दहशत से चीख रहे थे, और देख रहे थे कि शार्क वापस पानी में गिर गई, और घूमते हुए उस आदमी को निगल गई, उसे समुद्री पानी और खून में डुबो दिया।
उस भयानक दृश्य को देखते-देखते मेरे पेट में दर्द होने लगा, चेरी का हाथ मेरा हाथ थामे हुए था और मैं अपनी नज़रें उससे हटा नहीं पा रही थी। "चेरी।" मैंने उसका हाथ हिलाया, वह पूरी तरह सदमे में खड़ी थी। "मेरे पापा को फोन करो," मैंने फुसफुसाते हुए कहा, अपनी नज़रें हटा नहीं पा रही थी। वह वहीं खड़ी रही, खून से सने पानी को घूरती रही, आदमी और शार्क अब वहाँ नहीं थे। "मेरे पापा को फोन करो!" मैं चिल्लाई, उसकी आँखें मेरी आँखों से मिलीं और वह टूट गई। उसने सिर हिलाया, मेरा हाथ छोड़ा और पास के मोबाइल फोन की ओर भागी।
मैंने पीछे मुड़कर उस उफनते पानी को देखा, हमले के बाद लाल लहरें शांत हो रही थीं। मैं पूरी जिंदगी गोल्डन कोस्ट में रहा था, और मैंने कभी शार्क का हमला नहीं देखा था। इस छोटे से, गर्मियों के स्वर्ग जैसे इलाके में शार्क का कोई अस्तित्व नहीं था, लेकिन अब, एक खूंखार शार्क सचमुच पानी में घात लगाए बैठी थी। लगता है, मैं ही अकेला हत्यारा नहीं हूँ जो इस शहर में आतंक मचा रहा है।
किसी दूसरे व्यक्ति के साथ एक ही शहर में रहने का विचार मुझे उत्साहित करता था।

“मैं गोल्डन कोस्ट नामक एक छोटे, साधारण से समुद्र तट के किनारे खड़ी हूँ, जहाँ आज दोपहर इसके कई समुद्र तटों में से एक पर एक भयानक और क्रूर हमला हुआ।”

महिला रिपोर्टर अपने माइक्रोफ़ोन में बकवास करती रही, जबकि उसका क्रू उसके पूरे भाषण को रिकॉर्ड कर रहा था। पुलिस दौड़ती हुई आई और समुद्र तट को टेप से घेरने की कोशिश करने लगी, और सभी से घर लौटने का आग्रह करने लगी, जबकि चेरी और मैं अपने तौलिये में दुबके वहीं बैठे रहे।
“तुम दोनों को यहाँ देखकर मुझे आश्चर्य क्यों नहीं हुआ?” मेरे पिताजी सिगरेट पीते हुए कराहते हुए चेरी और मेरे पास आए। “मुझे लगा था मैंने तुम्हें समुद्र तट से दूर रहने के लिए कहा था?” वे फुसफुसाते हुए बोले, मुझसे कुछ ही इंच की दूरी पर खड़े थे, मुझसे काफी लंबे लग रहे थे।
“आपने कहा था कि रात में तैरना मना है।” मैंने ऊपर देखा, सूरज उसकी परछाई के पीछे से चमक रहा था और वह अपने काले एविएटर चश्मे से मुझे घूर रहा था। “सूरज अभी भी निकला हुआ है।”
उसने अपने होठों से सिगरेट हटाई और खांसते हुए धुएं को मेरे चेहरे पर उड़ा दिया। "हम्फ।" वह कुछ पल वहीं खड़ा रहा और मुझे घूरता रहा। "मेरा सुझाव है कि तुम घर जाओ और इस मामले को पुरुषों को संभालने दो।" मुझे बहुत गुस्सा आया क्योंकि वह मुझे बच्चे की तरह आदेश दे रहा था।
“चीफ बेली!” महिला रिपोर्टर मेरे पिता के पास दौड़ी, उसका दल उसके पीछे-पीछे चल रहा था क्योंकि उसने घबराकर उनसे हमले के बारे में सवाल करना शुरू कर दिया।
"चलो।" चेरी ने धीरे से मेरा हाथ पकड़ा और मुझे अपने साथ ले गई, तभी तटरेखा के पास हुए शोरगुल ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया।
“वो कहाँ है?” एक युवती चीखी, उसकी आँखों से आँसू बह रहे थे और वो घुटनों के बल गिर पड़ी। “ली!” उसने समुद्र की ओर चिल्लाकर कहा। वही आदमी, जो पहले हमारे ‘गेम ऑफ चिकन’ में चेरी का साथी था, उसे दिलासा देने की कोशिश करने लगा। दोनों ने आपस में बात की, फिर उसने मेरी तरफ देखा और युवती ने तुरंत मेरी ओर घूरकर देखा। “तुम!” वो चीखी और मेरी ओर दौड़ पड़ी। रिपोर्टर और मेरे पिताजी ने देखा कि वो आदमी उसे रोकने की कोशिश कर रहा था, उसे पीछे खींच रहा था जबकि वो छटपटा रही थी, चीख रही थी और आँसुओं के बीच चिल्ला रही थी। “तुम कमीनी! तुमने ये किया! तुमने मेरे प्रेमी को मार डाला!”
मेरे पिताजी ने तुरंत हस्तक्षेप किया और उस उन्मादी महिला को शांत करने की कोशिश की, जबकि चेरी ने मुझे हल्के से अपने पीछे धकेलते हुए मेरी रक्षा की। “अरे! डेलाइला ने कुछ नहीं किया। तुम्हारा बॉयफ्रेंड उसे परेशान कर रहा था—”
“उसका नाम ली है!” वह चीखी और सिसकते हुए मेरे पिताजी की बाहों में गिर पड़ी।
“ठीक है, बस करो।” उसने उसकी पीठ थपथपाई। “चेरी, मैं चाहता हूँ कि तुम डेलाइला को घर ले जाओ।” उसने सिर हिलाया और हमारा सामान उठाया, फिर हम चलने लगे। “शायद अगली बार, जब मैं कुछ करने को कहूँ तो तुम मेरी बात सुनोगी,” उसने मेरी तरफ गुस्से से कहा, और उसका घिनौना जवाब मुझे बहुत बुरा लगा। मैंने दांत भींच लिए और बीच से निकलते हुए अपने शब्द रोक लिए।

चार

दलीला

चेरी की अलार्म घड़ी की कान फाड़ देने वाली तेज़ आवाज़ ने मुझे जगा दिया। मैंने तकिए से आवाज़ को दबाने की कोशिश की, उसे कानों से सटाकर रखा, लेकिन कोई फ़ायदा नहीं हुआ, चुभने वाली आवाज़ कपड़े से भी आर-पार हो रही थी। "चेरी!" मैंने साझा बेडरूम की दीवार की ओर चिल्लाया। उसने कोई जवाब नहीं दिया, या तो उसने मुझे नज़रअंदाज़ कर दिया या अलार्म बजने पर भी सोती रही। मैंने अपना हाथ घुमाया और दीवार पर मुक्का मारा। "चेरी, उठो! उठो!" अलार्म अचानक बंद हो गया, मैंने राहत की सांस ली और तकिया ठीक करके करवट बदल ली।
मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और नींद में डूबने लगी, तभी अचानक मेरे बेडरूम का दरवाजा खुल गया। "सुप्रभात, प्यारी!" चेरी ने कहा, जो हल्के बैंगनी रंग की बेबी डॉल नाइटगाउन पहने खड़ी थी और उसके बालों को एवोकाडो हरे रंग की रेशमी टोपी से ढका हुआ था।
मैंने कराहते हुए उसकी मुस्कुराती हुई निगाहों को देखा। "तुम्हें हमेशा इतनी जल्दी क्यों उठना पड़ता है?"
चेरी ने अपना सिर झुकाया। "अच्छा, अगर तुम हर रात इतनी देर तक बाहर रहना छोड़ दो और सच में कोई नौकरी कर लो, तो सुबह उठना इतना मुश्किल नहीं होगा।"
मैंने आह भरते हुए कहा, "देखो, मैं तुम्हारे जैसा नहीं हूँ। मैं रात में जागने वाला इंसान हूँ, ठीक है?"
“हम्म।” उसने अपनी बाहें मोड़ लीं। “रात में जागने वाले और अपनी माँ द्वारा छोड़े गए कॉलेज फंड के बचे-खुचे पैसों से गुज़ारा करने वाले।” वह मुड़ी और सिर हिलाते हुए अपनी रोज़ की कॉफ़ी बनाने के लिए रसोई की ओर चल पड़ी।
“अरे, उस कॉलेज फंड से ही तो बिलों का भुगतान हो रहा है, है ना?” मैंने उसके पीछे से आवाज़ लगाई।
“अभी के लिए!” उसने चिल्लाकर जवाब दिया। मैं मुस्कुराई। चेरी के साथ रहना हम दोनों का बचपन से सपना था। जब वह स्कूल में थी तब से हम सबसे अच्छे दोस्त थे, और जब तक मैंने यह शहर नहीं छोड़ा, तब तक हम कभी अलग नहीं हुए। मैंने पश्चिमी तट पर एक नया, शांतिपूर्ण जीवन बनाने का पक्का इरादा कर लिया था, हालांकि इसमें मैं बुरी तरह असफल रही, और मुझे अपने पुराने जीवन में वापस लौटना पड़ा।
मैंने खुद को बिस्तर से उठने के लिए मजबूर किया और ताज़ी कॉफ़ी की खुशबू से महकते हुए घिसटते हुए रसोई तक गई। "आज के लिए तुम्हारी क्या योजना है?" चेरी ने काउंटर पर झुकते हुए पूछा, और कॉफ़ी को धीरे-धीरे बर्तन में गिरते हुए देखती रही।

"कुछ रोमांचक है क्या?"
“मुझे पक्का नहीं पता। मुझे लगता है कि मैं समुद्र तट पर जाऊंगी,” मैंने कहा और अपने पैर लटकाते हुए काउंटर पर चढ़ गई।
चेरी ने मेरी तरफ देखते हुए अपना सिर घुमाया। "डेलीला।" उसने आह भरी। "बेबी, सच में? तुम तो अपने पापा से कहलवा रही हो कि वो तुम्हें बेदखल कर दें।" वैसे, ये इतना बुरा भी नहीं होगा। "तुम उस लड़के के साथ जाकर थोड़ा समय क्यों नहीं बिताती जिसका ज़िक्र तुमने पहले किया था? मुझे लगा था तुम दोनों की खूब जमी थी?" उसने अधभरी कॉफी की केतली उठाई और पूरी तरह बनने से पहले ही अपने लिए एक कप कॉफी डाल ली।
“यह बुरा विचार नहीं है।” चेरी ने अपनी ब्लैक कॉफी पीते हुए मुस्कुराते हुए कहा और दिन की तैयारी के लिए अपने कमरे की ओर चल पड़ी। काश मुझे पता होता कि वह कहाँ मिलेगा।

सभी की लगातार चेतावनियों के बावजूद, मैं खुद को उसी समुद्र तट पर भटकता हुआ पाया, जहाँ जाने से मुझे मना किया गया था। मैं खुद को रोक नहीं पाया। समुद्र हमेशा से मुझे अपनी ओर खींचता रहा था, जब भी मैं उसके पास होता, वह मुझे अपनी ओर आकर्षित कर लेता था। गोल्डन कोस्ट में पली-बढ़ी, मैं अपना हर पल यहीं इसके किनारों पर बिताती थी, नमकीन समुद्री हवा में सांस लेती थी और लहरों को किनारे से टकराते हुए सुनती थी। यह जादुई था।
कल की चमकीली पीली पुलिस टेप अभी भी लकड़ी के खंभों पर बंधी हुई थी, मानो सबको दूर रहने का एक खतरनाक संकेत हो। मैंने उस मामूली चेतावनी को फाड़ दिया और नंगे पैर रेत पर कदम रखा। तटरेखा को इतना खाली और वीरान देखना अजीब था, खासकर गर्मियों के अंत में। मैं पानी के किनारे तक टहलते हुए गया और देखता रहा कि कैसे पानी मेरे पैरों के आसपास लहरें बना रहा था, छोटे-छोटे बुलबुले पैदा कर रहा था, जो मुझे चौबीस घंटे से भी कम समय पहले हुए उस भयानक शार्क हमले की याद दिला रहे थे, जिसकी यादें अभी भी मेरे दिमाग में ताज़ा थीं।
“डेलीला!” मैंने अपना सिर घुमाकर देखा तो डेल मेरी तरफ दौड़ता हुआ आ रहा था। समुद्र तट पर नज़र घुमाते हुए मैंने देखा कि मेरे पिताजी और उनके कुछ साथी अधिकारी इकट्ठा होकर समुद्र की ओर इशारा कर रहे थे। "आप लोग यहाँ क्या कर रहे हैं?" मैंने पूछा, मुझे वहाँ मौजूद बाकी लोगों की मौजूदगी का बिल्कुल भी एहसास नहीं था।
डेल मुस्कुराया, उसकी मूंछें उसके होठों के साथ हिल रही थीं। “मैं भी तुमसे यही पूछने वाला था। बीच बंद है, डेलाइला। तुम्हें यहाँ नहीं होना चाहिए।”

मेरे पिताजी ने मुझे देखा और हैरानी से मेरी ओर मुड़कर जल्दी से डेल और मेरे पास आ गए। “डेलीला? मैंने तुमसे क्या कहा था?” उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे वापस रैंप की ओर खींच लिया। “बीच बंद है। यह एक अपराध स्थल है!”
"पानी में शार्क का हमला होने से यह अपराध स्थल नहीं बन जाता।" मैंने झट से अपना हाथ छुड़ा लिया और वापस पलट गई।
उसने मुझे घूरकर देखा, उसकी काली धूप के चश्मे के पीछे से उसकी आँखें मुझे भेद रही थीं। “सुनो, युवती। तुम्हें अभी के अभी यहाँ से जाना होगा, और जब तक यह आम जनता के लिए दोबारा नहीं खुल जाता, तब तक तुम्हें यहाँ वापस नहीं देखना चाहिए।” मैं उसे देखती रही, मेरे बाल हवा में लहरा रहे थे। “क्या तुम मुझे समझ रही हो?” उसने गुस्से से कहा, उसकी शत्रुतापूर्ण आवाज़ से मेरा शरीर काँप गया।
“जी सर,” मैंने जबड़े भींचते हुए गुर्राते हुए कहा।
मेरे पिता वहां से चले गए और अपने अधिकारियों के पास वापस चले गए, तभी डेल एक बार फिर मेरे पास आया। "वही पुरानी डेलिलाह।"
"दफा हो जाओ, डेल," मैंने गुस्से से कहा और पैर पटकते हुए मुड़कर वहां से जाने लगी।
“तुम्हारे होंठों का रंग बहुत अच्छा है!” उसने मेरे पीछे से चिल्लाकर कहा।
मेरी उंगलियां मेरे होठों को छू गईं, मुझे एहसास हुआ कि आज मैंने अपना पसंदीदा रंग पहन रखा है। धिक्कार है! मेरे पैर तेज़ी से दौड़ने लगे और मैं उससे दूर भागने लगी।

मैंने एक खाली बीयर के कैन को लात मारी और उसे रेत पर उछलते हुए देखा। मैंने अपने पिता और डेल की चेतावनियों को अनसुना कर दिया था और बीच छोड़ने से इनकार कर दिया था। इसके बजाय, मैं उनकी नज़रों से दूर, दूसरी तरफ भटकती चली गई। भाड़ में जाएं वे सब। मैं रेत पर लात मारती रही और लगभग गिर ही पड़ी। मेरे हाथ कांप रहे थे, मैं अपना संतुलन बनाए रखते हुए अपनी लाल गर्मियों की ड्रेस के छोटे से किनारे को ठीक कर रही थी।
जैसे-जैसे मैं तटरेखा के किनारे आगे बढ़ता गया, मैंने देखा कि कोई व्यक्ति कुछ घास के पास, एक छोटे से रेत के टीले पर बैठा है। उसके बाल और टैटू मुझे जाने-पहचाने लगे, जिससे मैं उसके करीब पहुँच गया और आखिरकार उसके ठीक बगल में खड़ा हो गया। "रीफ?" मैंने कहा। नाम सुनकर वह चौंककर सिर ऊपर उठा लिया। मैं सही था। वह वही था। रीफ।
उसने मेरी तरफ देखा, उसकी बाहें उसके मुड़े हुए घुटनों के चारों ओर लिपटी हुई थीं। क्या वह मुझे पहचान भी रहा है? रीफ मुस्कुराया, धीरे-धीरे मुझे ऊपर से नीचे तक देखते हुए। "अरे वाह, मैं तो रात में तैरने वाली हूँ!" उसने अपने बगल की रेत पर थपथपाया। "मेरे साथ आना चाहोगी?"

यह जानकर मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा कि उसे मैं याद हूँ, मेरे गाल लाल हो गए और मैं खुशी-खुशी उसके बगल में बैठ गई। हम एक-दूसरे को देखते रहे, हवा मेरे बालों को इधर-उधर उड़ा रही थी और मेरा दिमाग एक विचार बनाने की कोशिश कर रहा था।
मेरी ड्रेस के कटआउट से दिख रहे मेरे पेट पर रीफ की निगाहें टिक गईं, और उसकी उंगलियां मेरी त्वचा पर शार्क के काटने के निशान को छू रही थीं। उसका स्पर्श बिजली की तरह था, जिससे मेरी त्वचा में झनझनाहट होने लगी और उसे और अधिक महसूस करने की तीव्र इच्छा जाग उठी। मैं और चाहती थी। "तुम्हारे शरीर पर निशान लग गया है," उसने भौंहें चढ़ाते हुए कहा।
“क्या?” मैंने उसके कथन से भ्रमित होकर पूछा।
“यह।” उसने मेरे धड़ पर थपथपाया, उसकी उंगलियाँ घावों पर ठहर गईं। मैं दर्द से कराह उठा, धीरे से साँस लेते हुए जब उसने उसकी जाँच की, वह एहसास दर्दनाक और लुभावना दोनों था। “कुछ लोग कहते हैं कि अगर कोई शार्क काटती है लेकिन मारती नहीं है, तो वह आपको चिह्नित करती है... अपना बना लेती है।”
“उसका?” मैंने भौंहें चढ़ाकर उससे मज़ाक किया, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उसका मतलब क्या है। रीफ़ मुस्कुराया और अपना हाथ हटाकर वापस समुद्र की ओर देखने लगा। मैं वहीं बैठी रही, उसके चेहरे के भावों को निहारती रही, उसकी मौजूदगी की खूबसूरती को महसूस करती रही, और मेरे विचार उस रात की ओर लौट गए जो हमने साथ बिताई थी। “उस रात तुम कहाँ गए थे?” मैंने पूछा। “मतलब, हम बहुत मज़े कर रहे थे, और फिर तुम अचानक चली गईं।”
रीफ ने हल्के से हंसते हुए सिर हिलाया, "मैं ज्यादा दूर नहीं गया था।"
मैंने आंखें सिकोड़ते हुए, होंठों को शरारती अंदाज में मरोड़ा। "तुम बड़े जिज्ञासु हो, रीफ।"
“मैं?” उसने अपना सिर झुकाया। “और तुम? कितनी औरतें देर रात समुद्र में तैरने जाती हैं और हस्तमैथुन करती हैं? तुम्हें खुश होना चाहिए कि मेरे जैसा कोई मिल गया। कम से कम मुझे तुम्हारी देखभाल करना तो आता है।” उसने आँख मारी और कंधे से मुझे धक्का दिया। “नहीं, तुम ही जिज्ञासु हो...और मुझे तुम्हारा नाम तक नहीं पता।”
मैंने कहा, "यह दलिहला है।"
रीफ मुस्कुराई। "तुम्हारा नाम भले ही डेलिला हो, लेकिन तुम मुझे बैराकुडा मछली की याद दिलाती हो।"
“क्या?” मैंने उसकी बड़ी, मांसल बांह पर एक थप्पड़ मारा, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मुझे इस तुलना पर नाराज होना चाहिए या गर्व महसूस करना चाहिए।
“ओह हाँ।” वह हँसा। “मज़बूत, बेहद खूबसूरत और खूंखार। डेलाइला, तुममें कुछ खतरनाक है।” वह घूमा और मेरे करीब आकर फुसफुसाया। “तुम्हारे अंदर एक शिकारी जैसी आभा है, कुछ ऐसा जो मुझे डर से काँपने पर मजबूर कर देता है, फिर भी मेरी जिज्ञासा मुझे और जानने के लिए उकसाती है।” वह मेरे ऊपर रेंगता हुआ

आया और मेरे ऊपर मंडराने लगा, जबकि मैं खुद को संभालने की कोशिश कर रही थी। “जब मैं तुम्हारे पास होता हूँ, तो मेरा ज़मीर मुझे भागने के लिए कहता है, लेकिन साथ ही, मेरे शरीर का हर हिस्सा जल उठता है, तुम्हें फिर से पाने की बेताबी से चाहत होती है।” उसका हाथ मेरे गाल पर फिरा, उसका अंगूठा मेरे निचले होंठ पर फिरा। “उस रात के बाद से मैं तुम्हारे बारे में लगातार सोच रहा हूँ।” मेरे गले से एक हल्की सी सिसकी निकली, क्योंकि मेरा शरीर उसके लिए तड़प रहा था। “और अब जब मैंने तुम्हारा स्वाद चख लिया है...” वह आगे झुका और मेरे मुँह में साँस छोड़ी। “मुझे लगता है कि अब मुझे अपना भोजन करना चाहिए।”

रीफ ने अपना हाथ मेरी बाईं जांघ के नीचे रखा और मुझे ज़ोर से पलट कर पेट के बल लिटा दिया। मेरे बाल मेरे चेहरे पर आ गिरे, रेत मेरे गालों पर लगी, जब वह मेरी पीठ से सट गया, उसकी गर्म साँसें मेरी गर्दन पर महसूस हुईं। मेरी रीढ़ की हड्डी अनायास ही उसकी ओर झुक गई, मानो उसे और करीब बुला रही हो।

“क्या तुम्हें लगता है कि तुम पिछली रात की तरह ज़ोरदार तरीके से चरम सुख पा सकती हो?” उसने मेरे कान के नीचे की त्वचा को चूमा और उसका हाथ मेरी ड्रेस के स्कर्ट के नीचे चला गया, जिससे मेरी पतली नायलॉन की अंडरवियर एक तरफ हट गई। उसने मेरे गुप्तांग को सहलाना शुरू किया और बिना समय बर्बाद किए अपनी दो उंगलियाँ मेरे अंदर डाल दीं, उसकी अनामिका उंगली मेरी क्लिटोरिस के चारों ओर घूम रही थी। मैंने गहरी साँस ली और उसके स्पर्श में डूब गई, मेरी गीली उत्तेजना से उसकी उंगलियाँ भीग गईं। रीफ धीरे-धीरे आगे-पीछे होता रहा, तभी अचानक उसके अंगूठे ने मेरे पिछले हिस्से में प्रवेश किया और मुझे एक ऐसा झटका लगा जो पहले किसी ने मेरे साथ करने की हिम्मत नहीं की थी। यह नया था, लेकिन मुझे अच्छा लगा।

मैं उस तीव्र उत्तेजना का विरोध नहीं कर सकी, कराहते हुए मेरा शरीर रीफ की उंगलियों के चारों ओर कस गया, मेरी उत्तेजना से उंगलियां भर गईं, जिससे उसे स्वतंत्र रूप से हिलने-डुलने की अनुमति मिल गई। उसके खाली हाथ ने मेरे बालों का एक गुच्छा पकड़ा और उन्हें खींचते हुए अपनी उंगलियों की गति पर ध्यान केंद्रित किया, धीरे-धीरे अपनी गति बढ़ाते हुए, अपने शरीर के भार से मेरे भीतर गहराई तक प्रवेश किया। मेरी बाहें ढीली पड़ गईं, मेरा सीना और चेहरा रेत पर जा गिरा, जैसे ही उसने मेरे बालों को और कसकर खींचा, उसने मुझे सहारा देते हुए मुझे उंगलियों से सहलाया।

रीफ ने धीरे से अपनी उंगलियां हटाईं और उन्हें मेरी गीली योनि पर फेरा। "तुम क्या कर रहे हो—" उसके हाथों ने मेरी जांघों को जकड़ लिया और बिना किसी झिझक के मुझे उठा लिया, मेरी पीठ उसकी छाती से टकरा गई। मैं उसकी ओर झुक गई, मेरी नाजुक पोशाक की एक पट्टी मेरी कोहनी तक लटक गई। उसने मेरे पैरों को अपनी कमर के चारों ओर लपेट लिया और मुझे अपनी गोद में आराम से बिठा लिया, जबकि उसका लिंग मेरी पैंटी से दब रहा था।

मैंने नीचे झुककर पतले कपड़े को एक तरफ हटाया और जैसे ही उसने मुझे अंदर धकेला, मैं और पीछे झुक गई, मेरा शरीर पूरी तरह फैल गया। मेरा हाथ और नीचे

गया, उसके लिंग के किनारे को सहलाते हुए, उभरी हुई नसों को महसूस करते हुए, जैसे-जैसे वह धीरे-धीरे मेरे अंदर प्रवेश कर रहा था। दर्द से मेरा शरीर सिहर उठा, हर पल का आनंद लेते हुए, मैंने अपने पैरों से नियंत्रण किया और उस पर सवार हो गई। "तुम मुझे जैसे चाहो वैसे चोदो, तुम नटखट छोटी बैराकुडा।" रीफ के हाथ मेरे शरीर पर फिसल गए, एक हाथ मेरी पोशाक के नीचे मेरे गुप्तांग को सहला रहा था जबकि दूसरा मेरे स्तन को पकड़कर, मेरे निप्पल को दबाते हुए खींच रहा था। उसके होंठ मेरी गर्दन की त्वचा पर मंडरा रहे थे, वह भारी साँसें ले रहा था और आहें भर रहा था, जिस तरह से मैं उसे संभाल रही थी उसका आनंद ले रहा था। उसने अपना मुँह खोला और फिर जोर से काट लिया, उस सनसनी ने मुझे पूरी तरह से बेकाबू कर दिया।
"धत् तेरे की!" मैं चीख पड़ी, अचानक ही मुझे चरम सुख का अनुभव हुआ।
“हाँ, बिल्कुल,” रीफ ने कराहते हुए कहा, और मेरे शरीर को हिलाते हुए ज़ोर-ज़ोर से धक्के देने लगा, जिससे मेरा आनंद और भी बढ़ गया और मैं लगातार चरम सुख का अनुभव करती रही, उसका लिंग मेरे वीर्य से भीग गया। “मुझे अपने आनंद में डुबो दो।” मेरी छातियाँ उछल रही थीं क्योंकि हम तेज़ी से आगे बढ़ रहे थे और ज़ोर-शोर से संभोग कर रहे थे।
उसका हाथ मेरे निप्पल से मेरे गले तक गया, उसने कसकर दबाया और मेरे शरीर को अपने शरीर से और आगे धकेल दिया, मेरी लंबी खिंची हुई चरम सुख की लहर मेरी नसों में दौड़ गई और मैं चीख उठी।
“मैं चाहती हूँ कि तुम आओ,” मैं कराह उठी, मेरी साँसें तेज़ और बेकाबू हो रही थीं। “मुझे तुम्हारी आवाज़ सुननी है।” मेरा हाथ उसके चेहरे पर लगा और मैंने अपने निचले होंठ को काट लिया, मेरा दिल जुनून से धड़क रहा था। “प्लीज़,” मैंने धीरे से विनती की, मेरा शरीर काँप रहा था और दर्द से तड़प रहा था।
रीफ की हथेली मेरे गले पर कस गई, जिससे मेरी सांसें रुक गईं और उसके सीने से एक धीमी सी गुर्राहट निकली। "मुझे तुम्हारा मुझसे भीख मांगना अच्छा लगता है," उसने मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा और गुर्राया।
मेरा शरीर आगे की ओर उछला और रेत के टीले से जा टकराया। रीफ के हाथ मेरी कमर में गड़ गए और वह मुझमें घुसते हुए बेरहमी से मेरे शरीर को ज़ोर से धक्के देने लगा। मैं चीखती रही, साँस लेने के लिए हाँफती रही, मेरी दर्द करती योनि से वीर्य टपक रहा था। "और ज़ोर से," मैंने हाँफते हुए कहा। "मुझे चोट पहुँचाने से मत डरो। मुझे ज़ोर से करना पसंद है।" मैं मुस्कुराई, और महसूस किया कि मेरे शब्दों के जवाब में उसका लिंग फड़क रहा है।
रीफ ने मेरा सिर पीछे की ओर झटका, मेरे बालों में हाथ घुमाते हुए, मुझे ज़ोर से खींचते हुए मुझे जकड़ लिया। कुछ ही देर में वह बेकाबू होकर कराहने लगा, मेरे शरीर में उसका वीर्य फूट पड़ा। उसके नाखून मेरी त्वचा में गड़ गए, और वह जोश से धक्के मारता रहा। "ओह, धिक्कार है," उसने साँस छोड़ते हुए कहा, और आखिरकार धीमा हो गया। "भगवान, तुम्हारी योनि स्वर्ग जैसी लगती है।" उसने सिसकते हुए मेरे नितंबों को दबाया। वह मेरे ऊपर झुक गया, मेरी पोशाक के ऊपर से मेरी रीढ़ की हड्डी को

चूमते हुए, मेरे बालों में फुसफुसाया। "कोई भी लड़का इस नज़ारे का आदी हो सकता है," उसने चिढ़ाते हुए मेरे नितंबों पर थप्पड़ मारा, और उन्हें उछलते हुए देखा।
मैंने पीछे मुड़कर देखा, मेरी आँखें चमक उठीं और मैं धूप में चमकते उसके पसीने से तर, गठीले, बिना कमीज वाले धड़ को निहारने लगी। "मैं भी ऐसा कर सकती हूँ।"
रीफ मुस्कुराया, धीरे-धीरे अपना लिंग मेरे अंदर से बाहर निकालते हुए, केवल उसका सिरा अंदर छोड़ दिया, जिससे मैं आह भर उठी। "ओह, अब मुझे तुम्हारी आहें भरना सच में अच्छा लग रहा है।" उसने अपने होंठ काटे, धीरे से वापस मेरे अंदर प्रवेश किया, और वही क्रिया दोहराई। "फक।" मैं महसूस कर सकती थी कि हमारा वीर्य मेरे अंदर से रिस रहा है, मेरी त्वचा को भिगो रहा है, और पहली बार, मुझे इसकी परवाह नहीं थी। रीफ ने धीरे से खुद को पीछे खींच लिया क्योंकि मेरा शरीर कस गया था, उससे लिपट गया था। "सावधान रहो," उसने चेतावनी दी। "तुम्हें शायद ज़ोर से पसंद हो, लेकिन मैं तुम्हें तोड़ना नहीं चाहता।" वह मेरे धड़कते हुए केंद्र से अलग हो गया, मेरे होंठों से उदासी भरी एक सिसकी निकल पड़ी। "तुम कितनी गंदी हो।" उसने मेरे खुले शरीर को घूरा। "शायद मुझे तुम्हारी सफाई में मदद करनी चाहिए।"
जैसे ही मैं मुड़कर उसकी ओर देखने लगी, रीफ़ की जीभ मेरे शरीर के बीचोंबीच पूरी तरह से फिसलती हुई, हमारी नमी को चाट रही थी। उसकी जीभ की गर्माहट मुझे बिजली के झटके की तरह लग रही थी, मानो मुझे अंदर तक झकझोर रही हो। मेरा सिर ऊपर उठा और मैं चीख पड़ी, और सीधे उसके मुंह में वीर्य निकल गया। ओह! मेरा पेट में अजीब सा महसूस हुआ, तुरंत शर्मिंदगी हुई, और मुझे चिंता होने लगी कि जो अभी हुआ है, उससे वह पूरी तरह से निराश हो जाएगा। मेरा दिल बेचैनी से धड़क रहा था, और मैं उसके कुछ कहने का इंतज़ार कर रही थी। कुछ भी।
रीफ ने अपनी जीभ मेरे शरीर के अंदर और गहराई तक डाली, कराहते हुए मुझे बेतहाशा चूस रहा था, उसके हाथ मेरी जांघों को जकड़े हुए थे। वह मुझसे दूर नहीं हटा, न ही घृणा से भागा। नहीं। इसके बजाय, रीफ ने मुझे पूरी तरह से खा लिया। मैं महसूस कर सकती थी कि वह जो कर रहा था उसका आनंद ले रहा था, ऊर्जा मेरे शरीर में दौड़ रही थी, मैं वहीं बैठी उसके स्वाद का आनंद ले रही थी, मानो मैं उसके लिए अब तक का सबसे स्वादिष्ट भोजन थी।
दूर से आती आवाजों ने उस गरमागरम माहौल को तोड़ दिया और हमारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया। "ये क्या है?" मैंने हांफते हुए पूछा।
रीफ ने अनिच्छा से अपनी जीभ पीछे खींची और मेरे घूमते ही अपने चेहरे को हाथ से पोंछा। उसने समुद्र तट पर दूर तक नज़र डाली और देखा कि कुछ दूरी पर बने साधारण से नाव घाट के पास एक छोटी सी भीड़ जमा हो रही है। "लगता है घाट के पास कुछ हो रहा है।" उसकी छाती फूल गई, उसका लिंग पूरी तरह से बाहर निकला हुआ था और शानदार ढंग से शिथिल था। मैं उसे घूरने से खुद को रोक नहीं पाई, इस बात से प्रभावित और भयभीत दोनों थी कि वह किसी तरह मेरे अंदर समा गया। रीफ मुस्कुराया और मेरी नज़रें उससे मिलते ही खिलखिलाकर हँसा, फिर मैं शरमाते हुए दूसरी तरफ देखने लगी। वह अचानक आगे बढ़ा, मेरा चेहरा पकड़कर उसे अपनी ओर

देखने के लिए मजबूर किया।
“मुझसे दूर मत भागो,” उसने फुसफुसाते हुए मेरे शरीर पर झुकते हुए कहा। “मुझे अच्छा लगता है जब तुम्हारी निगाहें मुझ पर टिकी होती हैं।” उसके होंठ मेरे होंठों से टकराए और उसने मुझे जोश से चूमा, हमारी जीभें एक-दूसरे पर फिसलने लगीं। मेरा हाथ उसकी गर्दन के चारों ओर पहुँच गया और मेरी उंगलियाँ उसके छोटे बालों को सहलाने लगीं।
आवाजें तेज होती गईं, जिससे हम अलग हो गए। मैं कराह उठी, रीफ मेरी झुंझलाहट पर हंस रहा था, वह अभी भी पूरी तरह नग्न था। मैं रेत के टीलों पर बैठी थी, मेरे घुटने मुड़े और फैले हुए थे, मैं उसके लिंग को घूर रही थी। उसने अपना हाथ बढ़ाया, मुझे अपना लिंग देने की पेशकश की। मैंने उसकी खुली हथेली पर नजर डाली और घुटनों के बल बैठ गई, मेरे स्तन उछल रहे थे, मेरा सिर अब उसके लिंग के बराबर था। उसके सिरे से तरल की एक छोटी बूंद टपक रही थी। मेरी आंखें रीफ को घूर रही थीं, उनसे नज़रें हटाने से इनकार कर रही थीं, मेरे होंठ खुल गए और धीरे-धीरे चौड़े हो गए। मैं आगे झुकी, मेरी जीभ ने धीरे-धीरे उसकी त्वचा से उस बूंद को चाटा, नमकीन स्वाद का आनंद लेते हुए।
रीफ कराह उठा, उसका लिंग मेरे सामने फूलकर अकड़ गया। उसने मेरी ठोड़ी पकड़ ली और खुद को काबू में रखने की कोशिश करने लगा। "बैराकुडा, ज़रा अपने उस प्यारे से मुंह पर लगाम लगाओ। मैं इसके साथ बहुत कुछ कर सकता हूँ।"
मैंने अपने हाथों से उसकी बांह पकड़ ली और खुद को ऊपर खींच लिया। "हिम्मत है तो मुझे दिखाओ।" रीफ की गहरी आंखों में चमक आ गई, मानो मेरे जैसी ही कामुक इच्छा जल रही हो। आखिरकार, एक योग्य साथी मिल ही गया।
उसने मेरा चेहरा छोड़ा और अपने लिंग को अपनी पुरानी जींस में वापस डालते हुए, जबड़े कसते हुए मुस्कुराया। "सोच समझकर मांगो।" उसने दूर बंदरगाह की ओर देखा, भीड़ को देखकर वह स्पष्ट रूप से चिंतित हो गया।
मैंने उसके चेहरे को गौर से देखा, मुझे समझ आ गया कि वह शोर-शराबे की जाँच करना चाहता है। "चलो।" मैंने झट से उसका हाथ पकड़ा और उसे भीड़ की ओर खींच ले गया। "देखते हैं क्या हो रहा है।"

रीफ़ और मैं जल्दी से उस भीड़ के पास पहुँचे जो एक बूढ़े, चिल्लाते हुए मछुआरे के चारों ओर घाट पर जमा थी। “देखा? मेरा मतलब यही था!” रीफ़ और मैं लोगों की अशांत भीड़ को चीरते हुए आगे बढ़े, तभी मछुआरे ने अटलांटिक ब्लूफ़िन मछली का शव हमारे पैरों के पास फेंक दिया। घिनौना! “ये रहा सबूत! इसे देखो!” मैंने मछली को गौर से देखा, और पाया कि उसका एक बड़ा हिस्सा गायब था, मानो मछली के

शरीर से साफ काट लिया गया हो। “देखा? शार्क! वे यहाँ हैं! हमारे पानी को आतंकित कर रही हैं! हमारा खाना खा रही हैं, हमारे परिवारों पर हमला कर रही हैं! मेरा कहना है कि हम उनका शिकार करें और उन सबको मार डालें!” पानी में बढ़ते इस मायावी खतरे के विचार से क्रोधित भीड़ ने जयकार की।
“हे भगवान! मैं, जो यहाँ का रहने वाला तटीय नाविक हूँ, भी आसानी से कह सकता हूँ कि ये लोग बिल्कुल पागल हैं।” मैंने रीफ की तरफ देखते हुए कहा। उसका चेहरा भावहीन था, उसकी नज़रें मछली के शव पर टिकी थीं। “हे।” मैं उसकी तरफ बढ़ा। “क्या तुम ठीक हो?”
रीफ ने मेरा हाथ छोड़ दिया, उसका चेहरा उदास और भावों से भरा हुआ था—लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वह कौन सा भाव व्यक्त कर रहा था। "मुझे जाना है।" वह भीड़ को चीरता हुआ सबसे दूर भाग गया।
“रीफ! रीफ!” मैं भीड़ में से रास्ता बनाते हुए उसे पुकारने लगी। “रुको!” मैं आखिरी कुछ लोगों के बीच से निकलकर उसे ढूंढने के लिए बेतहाशा इधर-उधर देखने लगी, लेकिन वह जा चुका था। “मैं तुम्हें कैसे ढूंढूंगी?” मैंने सिसकते हुए कहा।

हमारे छोटे से बीच हाउस की चाबियाँ खनक रही थीं जब मैं दरवाज़ा खोलने की कोशिश कर रहा था। जंग लगा पुराना ताला हमेशा अटक जाता था, जिससे मुझे बहुत परेशानी होती थी। "अरे यार, ये क्या है!" मैंने चाबी हिलाते हुए गुस्से से कहा। तुरंत ही दरवाज़ा खुल गया और चेरी वहाँ एक सुंदर पोशाक में खड़ी थी। ऑफिस के हिसाब से बहुत ही सुंदर। "आज रात हम क्या करने वाले हैं?" मैंने गाते हुए अंदर कदम रखा। "क्योंकि जान, तुम तो बेहद खूबसूरत हो।"
“हा-हा।” चेरी ने मज़ाक उड़ाते हुए दरवाज़ा बंद कर दिया। वह घूमी और अपनी सुनहरे पीले रंग की झालरदार टॉप दिखाई, जो उसकी छाती के ठीक नीचे बंधी थी, जिसकी लंबी आस्तीनें फैली हुई थीं और उसकी कलाई से कुछ इंच ऊपर लटक रही थीं। उसने गहरे नीले रंग की स्कर्ट पहनी थी, जिसमें हाई स्लिट था, साथ में घुटनों तक ऊंचे प्लेटफॉर्म बूट और उसके सिग्नेचर हूप इयररिंग्स थे। “देखो, मैं एक हॉट डेट पर जा रही हूँ जबकि तुम अपने पापा के घर डिनर के लिए जा रही हो।”
मेरी मुस्कान गायब हो गई और निराशा से मेरा शरीर झुक गया। "क्या?" मैंने गिड़गिड़ाते हुए कहा।
“अरे, संदेशवाहक को दोष मत दो।” उसने एक सिगरेट निकाली और उसे अपने होठों के बीच रखकर जलाया। चेरी ने धुआँ छोड़ते हुए कहा, “चीफ को दोष दो। उन्होंने ही तो मुझे यह संदेश देने को कहा था। कहा था कि यह एक साधारण अनुरोध है।”
“अनुरोध करने का मतलब होगा कि मेरे पास विकल्प है, जो उसके मामले में मेरे पास

नहीं है।” मैंने कराहते हुए अपनी बाहें मोड़ लीं।
“मुझे तुम्हारे पापा की बुराई करने में बहुत मज़ा आ रहा है, यकीन मानो, लेकिन मुझे जाना होगा वरना देर हो जाएगी।” मैंने सिर हिलाकर उसे जाने का इशारा किया।
“फिर मिलते हैं!” उसने दरवाज़ा खोला और मेरी तरफ देखकर मुस्कुराते हुए रुक गई।
“खैर, अगर आज रात सब ठीक रहा तो शायद मैं न आऊं।” उसने आँख मारी और जीभ बाहर निकाल दी। “मुझे शुभकामनाएँ दो!”
"गुड लक, बिच," मैंने गाया जैसे ही चेरी ने दरवाजा बंद किया।
वाह, अब मुझे खुद को साफ-सुथरा करना था और अपने पिताजी के घर जाना था, जहाँ मुझे खाना नहीं खाना था। कमाल है!

मैं अपने बचपन के घर के पुराने, जर्जर दरवाजे पर दस्तक देने गई, धूल से भरे उस पुराने घर में कदम रखने से पहले मैं घबराई हुई और बेचैन थी। मेरी माँ के गुज़र जाने के बाद से, मेरे पिताजी ने हर चीज़ को उसकी सही जगह पर रखा था, मानो चीज़ों को सहेज कर रखने से माँ ज़िंदा रहेंगी। लेकिन इसके बजाय, माँ एक अछूत प्रेत बन गईं, और घर एक मकबरे में बदल गया। ज़्यादातर लोगों को घर आना अच्छा लगता था, बचपन की यादों में खो जाना। लेकिन मुझे नहीं। मुझे इससे नफ़रत थी, और मैं यहाँ वापस आने के हर मौके से बचती थी। और फिर भी, एक बार फिर, मैं यहाँ थी। साँस लो, डेलिला।
दरवाजा खुल गया, मेरे पिताजी दरवाजे पर खड़े थे, उनके चेहरे पर उलझन का भाव था। “बस खड़े मत रहो। अंदर आ जाओ।” उन्होंने हाथ हिलाया और मुझे अंदर आने के लिए दरवाजा खुला छोड़ दिया। मैं हिचकिचाई, और आगे बढ़ते हुए मैंने गहरी सांस ली। “मुझे समझ नहीं आता कि आपने दरवाजा क्यों नहीं खोला। यह आपका भी घर है, बेटा।” वे रसोई में चले गए और बड़बड़ाने लगे कि मुझे दरवाजा क्यों खोलना चाहिए था, जबकि मैं उनकी आवाज़ अनसुनी कर रही थी और दीवारों पर लगी धूल की पतली परत से ढकी तस्वीरों पर नज़र गड़ाए हुए थी। दर्द भरी यादें मुझ पर भारी पड़ रही थीं, मानो मुझे धरती के केंद्र की ओर धकेल रही हों। मैंने उन्हें भुलाने की कोशिश की, लेकिन वे इतनी हावी थीं कि मुझे उनके अस्तित्व को स्वीकार करना ही पड़ा।
“तो?” रसोई के कोने से झाँकते हुए पिताजी की आवाज़ ने शोरगुल के बीच से रास्ता बनाते हुए कहा।
“क्या?” मैंने उसके सवाल से चौंककर पूछा।
मैंने कहा कि मैं वो बर्गर ले आया हूँ जो तुम्हें हमेशा पसंद थे, लेकिन चेरी मिल्कशेक खत्म हो गए थे। मशीन में कुछ गड़बड़ थी और वो कैसे काम करती है—"

“कोई बात नहीं।” मैंने उसे चुप कराने की कोशिश करते हुए जबरदस्ती मुस्कुरा दिया। मेरे पिताजी मुझे ऐसे घूर रहे थे मानो तय कर रहे हों कि मेरी मनोदशा को कुरेदें या बस ऐसे ही छोड़ दें। "ठीक है।" भगवान का शुक्र है।
मैं जल्दी से भोजन कक्ष की ओर बढ़ा, जहाँ मेज पर खुली किताबों और लेखों के ढेर लगे हुए थे। फाइलों और कागजों से भरे बक्से उस अस्त-व्यस्त कमरे में चारों ओर ढेर लगे हुए थे, जो उनके कार्यालय जैसा लग रहा था। मैंने किताबों के शीर्षक और कवर पर नज़र डाली और पढ़ते हुए मुझे पढ़ने की सामग्री में एक खास पैटर्न नज़र आया।
“शार्कों का प्राकृतिक इतिहास। सबसे नए शिकार के शरीर पर मौत का निशान मिला। शार्क: इंसानों पर हमले। मौत के फरिश्ते पश्चिमी तट से पूर्वी तट की ओर पलायन कर रहे हैं। खूंखार शार्क, मौत के जबड़े—” मैं तस्वीरों का ढेर देखकर रुक गई। जैसे ही मैंने उन्हें उठाया, मैंने देखा कि वे न केवल शार्क हमले के शिकारों की तस्वीरें थीं, बल्कि मेरे शिकारों की भी थीं। मैंने जल्दी से पन्ने पलटे और आखिरी तस्वीर पर आकर रुक गई: वह आदमी जिसे मैंने रीफ से मिलने वाली रात समुद्र तट पर छोड़ दिया था। तस्वीरों को पलटते हुए, मैंने अपने चुंबन के निशानों के क्लोज-अप देखे, हर एक निशान पिछले वाले जैसा ही था। धिक्कार है!
“तुम्हें इन्हें नहीं देखना चाहिए।” मेरे पिता की अचानक आई आवाज से मैं चौंक गया और तस्वीरें मेरे हाथ से फर्श पर गिर गईं।
“हे भगवान, पिताजी।” मैंने अपना हाथ अपनी छाती पर रखा, मेरा दिल तेजी से धड़क रहा था।
“अरे, भगवान का नाम व्यर्थ में मत लो। मेरे घर में तो बिलकुल नहीं।” उसने झल्लाते हुए कहा और झुककर मेरी बिखरी हुई चीज़ें साफ़ करने लगा। उसने मेरे हाथ से पन्ने छीन लिए और उन्हें एक खाली फ़ाइल में ठूंस दिया।
मैंने मेज की ओर इशारा करते हुए पूछा, "यह सब क्या है?"
मेरे पिताजी ने आह भरी और फाइल को कागजों के एक डिब्बे में फेंक दिया। “पुलिस का काम। मैं 'मौत के फरिश्ते' के पीड़ितों की केस फाइलों को खंगाल रहा हूँ, कुछ ढूंढने की कोशिश कर रहा हूँ, लेकिन मेरा दिमाग काम नहीं कर रहा क्योंकि मुझे पता है कि इन पानी में एक खूंखार शार्क घात लगाए बैठी है।” उन्होंने मेरी तरफ देखा, उनकी नज़र मेरे धड़ पर बने काटने के निशान पर पड़ी जो मेरी छोटी समर टॉप के नीचे से झाँक रहा था। “जानती हो, तुम्हारे शरीर पर जो काटने का निशान है, वह कुछ हफ़्ते पहले मिले एक शव के निशान जैसा ही है।” वे तस्वीरों के दूसरे ढेर को पलटने लगे, बेचैनी से खोजते रहे जब तक कि उन्हें वह नहीं मिल गया जिसकी उन्हें तलाश थी। “ये लो।” उन्होंने पन्ने पर टैप किया और मुझे दे दिया।
एक महिला के क्षत-विक्षत शरीर की तस्वीर को देखकर मैं झिझक उठा। शरीर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त था, जांघ पर शार्क के काटने का गहरा निशान था। "यह मैं क्या देख रहा हूँ?" मैंने शव की इस क्रूर हालत को देखकर थोड़ा विचलित होते हुए पूछा।
मेरे पिताजी झुंझलाहट से कराह उठे। “क्या तुम्हें दिख नहीं रहा?” उन्होंने तस्वीर पर उंगली रखी। “काटने के निशान एक जैसे हैं। बस...” उन्होंने मेरे घाव पर नज़र डाली।

“तुम्हारा निशान कम आक्रामक है। तुम भाग्यशाली हो, डेलाइला।” मुझे बिल्कुल भी भाग्यशाली महसूस नहीं हो रहा था। क्या इसका मतलब यह था कि तैराकों का शिकार करने वाली उस खूंखार शार्क ने किसी तरह मुझ पर हमला किया था? लेकिन मुझे क्यों बख्शा? उसने मुझे क्यों नहीं मारा? “यह अजीब है, तुम्हारे काटने का निशान सतह पर ज़्यादा है। नियंत्रित। ऐसा लगता है जैसे शार्क तुम्हें चखकर देख रही थी कि तुम्हें पसंद करती है या नहीं।”
“खैर, लगता है मैं उतनी स्वादिष्ट नहीं थी,” मैंने झल्लाते हुए तस्वीर को वापस मेज पर फेंक दिया। “क्या हम इस बारे में बात न करके खाने पर ध्यान दे सकते हैं?” मेरे पिताजी ने सिर हिलाकर बात खत्म कर दी।
हमने रसोई में नाश्ते की मेज पर ही रात का खाना खाया और चुपचाप अपने चिकने बर्गर खाए। जब जाने का समय हुआ, तो मैंने अलविदा कहा और जल्दी से अपनी कुर्सी से उठी, तभी मेरे पिता ने हाथ उठाया और मेरा हाथ कसकर पकड़ लिया। मैं डर के मारे हिल भी नहीं पा रही थी, वहीं जम गई। “डेलीला, तुम्हें बाहर ज़्यादा सावधान रहना चाहिए।”
मैं बिना हिले-डुले, सामने देखते हुए उनसे बात करती रही। “समुद्र तट सुरक्षित है, पिताजी। मैं वादा करती हूँ, अब रात में तैरने नहीं जाऊंगी, और मैं केवल दिन में ही बाहर जाऊंगी और कभी अकेले नहीं जाऊंगी।”
“यह सिर्फ समुद्र तट की बात नहीं है, बच्चे। मौत का फरिश्ता इन इलाकों में घूम रहा है, जवान लड़के-लड़कियों दोनों को मार रहा है। कोई भी सुरक्षित नहीं है।”
मैंने अपनी हंसी रोकने की कोशिश की। "मुझे नहीं लगता कि मैं तुम्हारे कातिल के टाइप की हूं।"

पाँच

रीफ

मेरी आँखें पानी की सतह से थोड़ी ऊपर झाँक रही थीं, मेरा चेहरा गहरे अंधेरे में छिपा हुआ था, और मैं गोदी के नीचे से दो आदमियों को देख रहा था। मरी हुई मछलियों और जमे हुए खून की दुर्गंध रात की हवा में फैली हुई थी, जिसमें डर और आशंका की हल्की सी परत मिली हुई थी।
दोनों में से जो बड़ा और भारी था, उसने छोटे आदमी की बांह पर तब मारा जब वह एक दिन पुराना चारा समुद्र में फेंक रहा था। "जल्दी करो, रे! हमें यहाँ किसी को ढूंढने की ज़रूरत नहीं है।"
“मैं कोशिश कर रहा हूँ, ग्लेन! तुम किस बात पर शोर मचा रहे हो? यहाँ शार्क का शिकार करना गैरकानूनी नहीं है।” उसने मेरी मौजूदगी से बेखबर होकर, उस गंदे चारे

का एक बड़ा टुकड़ा पानी में फेंक दिया।
“कोई फर्क नहीं पड़ता। अगर चीफ बेली या उसका वो बेवकूफ डिप्टी हमें यहाँ चारा डालते हुए पकड़ लेता है, तो वो हमें सीधे जेल ले जाएगा, कहेगा कि हम पानी प्रदूषित कर रहे थे या कुछ और।” ग्लेन ने अपनी टॉर्च जलाई और गोदी के आसपास के समुद्र को देखने लगा। “और मुझे यहाँ रहना अच्छा नहीं लगता। रात में ये पानी इतना शांत और अंधेरा हो जाता है कि कुछ अजीब सा लगता है। आपको पता ही नहीं चलेगा कि अंदर क्या तैर रहा है, जब तक कि वो आपसे टकरा न जाए।”
"यहाँ अजीब लगने वाली एकमात्र चीज़ तुम्हारी बदबूदार गांड है जो मुझे इधर-उधर आदेश दे रही है," रे ने धीमी आवाज़ में बुदबुदाया।
“यह क्या था?” भारी-भरकम आदमी ने सुनहरी किरण को रे के चेहरे पर निशाना बनाया, जिससे वह क्षण भर के लिए अंधा हो गया।
“कुछ नहीं ग्लेन,” वह हकलाते हुए बोला और तेजी से पानी में चारा उछालने लगा।
“हम्म। इस सर्कल हुक में मेरी मदद करो। टॉर्च की रोशनी में भी मुझे यहाँ कुछ दिखाई नहीं दे रहा।” दोनों आदमी बड़े धातु के हुक में धागा पिरोने में उलझ गए, और उसे पानी में फेंकने की तैयारी करने लगे क्योंकि वे उससे शार्क पकड़ने वाले थे। मैंने अपना सिर वापस समुद्र में डुबो दिया, अंधेरे में बहता हुआ इंतज़ार करने लगा।
जैसे ही मैंने धातु के हुक को डूबते हुए देखा, धारा में हलचल मच गई, हुक मछली के मांस के एक मोटे टुकड़े को छेदते हुए अंदर चला गया। मृत शरीर का पुराना, जमा हुआ खून पानी में फैल गया, जिससे उसकी दुर्गंध और स्वाद पानी को दूषित कर रहा था।
“अब हम इंतज़ार करते हैं।” ग्लेन के दबे हुए शब्द पानी में डूब गए, और मैंने उसे पुराने घाट के लकड़ी के खंभे से मछली पकड़ने की डोर बाँधते देखा। फिर दोनों आदमी पुरानी लॉन कुर्सियों पर बैठ गए, शार्क पकड़ने का इंतज़ार करते हुए।
आपको शार्क चाहिए? ठीक है, मैं आपको शार्क दे दूंगा।
“ग्लेन? ग्लेन! देखो। देखो!” रे ने मछली पकड़ने वाली डोरी की ओर इशारा किया और देखा कि वह खून से सने पानी में लहरें पैदा करते हुए कैसे खिंच रही थी।
“अरे वाह! हमने कर दिखाया, रे! हमने सचमुच कर दिखाया! हमने शार्क पकड़ ली!” दोनों अपनी इस कामयाब कोशिश पर खुशी से झूम उठे। बिलकुल बेवकूफ!
“रुको, ग्लेन।” रे रुक गया, उसके पीले चेहरे पर खुशी झलक रही थी। “हम इसे ऊपर कैसे खींचेंगे?” इससे पहले कि दोनों बेवकूफ कुछ सोच पाते, रस्सी और ज़ोर से खिंची, जिससे जर्जर पुराना घाट हिलने लगा। “ये क्या था, ग्लेन?”
“चुप रहो, रे!” वह खड़े होते हुए गुस्से से बोला। उसने पानी की ओर नज़र घुमाई और अपनी टॉर्च की रोशनी नीचे अंधेरे में डाली। रस्सी और ज़ोर से खिंची, और गोदी की लकड़ी टूटने लगी। इस झटके से ग्लेन पीछे की ओर गिरा और ज़मीन पर गिरते हुए छटपटाने लगा।
"ग्लेन!" रे चिल्लाया, यह देखते हुए कि ग्लेन और गोदी का आखिरी सिरा पूरी तरह से घाट के बाकी हिस्से से अलग होकर समुद्र में बह गया।

“धत् तेरे की। रे। रे!” ग्लेन लड़खड़ाते हुए गिर पड़ा क्योंकि लकड़ी के तख्ते एक दूसरे से अलग होकर पानी में गिरने लगे और धीरे-धीरे डूबने लगे।
“मैं क्या करूँ, ग्लेन?” रे घबराकर चिल्लाया, क्योंकि उसने अपने और अपने दोस्त के बीच बढ़ती दूरी को देखा।
“रस्सी। मुझे रस्सी फेंक दो!” ग्लेन ने इशारा किया।
रे ने झट से मोटी रस्सी पकड़ी और उसका एक सिरा ग्लेन की ओर फेंक दिया। रस्सी पानी में जा गिरी और ग्लेन को बिल्कुल भी नहीं लगी।
“अरे यार, रे! इसे वापस खींचो और फिर से फेंको। जल्दी!” उसने पतले आदमी को रस्सी वापस खींचते देख गुस्से से कहा।
रे ने रस्सी को दूसरी बार उछाला, और उसका सिरा ठीक उस भारी-भरकम आदमी के हाथों में जा गिरा। रे ने तेज़ी से मोटी रस्सी को लकड़ी के खंभे के चारों ओर लपेटा और उसे कसकर बांध दिया, तभी ग्लेन ने रस्सी को खींचकर घाट की ओर बढ़ना शुरू किया। रे बेबसी से देखता रहा, उसका चेहरा पीला पड़ गया और उसने हाथ उठाकर खाई की ओर इशारा किया। “श-श-श-श—”
“क्या?” ग्लेन ने झल्लाते हुए कहा, गीली लकड़ी के भारी वजन के कारण उसकी गति धीमी हो रही थी और वह खुद को घाट की ओर खींचने की कोशिश कर रहा था। “क्या बात है? जल्दी बताओ, रे!”
“श-श-श-अर-क-क!”
जैसे ही मैं पानी से बाहर निकला, ग्लेन मुड़ गया, मेरे जबड़े चौड़े थे और मैंने अपने नुकीले दांत उसकी देह में गड़ा दिए। जैसे ही हम पानी में गिरे और अंधेरे में दूर भागने लगे, उसकी चीखें धीमी पड़ गईं। वह आदमी छटपटा रहा था, उसके मुंह से बुलबुले निकल रहे थे, वह मुझे मुक्के मारने की कोशिश कर रहा था, अपने पैर पटक रहा था, जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहा था। लेकिन यह सब व्यर्थ था।
मैंने और ज़ोर से काटा, उसकी हड्डियाँ चटकने की आवाज़ आई जैसे ही मेरे दाँत उसके मांस में और गहरे धँसे, उसके खून का स्वाद मेरे मुँह में घुल गया। यह स्वादिष्ट था, जिसमें हल्की सी कड़वाहट भी थी। मैंने उसे जल्दी से खा लिया, जितना खा सकता था, खाकर वापस घाट की ओर तैरने लगा। अब अपने दोस्त का ख्याल रखने का समय है।
रे टूटे हुए घाट के किनारे खड़ा था, अपने हाथों से टोपी घुमाते हुए, पानी में झाँकते हुए रो रहा था। "ग्लेन?" वह सिसकते हुए बोला, अपना चेहरा पोंछते हुए। "ग्लेन? तुम कहाँ चले गए? अरे, ये मज़ाक नहीं है।" वह घुटनों के बल बैठ गया, पानी के और करीब झुक गया, और नीचे गहराई में कुछ देखा। "ग्लेन?"
मैं उसकी परछाई की ओर झपटा, उसके चेहरे पर तुरंत आए बदलाव को देखकर मैं दंग रह गया। डर से उसका गला कांप रहा था, और मेरे दांत उसकी गर्दन पर जकड़ गए, जिससे उसका सिर धड़ से अलग हो गया। मैंने उसे दांतों से काट डाला और पूरा निगल गया, फिर वापस आकर उसके शरीर को भी खत्म कर दिया। उसका धड़ कटा हुआ शव घाट पर लटक रहा था, और उसका खून पानी में शराब की तरह बह रहा था।

मुझे मछुआरे बिल्कुल पसंद नहीं हैं।

छह

दलीला

रीफ़ को देखे हुए कई दिन बीत चुके थे। मैं हर सुबह और शाम उसी बीच पर जाती थी, इस उम्मीद में कि वो पहले की तरह वहीं बैठा होगा, लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगती थी। उसे क्या हुआ? क्या वो मुझसे बच रहा था? क्या मैंने कुछ किया था? मैं खुद को ही दोषी मानने लगी, मानो उसकी गैरमौजूदगी का कारण मैं ही थी। मैं अपने पैर हिलाते हुए, चेरी-लाल रोलर स्केट्स की रफ्तार बढ़ाते हुए गोल्डन कोस्ट की मुख्य सड़क पर आगे बढ़ रही थी, मेरा दिमाग अंतहीन, एक-दूसरे से जुड़े विचारों से भरा हुआ था। मैं इस विचार से खुद को रोक नहीं पा रही थी कि एक शार्क ने मुझे छोड़ दिया, मेरी जान बख्श दी जबकि वह बेरहमी से कई अन्य लोगों का शिकार कर रही थी, मेरे पिता से आखिरी बार बात करने के बाद से कम से कम तीन और लोगों की जान ले चुकी थी; दो बेवकूफ, जिनके शव कभी नहीं मिले, लेकिन जाहिर तौर पर अपने कुत्ते को टहला रहे किसी व्यक्ति ने उस पूरे भयानक हमले को देखा था, और तीसरा मछुआरा जो समुद्र में था, नशे में था, डींगें मार रहा था कि उसने जिम्मेदार शार्क को देखा था और उसे न्याय के कटघरे में लाने के लिए दृढ़ संकल्पित था। बेशक, जब वह टूटे हुए घाट पर लड़खड़ाते हुए पहुंचा, तो वह फिसल गया और समुद्र में गिर गया और फिर कभी नहीं मिला। इस बात का कोई सबूत नहीं था कि उस जानलेवा शार्क ने उसकी मौत का कारण बनाया था, जब तक कि आज सुबह उसकी बाईं बांह किनारे पर नहीं आ गई, जो उसके शरीर से पूरी तरह अलग हो गई थी। कोरोनर को हड्डी में फंसा हुआ एक शार्क का दांत मिला, जिससे यह काफी स्पष्ट हो गया कि शार्क ही दोषी थी। शार्क के बढ़ते आतंक के बीच, पुलिस और स्थानीय लोग मेरे पिताजी पर कार्रवाई करने, कुछ करने के लिए दबाव डाल रहे थे। गोल्डन कोस्ट शहर पूरी तरह से अराजकता में डूब गया था।

मैं पुलिस स्टेशन के दोहरे दरवाज़ों की ओर जाने वाली सीढ़ियों तक स्केटिंग करते हुए पहुँचा, रेलिंग का सहारा लेकर सावधानी से ऊपर चढ़ा। मैं अंदर गया, भीड़भाड़ के बीच से रास्ता बनाते हुए चेरी की डेस्क तक पहुँचा। वह कागज़ों में डूबी हुई थी, मानो उसी से काम चला रही हो।

“यह सब क्या है?” मैंने अस्त-व्यस्त कागजों के ढेर पर धीरे से नज़र डालते हुए पूछा और एक कागज़ उठाया।

चेरी ने मेरे हाथ से पन्ना छीन लिया। उसने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "यह जी.सी.पी.डी. की संपत्ति है। इसे देखना आपके लिए नहीं है।"

“अरे बाप रे, तुम्हारे सीरियल में किसने पेशाब कर दिया?” चेरी ने मुँह बनाया और तेज़ी से टाइप करने लगी। “क्या, कोई मर गया है या कुछ और?” मैंने मज़ाक में कहा, क्योंकि मैंने देखा कि उसने मुझे घूरकर देखा। “अरे रुको, सच में किसी ने किया है? कौन?” मैंने पूछा और झुककर उसकी डेस्क का किनारा पकड़ लिया, अब मेरी आँखें उसके बराबर थीं।

वह रुकी, चारों ओर देखने के बाद आगे झुकी। “डेल आज सुबह यहाँ आया और बड़बड़ाने लगा कि बंदरगाह पर कुछ लोगों को एक और शव मिला है। बताया जा रहा है कि वह भी एक मछुआरा था, जिसका आधा शरीर खाया हुआ था, अंग गायब थे और न जाने क्या-क्या। उसने कहा कि मछुआरे बहुत गुस्से में हैं, असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, उन्हें लग रहा है कि उन्हें निशाना बनाया जा रहा है, और वे चाहते हैं कि पुलिस प्रमुख इस पर कार्रवाई करें।”

मैंने उपहास उड़ाते हुए कहा, "यह कितनी विडंबना है कि जब पुरुषों को निशाना बनाया जाता है, तो अचानक यह सुरक्षा का मुद्दा बन जाता है।" मैंने अपनी आँखें घुमाईं।

“हम्म,” चेरी ने सहमति जताते हुए तुरंत टाइपिंग शुरू कर दी। “डिप्टी डेनियलसन अभी भी लापता हैं, इसलिए मैं शार्क हमले से जुड़े सारे कागज़ात संभालने और मुर्दाघर की रिपोर्ट टाइप करने में फंसी हुई हूँ, जबकि डेल और तुम्हारे पिताजी सारा दिन अपने दफ्तर में बैठकर इस मायावी जानलेवा शार्क को पकड़ने की योजना बनाते रहते हैं। अगर मुझसे पूछो, तो उन्हें गो फिश खेलने के बजाय किसी असली कातिल, जैसे उस 'मौत के फरिश्ते' को पकड़ने में अपना समय लगाना चाहिए।” मैं मुस्कुराई, चेरी की बुद्धिमत्ता से प्रभावित और मुग्ध हो गई। उसकी बुद्धिमत्ता और हाज़िरजवाबी हमेशा उसकी खूबसूरती के आगे फीकी पड़ जाती थी। मुझे उस आदमी पर तरस आता था जो उससे पंगा लेने की हिम्मत करता।

जैसे ही डेल और मेरे पिताजी दोनों चेरी की डेस्क की ओर बढ़े, पिताजी के दफ्तर का दरवाजा खुल गया। मैं जल्दी से उठ खड़ी हुई, रोलरस्केट्स को संभालने की कोशिश में मेरा संतुलन बिगड़ गया। डेल मुस्कुराया, मेरी मौजूदगी देखकर उसे हंसी आ रही थी, जबकि मेरे पिताजी ने आह भरी। "मुझे लगा था कि मैंने तुमसे पुलिस स्टेशन के अंदर इन्हें पहनकर इधर-उधर चलने से मना किया था।"

धत् तेरे की। उसने कर दिया। “खैर, मेरा आने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन मुझे याद आया कि चेरी अपना लंच घर पर भूल गई है, इसलिए मैंने सोचा कि मैं उसे दे दूं,” मैंने झूठ बोला।

टाइपिंग बंद करते ही उसने मेरी तरफ और चेरी की तरफ देखा, उसकी निगाहें हम दोनों के बीच घूम रही थीं। "तो फिर उसे दे दो," उसने आदेश दिया। मैं रुक गई, मुझे एहसास हुआ कि मेरे पास उसका लंच भी नहीं था, और मैं एक बेवकूफ की तरह वहीं खड़ी रह गई। "मैं—"

“उसने पहले ही कर दिया है।” चेरी मुस्कुराई और अपनी डेस्क की दराज से एक भूरे रंग का पेपर बैग निकाला। “अभी-अभी उसे रखा था और अलविदा कह ही रही थी कि

आप दोनों सज्जन आ गए।" उसने मेरी तरफ देखा और फिर नज़रें दरवाज़े की तरफ घुमा लीं, जैसे मुझे जाने का इशारा कर रही हो। "आपकी दयालुता के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, डेलाइला।" उसके बनावटी हाव-भाव देखकर मेरा चेहरा बिगड़ गया और मैं अपनी हंसी रोकने की कोशिश कर रही थी।
"जो भी हो। अभी मेरे पास तुम दोनों के लिए समय नहीं है।" मेरे पिताजी ने माथे पर हाथ फेरते हुए आह भरी। "चेरी।" जैसे ही उसने अपना हाथ नीचे किया, वह उसकी ओर मुड़े। "आज तुम्हें मेरी सारी कॉल उठानी हैं। मुझे जो भी संदेश मिलें, उन्हें लिख लेना और अभी मेरी डेस्क पर रख देना, ठीक है?"
"जी हां, चीफ। क्या कोई विशेष कारण है कि आप कॉल नहीं ले पाएंगे, या यह केवल 'आवश्यकतानुसार जानकारी' के आधार पर है?"
डेल ने आह भरी। "अरे, हद हो गई औरत। बस अपना काम करो और सवाल मत पूछो।"
जब मैंने उसे देखा और अपनी ज़बान दबा ली, तो चेरी के चेहरे से साफ पता चल रहा था कि वह क्या महसूस कर रही थी। "ज़रूर, डेल।" उसने उसका नाम थूकते हुए कहा। "मैं बस इसलिए पूछ रही हूँ, क्योंकि यह मेरा काम है, कि कहीं कोई ज़्यादा ज़रूरी व्यक्ति फ़ोन न कर दे, जैसे कि मेयर?" उसने अपने अगले शब्द मेरे पिता से कहे। "मैं उम्मीद करती हूँ कि मैं उचित जवाब दे सकूँ ताकि जब मेयर पूछे, और हाँ, मैं 'जब' कह रही हूँ, क्योंकि हम दोनों जानते हैं, चीफ, कि हमारे प्यारे बूढ़े मेयर को अपने शहर में हो रही हर बात जानने की चाहत होती है। लेकिन मैं विनम्रता से पूछ रही हूँ, ताकि मैं हमारे प्रिय मेयर को सही जवाब दे सकूँ, और आपको, चीफ, किसी और उलझन या शर्मिंदगी से बचा सकूँ।" उसने अपना सिर झुकाया और मुस्कुराते हुए देखा कि उसकी सोची-समझी प्रतिक्रिया के बाद वह कैसे असहज हो रहा था।
मेरे पिता ने गला साफ किया, उसके साहसी लेकिन तर्कसंगत प्रश्न से थोड़ा चौंक गए। "उम्म, हाँ, मैं डेल और शहर के कुछ अन्य मछुआरों के साथ बाहर जा रहा हूँ, ताकि हम इस शार्क के बारे में कुछ कर सकें। इसे... तैयारी समझ लीजिए।" उन्होंने उसे हाथ हिलाकर विदा किया और वे दोनों आदमी जाने लगे।
"क्या आपको वहां किसी मदद की ज़रूरत है?" उसने पूछा, और उन्हें वहीं रोक दिया। डेल हँस पड़ा। "क्यों न तुम पुरुषों का काम पुरुषों पर ही छोड़ दो, प्यारी?" मैं उसकी बातों से घृणा करते हुए देखती रही, जब वे दोनों आदमी जल्दी से चले गए।
"अगर कोई उसे बड़े से लिंग से उसकी गांड मार दे, तब भी उसे पता नहीं चलेगा कि असली मर्द क्या होता है," चेरी ने झल्लाते हुए कहा और अपने काम पर लौट गई।
"ये तो बहुत दुख की बात है कि तुम महिलाओं को डेट नहीं करते।" मैं उसकी इस अदा से मुग्ध होकर अपनी बाहें मोड़ बैठा। "हम दोनों एक ज़बरदस्त जोड़ी बनते, जान।"
चेरी मुस्कुराई और जीभ बाहर निकाल ली। "दुनिया हम जैसी दो महिलाओं के साथ रहने के लिए तैयार नहीं है। वैसे भी, मुझे लगा था कि तुम्हारा कोई नया प्रेमी है। तुमने मुझे जो बताया, पिछली रात तुम दोनों ने जो कुछ किया..." उसने मेरी तरफ देखा।

“मुझे हैरानी है कि तुम किसी और के बारे में सोच भी सकती हो।”
मैं उसकी डेस्क से टिक गई, मेरे बाल मेरे कंधों पर बिखरे हुए थे। "कोई भी आदमी मुझे इतनी ज़ोर से नहीं चूम सकता कि मैं तुम्हें भूल जाऊं।"
“अरे चुप रहो!” चेरी हंसते हुए चारों ओर देखने लगी। “अब अपनी गंदी ज़बान यहाँ से निकालो, वरना मुझे नौकरी से निकलवा दोगे! धिक्कार है इस फ़्लर्ट पर।” वह मुस्कुराई।
“जी मैडम,” मैंने चिढ़ाते हुए कहा और लुढ़क कर दूर हट गई। “मुझे बहुत अच्छा लगता है जब आप मुझे आदेश देती हैं!” मैं चिल्लाई और भाग गई। यह जानकर मुझे खुशी हुई कि मैं उसे मुस्कुराने पर मजबूर कर सकती हूँ, भले ही वह कितनी भी मुश्किलों का सामना कर रही हो। चेरी मेरी सबसे अच्छी दोस्त थी, और मेरे जीवन में उसके लिए हमेशा एक खास जगह रहेगी। लेकिन अभी, मेरा पूरा ध्यान रीफ को ढूंढने पर था।

रीफ को खोजने के असफल प्रयासों के एक और दिन से निराश होकर, मैं लड़खड़ाते हुए अपने पसंदीदा बार में पहुँच गया, जो शहर के किनारे समुद्र तट के ठीक पास स्थित था। यह पुराना और अनोखा बार था, जो जीवन के हर क्षेत्र के लोगों से भरा हुआ था, मानो बार उन्हें अपने निरंतर बढ़ते संग्रह में कीमती रत्नों की तरह इकट्ठा कर रहा हो।
मैं स्केटिंग करते हुए लकड़ी के बार तक गई और स्टूल पर बैठ गई, अपना सिर हाथों पर टिका लिया। "दिन मुश्किल था?" बारटेंडर ने अपने कंधे पर तौलिया डालते हुए पूछा।
मैंने अपना सिर उठाया और चेहरे पर उलझे हुए बालों को झाड़ते हुए कहा, "तुम्हें अंदाज़ा भी नहीं है, बर्डी।"
बुजुर्ग महिला ने सिर हिलाया। "मैं तुम्हारे लिए क्या ला सकती हूँ, बच्चे?"
मैं अपने मनपसंद पेय के बारे में सोचते हुए इधर-उधर देखने लगा, तभी मेरी नज़र बार के दूसरी तरफ़ बैठे एक आदमी पर पड़ी, जो बीयर पी रहा था, सिर पर काउबॉय हैट थी और मेरी तरफ़ ही देख रहा था। मैं मुस्कुराया। "मैं भी वही लूंगा जो वो ले रहा है।" मैंने इशारा किया, क्योंकि किसी और के साथ समय बिताने की इच्छा को मैं रोक नहीं पा रहा था।
बर्डी ने आंखें घुमाईं, उसे सब पता था। उसने नीचे झुककर वही भूरे रंग की कांच की बोतल उठाई और ढक्कन खोलते हुए मुझे थमा दी। "मज़े करो।"
मैंने बियर उठाई और खड़ी हो गई, कमरे के बीचोंबीच जाकर संगीत पर नाचने लगी। मैं गोल-गोल घूम रही थी, शरीर को हिलाते हुए बियर पी रही थी, धुन को अपनी

हड्डियों में महसूस कर रही थी। शराब और लय आपस में घुलमिल गए, मुझे मदहोशी में ले गए और मैं बहकती चली गई। मैं तब तक नाचती रही जब तक गाना खत्म नहीं हो गया और माहौल शांत नहीं हो गया।
मैं घूमी और मेरी नज़र उसी आदमी पर पड़ी जिसने मुझे मुस्कुराकर देखा। मैंने भी उसे देखकर मुस्कुरा दिया, अपनी बीयर का गिलास उठाया और स्केटिंग करते हुए वापस अपनी सीट पर चली गई।
उस आदमी ने ज़रा भी देर नहीं की और जैसे ही मैंने साँस ली, वह मेरे पास आ गया। "वाह, क्या गजब का अंदाज़ है!" उसकी नज़रें एक पल के लिए मेरी छाती पर टिक गईं। "ठीक है, मैं सीधे मुद्दे पर आता हूँ और अपनी बात कह देता हूँ, क्योंकि तुम बहुत खूबसूरत हो। खैर, सपने देखने में क्या हर्ज़ है, है ना?"
“बोल दो।” मैं मुस्कुराया, उसके अजीब लेकिन प्यारे लहजे और सलीकेदार मूंछों से प्रभावित होकर। “मेरा नाम रूडी है, और मैं कोलोराडो का एक खेत मजदूर हूँ। मैं एक रिश्तेदार से मिलने शहर आया हूँ, और मुझे यह स्वीकार करने में बुरा लगता है, लेकिन मैं पिछले तीन सालों से अविवाहित हूँ।”
“उफ़, रूडी, इसके बाद बोलना मुश्किल होगा।” मैं हँसी, हम दोनों अपनी बीयर पीते हुए खिलखिला उठे। “ठीक है, देखते हैं। अब मेरी बारी।” मैंने अपनी मुद्रा सीधी की, अपने नाटकीय भाषण के लिए तैयार होते हुए। “मेरा नाम डेलाइला है, मैं एक बेरोज़गार स्थानीय महिला हूँ जिसने दूर भागने की कोशिश की, लेकिन ज़िंदगी ने मुझे वापस खींच लिया। मैं इस समय पानी से बाहर निकली मछली की तरह तड़प रही हूँ, और पिछले कई सालों में मेरे रिश्तों से जुड़ी एकमात्र चीज़ समुद्र तट पर हुए आकस्मिक संबंध रहे हैं।”
रूडी की भौंहें तन गईं, उसकी आँखें मुझे घूर रही थीं। "क्या तुम सच कह रहे हो?" मैंने सिर हिलाया, मेरे बाल मेरी नंगी बाहों पर लहरा रहे थे। "बिल्कुल।"
“धत् तेरे की! तुम जीत गई, डेलाइला।” हमने अपनी बीयर की बोतलें आपस में टकराईं और अपनी जिंदगी की उदासी पर हंसने लगे। जैसे ही उसने बीयर का एक घूंट लिया, उसकी नज़र मेरे पेट पर बने काटने के निशान पर पड़ी और वह अपना गिलास लगभग थूकने ही वाला था। “हे भगवान—माफ़ करना, मेरा मतलब अश्लील होना नहीं है, लेकिन...क्या ये शार्क का काटा है?” उसने मेरे धड़ की ओर इशारा करते हुए पूछा।
मैंने नीचे देखा, मैं पूरी तरह से भूल गया था कि यह मौजूद भी है। "ओह, हाँ।"
“माफ़ करना, लेकिन ये सब कैसे मिलता है?” मैं रुक गई, मुझे वो रात याद आ गई जब रीफ़ और मैं समुद्र में मिले थे। मेरी मुस्कान गायब हो गई और उदासी और तड़प का एहसास मुझ पर हावी हो गया। “अरे यार, मुझे माफ़ करना। मेरा मतलब दखल देना नहीं था।”
“नहीं, तुम ठीक हो।” मैंने अपनी बियर पकड़ी और उसे एक ही झटके में पी गई, रूडी मुझे देखकर प्रभावित हुआ। मैंने खाली कांच की बोतल पटक दी और उसकी तरफ मुड़ी। “क्या तुम यहाँ से जाना चाहते हो?” उसने पीछे मुड़कर देखा, उसका चेहरा

हैरानी से भर आया जब वह मेरी तरफ मुड़ा, और चुपचाप अपने आप की ओर इशारा करते हुए 'मैं' कहा। "हाँ, तुम," मैं खिलखिलाकर हँसी, एक साथ नशे में और उदास। "ओह श—हाँ। जी हाँ, कृपया।" वह बार स्टूल से उछलकर खड़ा हो गया और जब मैं लड़खड़ा गई और मेरे रोलरब्लेड लकड़ी के फर्श पर फिसलने लगे, तो उसने मुझे उठने में मदद की। "क्या आपको इन्हें उतार देना चाहिए, या आप ठीक हैं?" उसने मुझसे पूछा और मुझे दरवाजे तक ले गया।
"बाहर निकलते ही मैं इन्हें उतार दूंगी।"

रूडी और मैं बार के पीछे एक गली में घुस गए और पास की एक इमारत की ईंट की दीवार के सहारे एक-दूसरे को चूमने लगे। मैंने अपने रोलरब्लेड एक तरफ फेंक दिए और अपने पैर उसके चारों ओर लपेट लिए, जैसे ही उसने मुझे दीवार से सटा लिया। मैं मदहोश थी, मेरी त्वचा में आग सी लग रही थी, मैं छूने के लिए तड़प रही थी, अपनी कमर झुकाकर उम्मीद कर रही थी कि उसके हाथ रीफ के हाथों जितने ही अच्छे लगें। दुर्भाग्य से, रूडी के हाथ खुरदुरे और सूखे थे, मेरे स्तनों पर टटोलते हुए, मुझे वैसा सुख नहीं दे पाए। उसकी दयालुता ने यौन सुख की कमी को पूरा कर दिया, हालांकि मैं खुद को अपनी पुरानी दिनचर्या में वापस जाते हुए महसूस कर रही थी, और चाहती थी कि यह पल जल्दी खत्म हो जाए।
"लो।" मैंने अपने बाल एक तरफ हटाए। "मुझे काटो।" वह रुक गया और मेरी खुली गर्दन को घूरने लगा।
"क-क्या?" मुझे पता चल गया था कि वह मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा सीधा-सादा था।
"मुझे काटो। मतलब, अपने दांतों से।" मैंने अपना मुंह कसकर बंद कर लिया, यह दिखाते हुए कि मैं उससे क्या करवाना चाहता था।
रूडी हँसा, लेकिन मेरी तरफ देखते ही उसकी मुस्कान गायब हो गई। "अरे, रुको। क्या तुम सच में ऐसा कह रहे हो? मुझे माफ़ करना, लेकिन मुझे इन सब चीज़ों में ज़्यादा दिलचस्पी नहीं है।"
मैंने आह भरी और अपने पैर नीचे कर लिए। "ठीक है फिर।" मैंने उसे ऊपर से नीचे तक देखा और मुस्कुराते हुए उसकी काउबॉय टोपी छीनकर अपने सिर पर रख ली। "क्यों न तुम आराम से बैठ जाओ और मुझे एक असली काउगर्ल की तरह तुम पर सवारी करने दो?"
रूडी का चेहरा शर्म से लाल हो गया। "हाँ। मुझे नहीं लगता कि यह सब ठीक रहेगा।" उसने आह भरी और हाथ बढ़ाते हुए कहा, "क्यों न तुम मुझे टोपी वापस दे दो और बात यहीं खत्म कर दो, ठीक है?"

“सच में?” मैंने मासूमियत भरा ‘मुझे चोदो’ वाला नाटक बंद कर दिया।
“डेलीला, मेरी टोपी वापस दो,” रूडी ने गुस्से से कहा।
मैंने भौंहें चढ़ाते हुए अपनी पिछली जेब से बटरफ्लाई नाइफ निकाली और उसे हाथ में घुमाते हुए कहा, "तो फिर आकर ले जाओ, बहादुर आदमी!"
रूडी ने पलकें झपकाईं। "मुझे माफ़ करना, क्या तुम हिंसा का सहारा इसलिए ले रहे हो क्योंकि मैंने तुम्हारे यौन प्रस्तावों को ठुकरा दिया?"
मैंने उसके सवाल पर हंसते हुए कहा, "हे भगवान! तुम मर्द तो सच में सब एक जैसे हो! इधर-उधर धक्के खाते हो, औरतों को परेशान करते हो, हमें यौन वस्तु समझते हो, हमसे जब और जहां चाहो, सेक्स करने की मांग करते हो, और जैसे ही हम वो कर देते हैं, तुम भड़क उठते हो! कामुक होने में क्या बुराई है? मुझमें क्या बुराई है, रूडी?"
वह बेचैनी और पसीने से तरबतर होकर इधर-उधर घूमने लगा। "देखो, ऐसा लगता है कि तुम्हें कुछ गहरी समस्याओं को सुलझाना है, और मैं कोई परेशानी नहीं चाहता। तुम कुछ ज्यादा ही आक्रामक हो रहे हो, और इससे मुझे थोड़ी असहजता हो रही है —"
“तुम्हें असहजता हो रही है?” मैंने उपहास उड़ाते हुए कहा। “जैसे ही मैं उस बार में घुसी, मुझे महसूस हुआ कि तुम्हारी निगाहें मुझ पर टिकी हैं और मेरे शरीर को टटोल रही हैं,” मैंने गुर्राते हुए अपनी चाकू उसकी ओर तान दी।
"इस चाकू को नीचे रख दो!" वह चिल्लाया, उसका चेहरा लाल हो गया और माथे की नसें फूल गईं।
मैंने फुसफुसाते हुए कहा, "वो रहा।"
“तुम्हें पता है।” उसने नाक सिकोड़ी। “तुम बिलकुल पागल हो।” वह असहज होकर हँसा।
मैंने बच्चों जैसी आवाज़ में पूछा, "तुम ही तो मेरे पास आए थे और मुझे बहकाने की कोशिश की थी। असली पागल तो तुम हो?"
रूडी ने मेरे हाथ से बटरफ्लाई चाकू छीनने की कोशिश की, लेकिन मेरा वार चूक गया और मैंने उसकी हथेली पर वार कर दिया। ताज़े खून की गंध मेरी नाक में घुस गई और मैं उत्तेजित हो गया। "मुझे चाकू दो!" वह गुर्राया और दूसरी बार झपटा, लेकिन फिर भी चूक गया।
मैंने उसे चिढ़ाते हुए गाया, "बहुत धीमे हो।"
रूडी गुस्से से आग बबूला होकर मेरी ओर दौड़ा और मेरे हाथ से चाकू छीन लिया। उसने मेरी कलाई पकड़ी और मुझे ईंट की दीवार से ज़ोर से धक्का दिया, मेरी काउबॉय टोपी ज़मीन पर गिर गई और उसने अपनी बांह मेरी गर्दन पर दबा दी।
"जानते हो क्या, शायद तुम्हें अपनी इस पागलपन भरी सोच को तोड़ने की ज़रूरत है।" उसने मेरी कलाई छोड़ी और नीचे झुककर अपनी बेल्ट खोली।
“तुम क्या कर रहे हो?” मैंने पूछा, उसकी बांह के दबाव से मेरी आवाज कांप रही थी।
“बिल्कुल वही जो तुम मुझसे करने की भीख मांग रही थी।” मैं छटपटाने लगी, उससे

छूटने की बेताब कोशिश कर रही थी। मुझे अब उसकी ज़रूरत नहीं थी, और मैं बिल्कुल भी नहीं चाहती थी कि उसका लिंग मेरे अंदर जाए। “हिलना बंद करो!” उसने आदेश दिया।

“जाओ भाड़ में जाओ।” मैंने उसके अंडकोष पर जोर से लात मारी, जिससे वह दर्द से चीख उठा और मुझे छोड़ दिया।

रूडी घुटनों के बल गिर पड़ा, उसका ढीला लिंग उसकी जींस से लटक रहा था, जैसे ही वह मेरी रोलर ब्लेड्स के पहियों की ओर मुड़ा। उसकी नाक टूटने की आवाज़ मेरे कानों में गूंजी और उसका शरीर लुढ़क गया। क्रोध से भर कर मैंने उसे पीठ के बल पलट दिया, उसके बेजान शरीर पर सवार होकर, अपने स्केट के पहियों को उसके चेहरे पर बेरहमी से मारा, उसकी हड्डियों के चूर-चूर होने की आवाज़ें सुनता रहा। खून मेरे चेहरे पर फैल गया, उसकी गर्मी से मेरा शरीर गर्म हो गया और मैं चीखने लगा, बार-बार अपनी बाहें ऊपर उठाता रहा, पहियों को और गहरा मारता रहा जब तक कि उसका चेहरा सड़क पर गूदे के ढेर में तब्दील नहीं हो गया।

"भाड़ में जाओ!" मैंने गुस्से से कहा और अपने स्केट नीचे गिरा दिए। मेरे हाथ कांप रहे थे, एड्रेनालाईन और दहशत के कारण मेरी सांसें तेज चल रही थीं।

मैंने चारों ओर नज़र घुमाई, शुक्र है कि मेरा अपराध ताक-झांक करने वाली नज़रों से छिपा हुआ था, किसी का ध्यान उस पर नहीं गया था। मेरी नज़र पास ही पड़े मेरे चाकू से निकलती सूरज की धातु जैसी चमक पर पड़ी। तुम यहीं हो।

मैं रूडी के बेजान शरीर पर झुक गया, हाथ में चाकू कसकर पकड़े हुए, उसकी दयनीय हालत में पड़े लिंग को घूर रहा था। तुम मर्द नहीं हो। मैंने उसके ढीले लिंग को पकड़ा और उसे खींचने लगा, चाकू उसके मांस को चीरता हुआ उसके शव से उस बेकार, मांसल अंग को अलग कर रहा था, और हमारे चारों ओर फुटपाथ पर खून जमा हो रहा था।

मैंने रूडी के छोटे से लिंग को हाथ में पकड़ रखा था और उसे घूर रहा था, तभी पीछे से किसी के भौंकने की आवाज़ आई और मैं चौंक गया। मैंने मुड़कर देखा तो एक दुबला-पतला आवारा कुत्ता खून से सनी हवा को सूंघ रहा था और अपने होंठ चाट रहा था।

“क्या तुम्हें भूख लगी है?” मैंने मीठी, मासूम आवाज़ में पूछा। कुत्ता धीरे से रोया, मेरे पास आने में हिचकिचाते हुए मुझे घूर रहा था। “बेचारे, मुझे लगता है तुम भूख से मर रहे हो, है ना?” आवारा कुत्ता मेरे हाथ में मौजूद लिंग को घूरते हुए धीरे से बोला। मैंने नीचे देखा, तभी मेरे दिमाग में एक विचार आया। “क्या तुम इसे खाना चाहते हो?” कुत्ता भूख से बेहाल होकर भौंका। “लो।” मैंने लिंग उसकी तरफ फेंक दिया, मांस का वह टुकड़ा ज़मीन पर गिरते ही पिचक गया और लुढ़क गया। आवारा कुत्ता थककर, लेकिन खाने के लिए बेताब होकर धीरे-धीरे उस अंग की तरफ बढ़ा। “कोई बात नहीं, इससे तुम्हें कोई नुकसान नहीं होगा। अब और नहीं।” कुत्ता रूडी के लिंग की तरफ दौड़ा और खून चाटने लगा, रूडी के मांस का स्वाद चखते हुए। “शाबाश,” मैंने प्यार से कहा। मैं वहीं बैठा रहा, उस आवारा कुत्ते को लिंग खाते हुए देखता रहा, कुछ भी

नहीं छोड़ा, मांस का वह बेकार टुकड़ा उसकी भूख मिटा रहा था।
मैंने रूडी के पहचाने न जा सकने वाले चेहरे पर एक नज़र डाली और महसूस किया कि मुझे अपनी छाप छोड़ने के लिए एक नई जगह ढूंढनी होगी। मैंने अपनी लिपस्टिक निकाली, अपने होंठों को ताज़ा किया और फिर अनिच्छा से उसका हाथ अपने होंठों तक ले गई, कुछ पल रुककर यह सुनिश्चित किया कि सब कुछ एकदम सही हो।
“लो।” मैंने अपने काम की तारीफ़ करते हुए उसका हाथ प्यार से उसकी छाती पर रख दिया। “अब, अगर आप मुझे इजाज़त दें तो।” मैं खड़ी हुई, रूडी की काउबॉय टोपी छीनकर वापस अपने सिर पर रख ली। “मुझे एक असली मर्द चाहिए। ऐसा मर्द जो मुझे ज़बरदस्ती न करे और जिसका लिंग आपसे कहीं ज़्यादा अच्छा हो।” मैंने अपने स्केट और चाकू उठाए, मेरा नशा पूरी तरह उतर चुका था, और मैं गली से निकलकर समुद्र तट की ओर चल पड़ी।

मैं गुनगुनाते हुए, गर्म रेत पर पैर मारते हुए आगे बढ़ती रही, तभी मेरी नज़र उस पर पड़ी। मैं रुक गई, समझ नहीं पा रही थी कि जो मैंने देखा वो सच था या मेरा दिमाग सच में खराब हो गया था। रीफ मेरी तरफ मुड़ा और बोला, "क्या तुमने मुझे याद किया, बैराकुडा?" उसकी मुस्कान ने मेरा दिल पिघला दिया, मेरी उदासी दूर कर दी और मेरा मन प्रसन्न कर दिया। मैं भी मुस्कुराए बिना नहीं रह सकी।
मैं उसके पास गया और रेत के टीलों पर उसके बगल में बैठते हुए अपने स्केट्स नीचे रख दिए। हम दोनों चुपचाप बैठे रहे और ऊपर चमकते सूरज के बीच समुद्र को देखते रहे। "क्या मुझे खून की गंध आ रही है?" उसने पूछा, उसकी नज़र अभी भी पानी पर टिकी हुई थी।
“हाँ।” मैंने आह भरी। “मैंने अभी-अभी एक आदमी को मार डाला।” रीफ ने मेरी तरफ सिर घुमाया। “मैंने उसका लिंग भी काट दिया और उसे एक आवारा कुत्ते को खिला दिया। लेकिन चिंता मत करो, वह एक कमीना था,” मैंने उसे चिढ़ाया। मुझे पता था कि वह कभी मेरी बात पर विश्वास नहीं करेगा, और फिर भी, मुझे अजीब तरह से इतना सहज महसूस हो रहा था कि मैंने उसे सच बता दिया।
“मुझे लगता है कि दुनिया को सुरक्षित बनाने का यह एक तरीका है।” उसकी नज़रें फिर से पानी पर टिक गईं। “मुझे पता था कि तुममें कुछ खतरनाक बात है।”
मेरे होंठ हल्के से मुड़े, मैंने जबरदस्ती अपनी मुस्कान दबाई। मुझे यकीन नहीं था कि उसने सचमुच ऐसा कहा था या उसे मुझ पर विश्वास भी था, लेकिन इतनी गंभीर बात कबूल करने पर उसका इतना शांत जवाब मुझे सबसे ज्यादा तसल्ली देने वाला था।
"क्या तुम्हें डर नहीं लगता यह जानकर कि मैंने अभी-अभी किसी का खून किया है?" मैंने पूछा, और दूर कुछ मछली पकड़ने वाली नावों को इकट्ठा होते देखा।

“बिल्कुल नहीं। अगर किसी को डरना चाहिए, तो तुम्हें मुझसे डरना चाहिए।” उसने आँख मारी। “जब मैंने तुम्हें पहली बार देखा था, तभी मुझे पता चल गया था कि तुम एक हत्यारे हो।” मैं चौंक गई, क्योंकि मैं जानती थी कि वह मज़ाक नहीं कर रहा था, न ही मुझे चिढ़ा रहा था। वह पूरी तरह से गंभीर था।
“क-क्या?” मैंने पूछा।
रीफ ने मेरी तरफ देखा, मुस्कुराते हुए उसका जबड़ा कस गया। "मुझे तुम पर उस मरे हुए आदमी के खून की गंध आ रही थी।" भला वो ऐसा कैसे कर सकता है? "ओह, मैंने उस रात तुम्हारी हिंसा का स्वाद चखा था, बैराकुडा।" मैंने अपना चेहरा सिकोड़ लिया, असमंजस में उसे घूरता रहा, कुछ बोल नहीं पाया। "हत्या इंसान को बदल देती है। यह उसके खून को बदल देती है, उसे एक बहुत ही अनोखा स्वाद दे देती है, जिसे केवल कोई दूसरा शिकारी ही पहचान सकता है।"
“मैं इस समय सचमुच उलझन में हूँ।” रीफ जानता था कि मैं एक हत्यारा हूँ, लेकिन उसे इसका स्वाद कैसे पता चला? उसने कभी मेरे खून का स्वाद नहीं चखा था।
रीफ ने मेरे शार्क के काटने के निशान की ओर इशारा करते हुए पूछा, "तुम्हें क्या लगता है कि तुम्हें यह निशान किसने लगाया?"
मैं उसकी बात समझने की कोशिश करते हुए ज़ोर से हंस पड़ा। “उस रात हमने कुछ पागलपन भरी हरकतें कीं, मैं मानता हूँ, लेकिन ये तुमने नहीं कीं। एक शार्क ने मुझ पर हमला किया, रीफ। एक शार्क।”
वह मुस्कुराता रहा और सिर हिलाता रहा। "मुझे पता है। और मैंने तुम पर हमला नहीं किया। मैंने तुम्हें अपना बनाया है।"
मैं बस एक खामोश सांस ले पाया, मेरा मुंह खुला रह गया और मैं हैरानी भरी निगाहों से उसे देखता रहा। क्या रीफ सचमुच यहाँ बैठा है और खुद को शार्क बता रहा है? एक भयानक शार्क? और वो भी कोई आम शार्क नहीं, बल्कि वो जिसने कई लोगों को मारा है? ये तो मजाक ही होगा। पक्का मजाक ही होगा। उसकी कही कोई भी बात सच नहीं हो सकती।
“मुझे पता है,” उसने कहा। “यह पागलपन लगता है। बिलकुल पागलपन।” उसने वापस समुद्र की ओर देखा, और सूरज को धीरे-धीरे ढलते हुए देखा, जिसकी सुनहरी रोशनी समुद्र तट पर फैल रही थी। मेरी नज़र उसके चेहरे के भावों पर पड़ी, और मैंने देखा कि वह कितना गंभीर था।
“मुझे इससे भी बुरी बातें कही गई हैं,” मैंने फुसफुसाते हुए कहा। रीफ मुड़ा और मुझे कोमल, चंचल नज़रों से देखने लगा। “बस—” मैंने अपनी बात अधूरी छोड़ दी, यह समझने की कोशिश करते हुए कि उसने जो कहा वह कैसे संभव है। “खैर, किसी लगभग असंभव चीज़ पर विश्वास करना थोड़ा मुश्किल है।”
वह मुस्कुराया और चारों ओर देखने के बाद उसकी नज़रें मुझ पर टिक गईं। "तो फिर, मैं आपको दिखाता हूँ।"
“तुम्हारा मतलब—” मैं रुक गई, उसकी खूबसूरती को निहारते हुए, उसके इस साहसी बयान से मंत्रमुग्ध और उत्सुक हो गई। “तुम मुझे दिखा सकते हो...कि तुम

एक शार्क हो?” मैंने घबराकर हंसते हुए धीरे से ये शब्द कहे।
रीफ खड़ा हुआ और उसने मेरी ओर हाथ बढ़ाया। मैं उसे घूरती रही, अपनी समझदारी पर विचार करती रही। उसने अपनी उंगलियां हिलाईं और सिर झुकाते हुए मुस्कुराया। “चलो, बैराकुडा। तुम बहुत देर से अंधेरे में पैर रख रही हो, हिचकिचा रही हो। क्यों न अब छलांग लगाओ और अंधेरे में गोता लगाओ? मेरे साथ आओ।” उसने धीरे से मेरा हाथ पकड़ा और मुझे खड़ा कर दिया। मैं रेत में लड़खड़ा गई और उसकी नंगी छाती से जा टकराई, मेरे हाथ उसकी मांसपेशियों में धंस गए। सूर्यास्त की गर्म, सुनहरी किरणें उसकी त्वचा पर पड़ रही थीं, उसे एक जलती हुई रोशनी में नहला रही थीं, मानो मेरे सामने कोई कांस्य देवता हो। मैं वहीं खड़ी रही, उसकी गहरी आँखों में देखती रही, मैंने अपना मुंह बंद कर लिया था। रीफ ने मेरे बालों को मेरे कान के पीछे किया। “तुम्हारी आँखें मुझे तूफान के बाद समुद्र की याद दिलाती हैं, जब आसमान बादलों से घिरा होता है और धूल भरे नीले रंग में डूबा होता है जो अराजक नीली-हरी लहरों में पूरी तरह से घुलमिल जाता है। खतरनाक फिर भी सुंदर।”
मेरे गाल लाल हो गए, जिससे मेरे भाव स्पष्ट हो गए। "मुझे यकीन है कि आप सभी महिलाओं से यही कहते हैं।" मेरी उंगली ने उसकी त्वचा पर बने पारंपरिक आदिवासी टैटू को छुआ।
उसने मेरी ठुड्डी पकड़कर उसे अपनी ओर उठाया। "सिर्फ़ तुम, बैराकुडा।" उसकी बातों से मेरी आँखें चमक उठीं। "अंधेरे में मेरे साथ चलने को तैयार हो?" मैंने धीरे से सिर हिलाया, जितना हो सके उसके साथ रहना चाहती थी। "ठीक है, तो मेरे पीछे आओ।" उसने आँख मारी और मेरा चेहरा छोड़ दिया।

रीफ़ मुझे चुपचाप समुद्र के एक उथले हिस्से में ले गया, जो गोल्डन कोस्ट के अधिकांश निवासियों से दूर, ऊंचे, सुनसान घाट के नीचे एकांत में स्थित था। मैं पहले कभी इतनी दूर नहीं गया था, आसपास का वातावरण मेरे लिए बिल्कुल नया था। छोटी सी खाड़ी शांत और निर्मल थी, मानो इंसानों ने उसे भुला दिया हो। "यह जगह क्या है?" मैंने उससे पूछा, और खड़ी ढलान से नीचे उतरते हुए, अंधेरी चट्टानों पर कदम रखते हुए उसके पीछे-पीछे चलने लगा।
रीफ ने आखिरी हिस्से में मेरी मदद की, हम दोनों अब पानी के किनारे खड़े थे। "यह," उसने समुद्र की ओर हाथ हिलाते हुए कहा, "मेरी जगह है।"
मैंने खूबसूरत, रत्न जैसे रंग के पानी पर एक नज़र डाली और हल्की लहरों को गर्म रेत पर आते हुए सुना। जैसे ही मैंने दूर तक देखा, मुझे पानी में कई गहरे रंग के पिंड तैरते हुए दिखाई दिए। मैंने रीफ का हाथ कसकर पकड़ लिया, मुझे थोड़ी घबराहट होने लगी। "क्या ये—"
“शार्क?” उसने मेरी ओर देखते हुए मुस्कुराते हुए कहा। “जी हाँ, बिल्कुल।” उसने मेरे

हाथ के ऊपरी हिस्से को चूमा और फिर उसे अपनी बांह से हटाकर आगे बढ़ते हुए पानी में और गहराई तक चला गया।
“रीफ, क्या तुम पागल हो गए हो? वहाँ से निकल जाओ!” वह घबरा क्यों नहीं रहा था?
“आराम करो।” वह हँसा, पानी उसकी कमर तक था। शार्क उसके चारों ओर मंडराने लगीं, उसकी ओर तैरने लगीं और वह उनकी पीठ ऐसे सहलाने लगा जैसे वे कोई पालतू जानवर हों। “ये ब्लैकटिप शार्क किसी को नुकसान नहीं पहुँचाएँगी। और वे जानती हैं कि मैं उन्हें चोट नहीं पहुँचाऊँगा।” उसे वहाँ खड़े होकर दर्जनों शार्क को सहलाते हुए, बिना विचलित हुए देखना मुझे आश्चर्यचकित कर गया।
मैंने अपने पैरों की तरफ देखा, पानी मेरी उंगलियों को छू रहा था। शायद रीफ सही कह रहा था। शायद मुझे बस सीधे पानी में कूद जाना चाहिए और अंधेरे को मुझे अपने अंदर समा लेने देना चाहिए। मैंने गहरी सांस ली, काउबॉय हैट और स्केट एक तरफ फेंक दिए, और आगे बढ़ा, अपनी सहज प्रवृत्ति को हावी होने दिया और धीरे-धीरे गर्म पानी में और आगे बढ़ता गया। रीफ ने ऊपर देखा, मुझे अपनी तरफ आते देखकर वह खुश हुआ। उसने अपना हाथ बढ़ाया और मेरी मदद की, जैसे ही मेरा शरीर शार्क से बचते हुए आगे बढ़ा, उनकी पूंछें मेरे धड़ और पैरों से टकराईं और मैं उसकी बाहों में कूद गया।
“देखा?” उसने मुझे कसकर पकड़ लिया, मानो किसी वास्तविक खतरे के न होने के बावजूद मेरी रक्षा कर रहा हो। “हानिरहित।” मैंने गहरे रंग की शार्क मछलियों को हमारे शरीर के चारों ओर चक्कर लगाते और तैरते देखा, मानो वे बस थोड़ा सा प्यार और ध्यान मांग रही हों। मैंने सावधानी से अपने पैर नीचे किए और अपना हाथ आगे बढ़ाया। एक शार्क मेरी खुली हथेली से छू गई, उसका ऊपरी पंख मुझे चौंका गया और मैं चीख पड़ी। रीफ हँसा, अपना हाथ मेरे हाथ के ऊपर रखा और उसे पानी में धकेल दिया, तभी एक और शार्क मेरे स्पर्श के नीचे से सरक गई। मैं हँस पड़ी, उस जादुई पल से रोमांचित और अभिभूत थी। शायद शार्क मक्खियाँ उतनी डरावनी नहीं होतीं जितना सब मानते हैं।
रीफ के शरीर का मेरे शरीर से सटा होना और शार्क के झुंड के बीच खड़े होने का रोमांच, दोनों मिलकर मुझे उत्तेजित कर रहे थे। एड्रेनालाईन और उत्साह मेरी नसों में एक साथ उमड़ रहे थे। मैंने अपनी भावनाओं को काबू में करने की कोशिश की, गला साफ किया और अपना हाथ उसके हाथ से छुड़ा लिया। "तो, क्या यही तुम्हारा मतलब था जब तुमने कहा था कि तुम एक शार्क हो?" मैंने उसे छेड़ा। मैं उसकी ओर मुड़ी, उसके अति उत्साहित चेहरे को देखकर मैं हैरान थी। "क्या?" मैंने पूछा।
रीफ ने मेरा चेहरा पकड़ लिया, मुझे कसकर थामे रखा, और हमारे पीछे सूरज डूब रहा था। "मैं तुम्हें दिखाऊंगा, लेकिन मुझसे वादा करो कि तुम चीखोगी नहीं।" मैंने अपनी हंसी रोकी, अपने होंठ दबाए, मुझे याद आया कि उसने मुझसे पहले भी यही पूछा था। "मैं सच कह रहा हूँ, डेलाइला।" मेरे नाम की ध्वनि उसके होठों से इतनी खूबसूरती से निकली कि मेरा दिल उछल पड़ा। "बस मुझसे वादा करो।"

मैंने सिर हिलाया। "मैं वादा करता हूँ।"
उसने मेरा चेहरा छोड़ दिया और समुद्र में और आगे बढ़ने लगा, पानी में गोता लगाते हुए। मैं वहाँ अवाक खड़ा रहा, दर्जनों शार्क से घिरा हुआ, रीफ के दोबारा सतह पर आने का इंतजार करता रहा।
“ठीक है, रीफ़,” मैं हँसते हुए उस जगह को घूरने लगी जहाँ वह डूबा हुआ था। पानी शांत होने लगा, मतलब वह अब वहाँ नहीं था। मेरी मुस्कान तुरंत गायब हो गई।
“रीफ़?” ब्लैकटिप शार्क सब इधर-उधर बिखर गईं, मुझे अकेला छोड़कर, मानो किसी चीज़ ने उन्हें चौंका दिया हो। डर और चिंता मेरी रीढ़ की हड्डी में धीरे-धीरे दौड़ने लगी, मैं जम सी गई, समझ नहीं पा रही थी कि क्या हो रहा है, कोई मुझे देख रहा है, यह एहसास मेरे कंधों पर भारी पड़ रहा था। “रीफ़!” मैंने उसे पानी में बेताब होकर ढूँढ़ते हुए पुकारा।
सूरज धीरे-धीरे क्षितिज के पीछे छिपने लगा, जिससे मेरे आस-पास का पानी गहरा होता चला गया। मैंने दूर से एक बड़ी परछाई को हिलते हुए देखा, जो मेरी ओर बढ़ते हुए बड़ी होती जा रही थी। पहले तो मुझे लगा कि यह कोई और ब्लैकटिप शार्क है, जो बाकी शार्क की तरह मेरा अभिवादन करने के लिए तैर रही है, लेकिन जैसे-जैसे वह करीब आई, उसके विशाल आकार ने मुझे बता दिया कि यह कुछ और है। कुछ बड़ा।
पानी की सतह से काला पंख फूट निकला, जिससे मेरा शक पुख्ता हो गया क्योंकि विशालकाय ग्रेट व्हाइट शार्क मेरी ओर तैरती हुई आ रही थी। मैं डर से पीछे हट गई, मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था। नहीं! मैं घबरा गई और भागने के लिए मुड़ी, लेकिन मेरे पैर लड़खड़ा गए और मैं आगे की ओर गिर पड़ी, मुंह के बल पानी में जा गिरी। खारे पानी से जलती मेरी आँखें अचानक खुल गईं और मैं घूम कर उस विशाल शार्क को घूरने लगा। वह मेरे चारों ओर चक्कर लगा रही थी, उसका पेट समुद्र तल से रगड़ खा रहा था। मैं उसे देखता रहा और उठने की कोशिश करता रहा, तभी वह मेरे धड़ से छू गई और मुझे उठने में मदद की। पानी से बाहर आते ही मैंने ज़ोर से साँस ली, हवा के लिए हाँफते हुए अपने चेहरे से बाल हटाए। शार्क मुझसे टकराई और लगभग मुझे गिरा ही दिया, फिर भी वह मेरे चारों ओर चक्कर लगाती रही, लेकिन उसने मुझ पर हमला नहीं किया।
जैसे ही मुझे एहसास हुआ कि शार्क मुझे कोई नुकसान नहीं पहुँचाना चाहती, ठीक वैसे ही जैसे पहले छोटी शार्क ने किया था, मेरा डर और घबराहट धीरे-धीरे कम होने लगी। मैंने कांपते हुए अपना हाथ पानी में डाला, मानो उस विशाल मछली को अपने पास बुला रही हो। "कृपया मुझे मत काटो," मैंने धीरे से कहा, खुद को स्थिर रखने की कोशिश करते हुए। शार्क मुड़ी और सीधे मेरे हाथ की ओर बढ़ी। "कृपया मुझे मत काटो!" उसने अपना मुँह थोड़ा सा खोला और मेरे करीब आने लगी। "नहीं!" मैं चिल्लाई, अपनी आँखें बंद कर लीं, हमले के लिए तैयार होते हुए, मेरा हाथ वहीं स्थिर हो गया।
मेरी खुली हथेली पर कुछ चिकना-सा सा फिसल गया, हाथ से होते हुए। मैंने एक

आँख खोली और नीचे देखा तो शार्क मेरे हाथ पर रेंग रही थी। उसकी पूंछ ने मेरे हाथ पर ज़ोर से मारा, जिससे पानी मेरे चेहरे पर उछल गया और मुझे हंसी आ गई। उसने मुझ पर हमला नहीं किया। उसने मुझ पर हमला नहीं किया! मेरा हाथ वहीं पानी में तैरता रहा, तभी शार्क वापस आई और दूसरी बार उस पर रेंगने लगी। "रुको।" मैंने मछली को तैरते हुए देखा। "रीफ़?"

शार्क ने मुझे फिर ज़ोर से धक्का दिया और मैं पानी में गिर गया। मैंने उसे घूरकर देखा, अपना हाथ आगे बढ़ाया और उंगलियाँ उसके शरीर पर फिराईं, उसकी काली त्वचा पर स्याही से बने काले निशानों को देखा। मैं उन निशानों को पहचान गया था। यह वही था। रीफ़।

मैं सतह पर उछल पड़ा, साँस ले रहा था कि रीफ़ ने धीरे से अपने जबड़ों से मेरे धड़ को जकड़ लिया और मुझे ज़बरदस्ती पानी में खींच लिया। मैं देखता रहा, उसकी सहनशक्ति की प्रशंसा करता रहा, जब उसके दाँत मेरे पेट पर शार्क के काटने के निशान से बिल्कुल मेल खा रहे थे, और उसने मुझे अपने मुँह में थामे रखा था। यह वही था, रीफ़। वही शार्क जिसने मुझे काटा था, जिसने मुझ पर निशान लगाया था, जिसने मुझे अपना बना लिया था।

रीफ ने अपनी गति बढ़ा दी और मुझे समुद्र में और आगे ले जाने लगा। मैंने अपना सारा नियंत्रण छोड़ दिया और उसके मुँह में ही रही, मेरे हाथ-पैर उसके सिर की ओर मुड़े हुए थे, मैं उसे कसकर पकड़े हुए थी। वह डूबते सूरज की आखिरी किरणों से जगमगाते पानी के एक खाली हिस्से की ओर तैरा, फिर धीरे-धीरे सतह की ओर उठा और धीरे से पानी को चीरते हुए बाहर आया ताकि मैं साँस ले सकूँ। मैंने साँस ली, हल्की साँस फूलते हुए उसकी नाक को छुआ। जैसे ही मैंने आखिरी बार साँस ली, रीफ ने मुझे वापस समुद्र में खींच लिया और अपने मुँह से छोड़ दिया। मेरी बाहें झूलने लगीं, जिससे मेरा शरीर पानी में तैरने लगा, जबकि वह मेरे चारों ओर तैरता रहा। मैं उसे देखती रही, वह अपनी कलाबाज़ी दिखा रहा था, मुस्कुरा रहा था और मेरे मुँह से बुलबुले निकल रहे थे। शार्क होने के बावजूद भी वह खूबसूरत था।

सूरज की रोशनी में मेरे बाल चमक रहे थे, जिससे मेरा शरीर गर्म हो रहा था और मैं धीरे-धीरे ठंडे पानी में डूब रही थी। कुछ मछलियाँ तैरती हुई दिख रही थीं, उनकी खाल सुनहरी किरणों को प्रतिबिंबित कर रही थी, मानो रात में जलते हुए तारे हों। मैंने हाथ बढ़ाकर उन्हें धीरे से छुआ और जब वे मेरे स्पर्श से दूर भागीं तो मैं खिलखिला उठी। पहले वाली ब्लैकटिप शार्क धीरे-धीरे मेरे पास आने लगीं और रीफ की तरह मेरे शरीर के चारों ओर चक्कर लगाने लगीं। मेरे फेफड़ों में दर्द होने लगा, हवा के लिए तड़पने लगी, लेकिन मैं सतह से बहुत दूर थी। मेरा चेहरा उतर गया, मैं ऊपर की ओर देख रही थी क्योंकि सूरज पूरी तरह से रात में डूबने लगा था, पानी में अपने पंजे मार रही थी, बेताब होकर बाहर निकलने की कोशिश कर रही थी। मेरा दिल दर्द से धड़क रहा था, मैं पानी में लात मार रही थी और उसका नाम पुकार रही थी। रीफ मेरी ओर दौड़ा, तेज़ी से तैरा और मुझे सतह पर लाने में मदद की।

मुझे खांसी और उल्टी जैसा महसूस हुआ, नमकीन हवा मेरे सीने में भर गई। मैंने गहरी

सांस ली, हांफते हुए मेरा शरीर आगे की ओर गिर पड़ा और मैं रीफ की पीठ पर जा गिरा। मैं उसके ऊपर लिपट गया, जैसे ही वह लहरों पर धीरे-धीरे आगे बढ़ा, मुझे थोड़ी देर आराम करने का मौका मिला। मेरा चेहरा आगे की ओर झुक गया, मेरी उंगलियां उसके ऊपरी पंख को सहारा देने के लिए लिपट गईं और मैंने उसकी चिकनी त्वचा पर सांस ली। "तुम बहुत खूबसूरत हो, रीफ," मैंने भारी सांसों के बीच फुसफुसाया। मैंने उसकी त्वचा को चूमा और अपना सिर नीचे रख दिया, जैसे ही वह धीरे-धीरे खाड़ी की ओर तैरने लगा। "बहुत खूबसूरत।"

रीफ़ धीमा हो गया, जिससे मुझे उसकी पीठ से फिसलकर खाड़ी के उथले हिस्से में जाने का मौका मिल गया। मैं वापस पानी में चलने लगा और उसे मुड़ते और तैरते हुए अंधेरे में गायब होते हुए देखता रहा। मैंने बोलने की कोशिश की, लेकिन मेरा ध्यान अभी भी अपनी साँसों को शांत करने पर था। मैं पीछे हटकर रेतीले किनारे की ओर चलने लगा, घुटनों के बल गिर पड़ा और पीठ के बल लेट गया। आसमान पूरी तरह से रात में बदल चुका था, तारे उसके कालेपन में चमक रहे थे, समुद्र में मछलियों के चमकदार शल्कों की तरह जगमगा रहे थे। रीफ़ एक शार्क है। मैं इस बात को बार-बार अपने मन में दोहराता रहा, सच्चाई से हैरान और स्तब्ध।

कुछ ही दूरी पर पानी के छपछपाने की आवाज़ आ रही थी, जिससे मुझे उसकी मौजूदगी का एहसास हुआ। वह समुद्र से बाहर आया, पानी में भीगा हुआ, साँस लेते हुए मुझे देख रहा था। मैंने उसे प्यारी सी मुस्कान दी, मेरी निगाहें उसके शरीर पर टिकी थीं जैसे ही वह मेरे करीब आया, मैं उसके शानदार शरीर की प्रशंसा कर रही थी। मैं हवा में वासना महसूस कर सकती थी, जो और भी तीव्र हो गई जब वह घुटनों के बल बैठा और मेरे ऊपर रेंगने लगा, समुद्र का पानी मेरे शरीर पर टपक रहा था। मेरे पैर अनायास ही उसे थाम लेते हुए उसकी कमर में लिपट गए, जबकि उसकी बाहों ने मेरी बाहों को रेत पर दबा दिया। "तुम," उसने मेरी आँखों में देखते हुए धीमी आवाज़ में कहा, "बहुत खूबसूरत हो।" मेरी आँखों में पानी आ गया। जिस तरह से वह मुझे देख रहा था, उसका दिल मेरे साथ धड़क रहा था—ऐसा अनुभव मैंने पहले कभी नहीं किया था, ऐसा अनुभव जिसे मैं कभी खोना नहीं चाहती थी। "जिस पल मैंने तुम्हें काटा, तुम्हें अपना बनाया, उसी पल मुझे पता चल गया था कि तुममें कुछ खास है, दलिहा।" उसने गहरी साँस ली। "और अभी मैं बस यही चाहता हूँ कि तुम्हारा शरीर मेरे शरीर पर हो, तुम्हारी चीखें सुनूँ, तुम्हें तब तक काटूँ जब तक तुम्हारे मुँह से खून न निकल जाए और अपनी इच्छाओं को शांत करूँ। मैं तुम्हें पाने के लिए तरस रहा हूँ।" मैंने अपना माथा उसके माथे से सटा दिया। “तो करो,” मैंने फुसफुसाते हुए कहा। “मुझे काटो। हिम्मत है तो।”

जैसे ही मेरा सिर रेत पर टिका, रीफ का सिर ऊपर उठा। वह मुस्कुराया, उसका जबड़ा कस गया और उसकी उंगलियां मेरी उंगलियों से उलझ गईं। वह आगे झुका और मुझे बेतहाशा चूमने लगा, हमारी कोमल आहें आपस में घुलमिल गईं। उसका मुंह मेरे मुंह से नीचे आया, मेरी त्वचा को चूमता हुआ मेरी गर्दन तक पहुंचा। उसने अपना जबड़ा खोला और मेरी त्वचा पर काट लिया। मेरा शरीर झुक गया, सुखद दर्द से हांफते हुए,

उसके दांतों पर और झुक गया। उसने और जोर से दबाया, फिर पीछे हटकर मुझे चूमना जारी रखा। उसके होंठ मेरी छाती के ऊपर की खुली त्वचा पर पहुंचे और उसने अपना मुंह चौड़ा करते हुए मुझे फिर से काटा, इस बार और जोर से। उसके दांतों ने मेरे मांस को भेद दिया, मेरी नसें सतह के नीचे फट गईं और खून की कुछ छोटी बूंदें बनकर उसके मुंह में गिर गईं। उसने काटने के निशान को चाटा, उसकी जीभ मेरे शरीर पर घूमती हुई मेरी बगल के ठीक हो रहे घाव तक पहुंची। उसका निशान। रीफ ने अपनी जीभ से अपने दांतों के कई घावों को सहलाया, उन्हें कामुकता से छूते हुए। मेरी बाहें तन गईं, उसकी ताकत से लड़ते हुए जब उसने मुझे रेत पर दबा दिया। मैं उस पर झपटना चाहती थी और उसके शरीर के हर हिस्से को महसूस करना चाहती थी, उसकी अनंत पूजा करना चाहती थी। "आज रात नहीं," उसने मेरे पेट पर बोलते हुए कहा, मेरे हाथों को मेरी बगल में खींचते हुए, जो अभी भी मजबूती से उसके हाथों में जकड़े हुए थे।

“क्या?” मैंने सिर उठाकर हैरानी से पूछा।

“आज रात।” उसने मेरी ओर घूरते हुए, मेरे पेट के निचले हिस्से को चूमते हुए मुस्कुराते हुए कहा, “मैं तुम पर ध्यान दे रहा हूँ।” उसने मेरे हाथ छोड़ दिए, मेरे शॉर्ट्स और लॉन्जरी उतार दिए, और मेरी जांघों को पकड़ लिया, उसके नाखून हल्के से मेरी त्वचा में चुभ रहे थे। रीफ ने अपना चेहरा मेरी टांगों के बीच रखा, मेरी भीतरी जांघ को चूमा, और अपनी जीभ मेरी त्वचा पर फेर दी। मैंने रेत को अपनी उंगलियों के बीच दबा लिया, और उसके स्पर्श का आनंद लिया। उसने अपना मुंह खोला, और मेरी भीतरी जांघ को काट लिया, जिससे मैं उछल पड़ी और एक हल्की सी सिसकी भरी। वह हँसा, उसकी गर्म साँसें मेरे शरीर के बीचोंबीच नाच रही थीं, और उसने बिना समय बर्बाद किए मेरी क्लिट को हल्के से सहलाया, उसे सही मात्रा में बल के साथ गोल-गोल घुमाया। उसने मेरी टांगें ऊपर उठाईं, उन्हें अपने कंधों पर रख लिया और मेरी कमर पकड़कर मुझे अपनी ओर खींच लिया।

रीफ की जीभ मेरे मध्य भाग पर फिरी, मेरी बढ़ती हुई नमी को चाटती हुई। मेरी आहें बेकाबू हो गईं, मेरे फेफड़ों में गूंज उठीं। "हाँ, बिल्कुल," वह कराहते हुए बोला, और तुरंत ही ज़ोर से मेरे अंदर घुस गया। "अच्छी लड़की बनो और मुझे अपने आनंद में डुबो दो।" वह और गहराई तक धकेलने लगा, अपनी गति तेज़ करते हुए।

“ओह, धिक्कार है। नहीं,” मैं कराह उठी, अपने चरम सुख को रोक नहीं पा रही थी, मेरी जांघें उसकी गर्दन के चारों ओर कस गईं, निचोड़ती गईं, जैसे ही वह मेरे ऊपर छा गया, मुझे ज़ोर से चरम सुख प्राप्त करने के लिए मजबूर कर दिया। “नहीं!” मैं चीख पड़ी, झटके से, मेरा शरीर उसकी जीभ के चारों ओर जकड़ गया, सिकुड़ता गया और मैंने उसका चेहरा भिगो दिया। वह जारी रहा, मुझे उत्सुकता से अपने वश में कर रहा था जबकि मैं कराह रही थी, उसकी जीभ के हर स्पर्श से सिहर रही थी, मेरा दिल आनंद से फट रहा था। “रुको मत,” मैं स्वार्थी होकर चिल्लाई, और अधिक चाहती थी। “प्लीज़, रीफ़। रुको मत।” मेरी उंगलियों ने उसके बालों को खींचा, उसे और करीब खींच लिया।

रीफ ने अपनी जीभ को आगे बढ़ाते हुए गुर्राते हुए कहा, "मैं तुम्हारा एक-एक कतरा खा जाऊंगा।"
हाँ।

सात

दलीला

रीफ के साथ बिताई रात के बाद मेरा शरीर दर्द से भरा हुआ था। शहर में स्केटिंग करना कोई आदर्श विकल्प तो नहीं था, लेकिन चेरी को आखिरकार छुट्टी मिल गई थी और उसे काम से एक ज़रूरी आराम मिलना चाहिए था। हमने सुबह गोल्डन कोस्ट में छोटे शॉर्ट्स और हॉल्टर टॉप पहनकर स्केटिंग की थी और गर्मी के मौसम का आनंद लिया था। बाहर निकलना, ताज़ी हवा में सांस लेना और पल-पल जीना बहुत अच्छा लगा। जीवन में पहली बार, मैंने सचमुच ज़िंदा होने का एहसास किया।
“ठीक है, सेक्स इतना अच्छा तो नहीं हो सकता।” वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और मेरी उस मुस्कान की ओर इशारा किया जो पूरे दिन मेरे चेहरे से नहीं हटी थी। मैं उसकी तरफ देखकर हंसने लगी और हम एक बेंच पर बैठकर आइसक्रीम खाने लगे। मैंने अपनी उंगली व्हिप्ड क्रीम के बीच से घुमाई और उसे चूसते हुए अपनी भौंहें ऊपर उठाईं और मुंह बनाया। “सच में?” वह चौंककर बोली, प्रभावित होकर। “वाह, लड़की, इसे जाने मत देना।” हम हंसते हुए अपनी मिठाई खा रहे थे कि अचानक डेल और मेरे पिताजी आ गए और हमारा खुशनुमा माहौल खराब कर दिया।
“वाह, सच में। आखिरकार आपको बीच से दूर देखकर अच्छा लगा।” मेरी मुस्कान तुरंत गायब हो गई। मेरे पिता की नज़रें मेरी गर्दन पर टिक गईं। “ये क्या है?” उन्होंने रीफ़ के काटने के निशान की ओर इशारा करते हुए पूछा, जो अभी भी लाल था और मेरी त्वचा पर दिख रहा था। मैंने जल्दी से अपने बाल आगे किए, तभी चेरी ने गला साफ़ किया और बोलना शुरू किया।
“आप यहाँ क्या कर रहे हैं, चीफ? मुझे लगा था कि आप आज फिर से स्थानीय मछुआरों से मिलने जा रहे हैं?”
जब मेरे पिताजी ने आह भरी और डेल की बातों पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित किया, तो डेल हल्के से हँस पड़ी। “हाँ, मैं ही थी। एक आदमी का दावा है कि उसने कुछ मील दूर एक शार्क पकड़ी है, इसलिए हम उसे देखने जा रहे हैं।” यह सुनकर मेरा पेट में अजीब सा महसूस हुआ।
“उम्मीद मत कीजिए, देवियों,” डेल ने चिढ़कर कहा। “मैं अभी चीफ बेली से कह ही रहा था कि मुझे नहीं लगता कि यह हमारी खूंखार शार्क है।” मैंने राहत की सांस ली।
"क्यों नहीं?" चेरी ने सचमुच उत्सुकता से पूछा।
मुझे महसूस हो गया कि डेल उसकी आवाज़ से ही चिढ़ गया था, उसके लैंगिक

भेदभाव वाले विचार खुलकर सामने आ गए थे। "हमारी शार्क इतनी चालाक है कि पकड़ी नहीं जा सकती। ऐसा हो ही नहीं सकता कि—"
“तुम।” हम सबने मुड़कर देखा तो एक लाल आँखों वाली औरत सीधे मेरी तरफ इशारा कर रही थी। वह उस आदमी की प्रेमिका थी जिस पर बीच पर हमला हुआ था।
“तुम!” वह चिल्लाई और मेरी तरफ दौड़ते हुए अपनी गति बढ़ा दी। इससे पहले कि कोई कुछ कर पाता, उस औरत ने मुझ पर मुक्का मारा और मेरी आइसक्रीम मेरे हाथ से छूट गई और मैं चेरी की गोद में गिर गया। “कमीनी कुतिया!” वह औरत रोती-चिल्लाती रही जबकि मेरे पिताजी उसे रोकने की कोशिश कर रहे थे।
“अरे!” उसने चिल्लाते हुए उसकी ओर बढ़ते हुए कहा। “क्यों न हम कहीं और जाकर अकेले में बात करें?”
“उस कमीनी की वजह से ही मेरा ली मरा है!” वह उसकी बाहों में गिर पड़ी और गुस्से में मुट्ठियों से उसकी छाती पर वार करने लगी।
“चीफ, आप इसे यहाँ से बाहर निकाल दें तो बेहतर होगा, क्योंकि आज मेरी छुट्टी है, और मैं लड़ाई करने से नहीं डरती!” चेरी गुस्से से भड़क उठी।
“नहीं, कोई बात नहीं, चेरी!” महिला के सिसकने पर वह लड़खड़ाते हुए बोला। “मैं इसे संभाल लूंगा। डेल, मैं तुमसे बंदरगाह पर मिलूंगा।” उसने महिला को चुप कराया और वे धीरे-धीरे आगे बढ़ गए, राहगीर उन्हें घूर रहे थे, सोच रहे थे कि आखिर हुआ क्या।
चेरी ने मेरे सूजे हुए गाल को अपने हाथों से टटोला, उसकी उंगलियों के बीच आइसक्रीम दबी हुई थी। मैं गुस्से को काबू में रखते हुए उठा। "अरे यार, यहाँ तो पक्का निशान पड़ जाएगा। चलो, मैं तुम्हारे लिए बर्फ लाती हूँ!" वह खड़ी हुई और जल्दी से स्केटिंग करते हुए चली गई, अपनी आइसक्रीम कूड़ेदान में फेंक दी।
मेरी उंगलियाँ मेरे गाल पर थपथपा रही थीं, दर्द हो रहा था बस छूने भर से। धिक्कार है। डेल ने सिर हिलाया और धीरे से हँसा। "तुम हमेशा से लोगों को अपने वश में करना जानती थी, डेलाइला।" मैंने उसके पैरों पर थूका, खून मेरे थूक में मिल गया। उसने मुझे घूरा, उसके चेहरे पर उदासी छा गई। "तुम्हें खून बहते देखना अच्छा लग रहा है। इससे पता चलता है कि तुम सच में इंसान हो, कोई निर्दयी औरत नहीं।" धिक्कार है डेल पर। "सच कहूँ तो, मैंने कभी ध्यान नहीं दिया कि तुम्हारी लिपस्टिक कितनी अलग है। कितना अनोखा रंग है, है ना?" मैंने अपनी भावनाओं को छिपाने की कोशिश की, डर की एक लहर मेरे पेट में दौड़ गई। वह आगे बढ़ा, थोड़ा ज़्यादा करीब झुक गया और अपनी तर्जनी उंगली मेरे लाल गाल पर फेर दी। "तुम हमेशा से दोनों तरफ़ झुकती रही हो, है ना?"
मेरा गुस्सा बेकाबू हो गया और मैंने अपना पैर उठाकर उसके लिंग पर ज़ोर से लात मार दी। डेल चीखते हुए गिर पड़ा, और मैं खड़ी होकर उसके लंगड़ाते शरीर पर झुक गई। "अगर तुमने मुझे फिर से छुआ, तो मैं तुम्हें जान से मार दूंगी," मैंने गुर्राते हुए कहा।
चेरी बर्फ की थैली पकड़े हुए पीछे की ओर लुढ़क गई। "आखिर हुआ क्या?" उसने

पूछा।
“डेल को अभी भी इस बात का बुरा लगता है कि मैंने हाई स्कूल में उसे छोड़ दिया था। लगता है, इतने सालों बाद भी उसे इस बात से परेशानी होती है कि मैंने उसे एक ऐसी औरत के लिए छोड़ा, जिसका लिंग उससे दुगना बड़ा था।” मैंने उसके हाथों से बैग छीनकर डेल पर फेंक दिया, बर्फ के टुकड़े उसके सिकुड़े हुए शरीर पर बिखर गए।
“शायद तुम्हें इस पर बर्फ लगा लेनी चाहिए। चोटिल अहंकार को बहुत दर्द होता है, ऐसा मैंने सुना है।” मैं मुड़ी और स्केटिंग करते हुए समुद्र तट की ओर चल पड़ी।
“हे, डेलाइला,” चेरी ने मुझे पीछे से पुकारा। “डेलाइला!” मैंने अपने आँसू रोकने की कोशिश की, मेरा चेहरा दर्द से लाल हो रहा था, और मैं रीफ की जगह की ओर बढ़ी। हमारी जगह। प्लीज़, तुम वहाँ हो।

मैं रीफ्स कोव के किनारे तक पहुंचा, अपने स्केट उतारते हुए चट्टानों से नीचे भागा और पानी में उसे ब्लैकटिप शार्क से घिरा हुआ देखा। शुक्र है तुम ठीक हो। मैं जल्दी से कोव के तल तक पहुंचा और उसकी ओर दौड़ा, तभी उसने मेरी ओर मुड़कर देखा। मुझे देखते ही उसका चेहरा उतर गया।
“डेलीला,” उसने पानी से दौड़ते हुए मेरी ओर पुकारा। “क्या हुआ?” मैं उसकी बाहों में दौड़ पड़ी और फूट-फूटकर रोने लगी।
“सब कुछ।” मैं फूट-फूटकर रोई।
रीफ इंतज़ार करता रहा, मुझे दिलासा देता रहा, फिर उसने धीरे से मेरा चेहरा देखा और मेरी गाल पर नज़र डाली। "तुम्हारे साथ यह किसने किया?" वह गुर्राया, उसके सीने में शब्द गरजते हुए तूफान की तरह गूंज रहे थे। मैं उसे देखती रही, उसकी उंगलियाँ धीरे से मेरे आँसू पोंछ रही थीं, जब मैंने उसे सब कुछ बताया। उसकी बाहें तन गईं, उसका जबड़ा कस गया, वह एक मिनट सोचता रहा और मेरे सिर के ऊपर चूम लिया। "चलो उन्हें मार डालते हैं," उसने बिना रुके कहा।
मैं उसके इस दृढ़ निश्चय से हैरान और अचंभित होकर पीछे हट गया। "क-क्या?" क्या वह सच में ऐसा कह रहा था? रीफ ने सिर हिलाया और अपनी बात दोहराई। "रीफ, मैं-मैं आपके समर्थन और उत्साह की सराहना करता हूँ, लेकिन मैंने पहले कभी किसी को जान से मारने की योजना नहीं बनाई। हाँ, मुझे कई बार गुस्सा आया है—ठीक है, कई बार—लेकिन मैंने कभी किसी को निशाना नहीं बनाया।"
रीफ ने मेरी ओर देखा और मेरे गाल को ध्यान से निहारा। "मुझे लगा था कि तुमने अंधेरे में गोता लगाने का फैसला कर लिया है? वैसे भी, क्या फर्क पड़ता है? हत्या तो हत्या ही होती है।"
“अच्छा—” रुको, क्या फर्क था? “मेरा मतलब—” धिक्कार है। वह सही था। मैंने

वह छलांग लगा दी थी, उसके साथ अंधेरे को गले लगाने का फैसला कर लिया था। योजनाबद्ध हो या न हो, कोई खास अंतर नहीं था। हत्या तो हत्या ही होती है। मैंने पहले भी कई बार हत्या की थी; दो और हत्याएँ क्या थीं? मैंने ऊपर उसकी ओर देखा, मेरे होंठों के कोने मुड़ गए। “ठीक है, तो चलो करते हैं।”
“मेरी प्यारी बच्ची।” रीफ ने मुझे उठाया और मुझे थाम लिया, मैंने अपने पैर उसके धड़ के चारों ओर लपेट लिए और उसे मुझे पानी से बाहर ले जाने दिया। “तुम सबसे पहले किसे मारना चाहती हो?”
मैं सवाल पर विचार कर रहा था, तभी अनजाने में मेरे गाल पर चोट लग गई और मुझे जवाब मिल गया। "वह।"

“अच्छा।” ली की प्रेमिका ने त्स्क करते हुए कहा और समुद्र के किनारे खड़े मेरे पास आ गई। “आज सुबह के बाद तो मुझे तुमसे कोई खबर मिलने की उम्मीद नहीं थी।” उसने अपनी मुट्ठी को देखते हुए कहा, मानो अपनी गाली पर खुश हो रही हो। वह औरत मुझसे कुछ कदम दूर रुक गई और अपनी बाहें मोड़ लीं। “क्या चाहती हो, कुतिया?”
मैंने भौंहें चढ़ाकर अपना गुस्सा काबू में किया। "मैं माफी मांगना चाहता था।" झूठ का स्वाद मुझे कड़वा लगा।
“माफी मांगूं? किसलिए? मेरे प्रेमी की हत्या के लिए?” उसने तीखे स्वर में कहा।
“ठीक है, मैं—” मुझे खुद को सांस लेने के लिए मजबूर करना पड़ा। “मैंने तुम्हारे बॉयफ्रेंड को नहीं मारा।”
“ली। उसका नाम ली था!” उसने पैर पटकते हुए कहा। “और वो मर गया क्योंकि तुम्हारी उस नीच हरकत की वजह से तुम उसे बहला-फुसलाकर पानी में ले गई थीं!”
मैं ज़ोर से हंस पड़ी, खुद को रोक नहीं पाई। जब मैंने अपनी आंखें पोंछीं तो वह गुस्से से मुझे घूरने लगी। "मुझे माफ़ करना, मुझसे बहुत बुरा लगा।" मैंने अपनी हंसी रोकते हुए कहा, "लेकिन मैंने ली के साथ कुछ नहीं किया। उसने ही मुझे और मेरी दोस्त को खेल खेलने के लिए बुलाया था। वह नशे में था और मुझसे संबंध बनाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मैंने मना कर दिया। मतलब, वह मेरे टाइप का भी नहीं है। वह अकेले समुद्र में इसलिए था क्योंकि मैंने उसे मना कर दिया था।"
"तुम दोष दूसरों पर डालने के लिए कुछ भी कह दोगे, है ना?" उसने फुफकारते हुए कहा।
"माफ़ करें?"
“तुम्हें क्या लगता है कि मैं तुम्हारे बारे में नहीं जानती, दैलिला? तुम मुखिया की बेटी हो। वही जिसने हाई स्कूल से ग्रेजुएशन करते ही घर छोड़ दिया था, और कॉलेज की

पढ़ाई बीच में ही छोड़कर लौटी।" वह करीब आई, हमारे बीच की दूरी कम करते हुए, अपना ज़हर उगलते हुए बोली, "तुम अपनी बेकाबू यौन ऊर्जा से दूसरों के पार्टनर को लुभाती हो और उनका इस्तेमाल अपनी अंतहीन खालीपन को भरने की कोशिश में करती हो। खैर, सुन लो, प्यारी; तुम्हारे अंदर के उस गहरे खालीपन को कोई नहीं भर सकता, क्योंकि तुम पूरी तरह से टूटी हुई हो।" उसने अपनी तर्जनी उंगली से मेरी छाती पर गुदगुदी की, जैसे मुझे चुभो रही हो। "मौत का फरिश्ता अब तुम्हें निशाना बनाए, इस शहर पर एक एहसान करो और हमें तुम्हारे इस गंदगी से छुटकारा दिलाओ।"

"क्या तुम्हें सच में लगता है कि मैं इतनी बेवकूफ हूँगी कि उस कातिल का शिकार बन जाऊँगी?" मैंने उसकी अज्ञानता पर ठहाका लगाया।

"मतलब, तुम इतने मूर्ख थे कि अपनी माँ को उसकी मृत्युशय्या पर ही छोड़ दिया। इसीलिए तुम्हारे पिता तुमसे नफरत करते हैं।" उसने अपने हाथों को कमर पर रखा और अपने तीखे शब्दों से खुश हुई।

मेरी जेब में रखी तितली के आकार की चाकू पर मेरी पकड़ मजबूत हो गई। "मौत के फरिश्ते का शिकार बनने की मूर्खता सिर्फ तुम पर है," मैंने अपनी तलवार घुमाई और उसे सीधे उसकी गर्दन में घुसा दिया।

मैंने ब्लेड को घुमाकर उसे बाहर निकाल दिया, और उसकी चौड़ी आँखें मुझे घूरती रहीं। वह अपने ही खून में डूबकर रेत पर गिर पड़ी, पानी से बाहर निकली मछली की तरह छटपटाने लगी, और अपनी गर्दन में बने गहरे घाव को छुपाने की बेताब कोशिश करने लगी। उसके चेहरे के चारों ओर खून जमा हो गया, और उसकी छाती पर भी खून इकट्ठा हो गया। चीखने की कोशिश में उसकी आवाज़ खून में दब गई। उसकी आँखें घूमने लगीं, जो इस बात का संकेत था कि अब वह इस दुनिया में ज्यादा देर तक नहीं रहेगी।

"नहीं, नहीं," मैंने गाते हुए अपना चाकू नीचे गिरा दिया और उसके कंधों को पकड़ लिया। "अभी काम खत्म नहीं हुआ है। तुम्हारे लिए एक और सरप्राइज है।" मैंने उसके शरीर को पानी में खींच लिया, उसके पैर छटपटा रहे थे और वह विरोध करने की कोशिश कर रही थी। "देखो," मैंने ज़ोर लगाते हुए उसे और गहराई में खींचते हुए कहा, "मैं किसी से मिली हूँ। और वो बहुत ही आकर्षक है।"

मैंने उस महिला के शरीर को छोड़ दिया और उसे कुछ ही फीट दूर तैरते हुए देखा। अब, रीफ। मानो मेरे विचारों को सुन लिया हो, रीफ खाई से कूद पड़ा, उसके शरीर को काट डाला और उसे पानी के नीचे खींच ले गया। मैं मुस्कुराया, हमारे द्वारा किए गए इस संयुक्त हत्या के रोमांच से भर गया, जिसने हमें एक दूसरे से जोड़ दिया था। लहरें मेरे चेहरे पर पड़ रही थीं जब मैं तैरकर वापस किनारे पर आया और उसके लौटने का इंतजार करने लगा।

कुछ मिनट बाद, उसका सिर पानी के नीचे से निकला, उसका शरीर धीरे-धीरे किनारे की ओर बढ़ रहा था, वह महिला के शव को किनारे तक ले आया और उसे रेत पर फेंक दिया। उसका सिर और एक हाथ गायब थे—काटकर अलग कर दिए गए थे।

उसने अपना मुंह पोंछा, उसका खून उसके नंगे पेट पर बह रहा था। "हे भगवान, तुम कितने आकर्षक हो!" मैंने उसे घूरते हुए कहा।
रीफ हँसा और अपनी उंगलियों से अपने बालों को पीछे किया। "सबसे रोमांचक बात तो यह देखना है कि तुम किसी को मारते समय कितनी सहजता से हरकत करती हो।" उसने मुझे पकड़ लिया और अपनी ओर खींच लिया। "तुम तो बड़ी बहादुर हो।" हमारे होंठ आपस में टकरा गए और हमने एक-दूसरे की त्वचा से उस औरत का खून चाट लिया।
मैंने पूछा, "ली पर हमला करने वाली शार्क तुम ही थे, है ना?"
उसने गर्व से सिर हिलाया। "मुझे अपनी चीज़ों की रक्षा करनी है।" मैंने अपने निचले होंठ को दबाया और बच्चे की तरह मुस्कुराई।
“रुको!” मैंने उसकी बाहों से खुद को छुड़ाया और अपने होंठों पर लिपस्टिक की एक नई परत लगाई। “मैं लगभग भूल ही गई थी।” मैं उस महिला के अधमरे शव के पास दौड़ी और गीले मांस को गौर से देखा, उसकी नाभि के आसपास की त्वचा का वह छोटा सा सुंदर टुकड़ा मेरी नज़र में आ गया। मैं झुकी और उसे चूम लिया।
“यह किसलिए है?” रीफ ने पूछा।
मैं उठ खड़ी हुई, अपने काम की तारीफ़ करते हुए। “मेरी मौत का चुंबन। मैं इसे अपने सभी शिकारों पर छोड़ देती हूँ। एक छोटी सी आदत जो मैंने एक दिन अचानक अपना ली और जिसे मैं छोड़ नहीं पा रही हूँ।” मैंने कंधे के ऊपर से उसकी तरफ देखा। रीफ़ ने मेरे लिए हत्या की थी, और अब मुझे उसे धन्यवाद देना था। “क्या तुम यहाँ से जाना चाहते हो?”
मेरी बात सुनकर वह उत्सुकता से भौंहें चढ़ाकर बोला, "तुम्हारे मन में क्या विचार था?"

रीफ पीठ के बल लेटा हुआ था, मेरे पैरों के बीच कसकर दबा हुआ। मैं उसके ऊपर बैठी थी, हम दोनों नग्न थे, बस मेरी पतली, गहरे नीले रंग की चादर हमें ढके हुए थी।
"तुम्हें पता है अगर तुम नहीं चाहते तो तुम्हें यह करने की ज़रूरत नहीं है।" उसने अपनी उंगलियाँ मेरे निशान पर फिराईं, अपने दाँतों के निशानों को छूते हुए। "मुझे फिर से तुम पर ध्यान केंद्रित करने में बहुत खुशी होगी।"
मैंने अपने लंबे बालों को घुमाकर पीठ पर फेंका, झुककर उसे घूरने लगी। "अरे नहीं, अब मेरी बारी है तुम्हें संतुष्ट करने की।" मैं मुस्कुराई, मुंह खोलकर उसकी सख्त हो चुकी लिंग के निचले हिस्से पर जीभ फेरने लगी। मैंने धीरे-धीरे उसके सिरे को सहलाया। उसके पेट की मांसपेशियां तन गईं, उसने अपने निचले होंठ को काटा और हाथों से चादर को कसकर पकड़ लिया। मैं उसकी लंबी, मोटी लिंग को देखती रही, थोड़ी चिंतित थी कि क्या वह मेरे मुंह में समा पाएगी। पता लगाने का एक ही तरीका

था।
मैंने अपना मुंह बंद कर लिया, जितना हो सके उतनी लार चूस ली और फिर उसके सिरे पर थूक दिया, उसे शाफ्ट पर रगड़ा ताकि वह चिकना हो जाए, उम्मीद थी कि इससे वह आसानी से अंदर चला जाएगा। रीफ ने हल्की सी आह भरी, उसे मेरी हरकतों से कोई फर्क नहीं पड़ा, उसने मुझे जो सही लगा वो करने दिया।
मैंने अपना जबड़ा चौड़ा किया, मुँह खोलकर उसके कोने फैला दिए जैसे-जैसे मैं नीचे सरकी, उसके लिंग का सिरा मेरे गले के पिछले हिस्से में जा टकराया, जिससे मुझे हल्की सी घुटन महसूस हुई। मेरे मुँह में तुरंत पानी आ गया, जिससे मुझे धीरे-धीरे ऊपर-नीचे होने में कोई हिचक नहीं रही। मेरी जीभ उसकी उभरी हुई नसों पर घूमती रही, मैं अपनी लार और उसके वीर्य को चाटती रही, नमकीन गीलापन आश्चर्यजनक रूप से स्वादिष्ट था।
मुझे उसका स्वाद सचमुच अच्छा लगने लगा, मैंने अपनी गति और दबाव बढ़ा दिया, उसकी कराह और सिसकियों को सुनते हुए, उसका लिंग अकड़ रहा था और मेरे मुँह के ऊपरी हिस्से से टकरा रहा था। वह धीरे-धीरे और गहराई तक धक्के देने लगा, उसकी उत्तेजना से मेरा मुँह गीला हो रहा था। जैसे ही मेरा मुँह ऊपर उठा, मैंने अपनी जीभ से उसके लिंग के सिरे को कुछ बार छुआ, अपने होंठ उसके चारों ओर लपेटे रखे। उसने बिस्तर के धातु के फ्रेम को कसकर पकड़ लिया, संघर्ष करते हुए उसकी उंगलियों के जोड़ सफेद पड़ गए। उसे मेरे स्पर्श का आनंद लेते हुए सुनकर मैं भी आहें भरने लगी, वो आवाज़ें उसके लिंग में कंपन पैदा कर रही थीं।
मैंने अपने हाथों की स्थिति बदली, एक हाथ से उसकी कमर पकड़ी और दूसरे हाथ से खुद को सहलाते हुए, मैं पूरी तरह से मग्न हो गई, तेज़ी से आगे बढ़ते हुए, और ज़ोर से दबाते हुए, अपनी जीभ उसके हर इंच पर फेरने लगी। “ओह फ—” रीफ ने अपने होंठ काट लिए, क्योंकि उसका गर्म प्रीकम मेरे गले में समा गया। मैंने अपनी उंगलियों की गति बढ़ा दी, एक और उंगली डाली, और उसे देखते हुए अपने अंगूठे से अपनी क्लिट को रगड़ने लगी। हाँ, डैडी। उसने एक हाथ से मेरा सिर पकड़ लिया, अपनी उंगलियों को मेरे बालों में घुमाते हुए मुझे और आगे धकेला, और हम दोनों एक लय में आ गए। मेरा मुँह भर दो। उसने मुझसे आँखें मिलाईं, जब मैं उसके लिंग पर उछल रही थी, मेरी अपनी नमी मेरी उंगलियों को भिगो रही थी।
रीफ दहाड़ने लगा, मेरे अंदर ज़ोर से धक्के मारते हुए, उसकी आँखें मुझ पर टिकी रहीं और वह ज़ोर से फटने लगा। उसका वीर्य मेरे मुँह में भर गया, और उसके स्खलन के दौरान मुँह के कोनों से रिसने लगा। मैंने अपनी जीभ उसके लिंग पर फिराई, उसे चाटते और जितना हो सके निगलते हुए, उसके साथ-साथ आहें भर रही थी। उसकी चरम सीमा पर पहुँचते ही मैं भी लगभग बेकाबू हो गई और मुझे भी स्खलन होने लगा, मेरी आहें उसके लिंग में दब गईं।
“अरे नहीं, तुम ऐसा नहीं करोगी।” रीफ गुर्राया, उठते हुए उसने मेरा मुँह अपने ऊपर से झटक दिया और मुझे अपनी गोद में बिठा लिया। बिना समय बर्बाद किए उसने मुझे अपने लिंग पर लिटा दिया। “तुम्हारा चरम सुख मुझे ही मिलेगा।” उसने अपने हाथ मेरे

शरीर पर फिराए, मेरे साथ आहें भरते हुए, मेरे हाथ उसकी गर्दन के चारों ओर लिपट गए और मैं उस पर सवार हो गई। उसने अपनी जीभ से मेरे निप्पल को छुआ, उसे अपने मुँह में पकड़ लिया और मुझे काटते हुए ज़ोर से खींचा। मेरा चरम सुख तुरंत वापस आ गया क्योंकि मैं उस पर ज़ोर से हिल रही थी और कुछ ही सेकंड में मेरा चरम सुख आ गया। “ठीक है,” उसने मेरी त्वचा पर साँस छोड़ते हुए कहा। “मेरे लिंग पर सवार हो जाओ।”
मैं दर्द से कराह उठी, उसकी छाती पर गिरते हुए, साँस लेने के लिए संघर्ष कर रही थी। "धत् तेरे की," मैंने फुसफुसाया। रीफ ने अपने हाथ मेरी पीठ पर फेरे, मेरी बांह को प्यार से चूमा और उसका लिंग मेरे अंदर फड़कने लगा।
चेरी और मेरे कमरे के बीच की साझा दीवार पर तीन बार दस्तक हुई, जिससे हम चौंक गए। "तुम दोनों के लिए मुझे बहुत खुशी है, लेकिन अगली बार जब तुम जानवरों की तरह सेक्स करना चाहो, तो मुझे पहले से बता देना," चेरी की दबी हुई आवाज़ दीवार के पार सुनाई दी। रीफ और मैं ज़ोर से हंस पड़े और एक-दूसरे को चुप कराया।
“मुझे माफ करना, चेरी!” मैंने चिल्लाकर जवाब दिया।
“हम्म। शुभ रात्रि तुम दोनों।” उसने दीवार पर फिर से थपथपाया, यह जताते हुए कि हम बहुत शोर कर रहे थे और हमें उसे सोने देना चाहिए।
रीफ मेरी ओर देख रहा था, मुस्कुराते हुए, कमरे में चाँदनी की नीली किरणें हम पर पड़ रही थीं। "मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ है।" मेरे अंदर रहते हुए ही, वह झुका और अपनी शॉर्ट्स की जेब से कुछ निकाला। उसने अपना हाथ मेरी ओर बढ़ाया, उसकी हथेली में शार्क के दांतों का हार था।
मेरी उंगलियाँ डोरी वाले हार पर फिरीं, त्रिकोणीय दाँत के खुरदुरे किनारों को महसूस करते हुए। "क्या यह—"
“मेरा दांत? हां।” मैंने अपने बाल पीछे करते हुए दांत को छुआ और उसने मेरे गले में हार पहना दिया। “बस एक और याद दिलाना कि तुम मेरी हो, बैराकुडा।”

आठ

दलीला

बेकन और ताज़ी कॉफ़ी की खुशबू से मेरी नींद खुली, मैं करवटें बदल रही थी, बिस्तर से उठना नहीं चाहती थी। खिड़की के बाहर पक्षी चहचहा रहे थे, सूरज की पहली किरणें कमरे में झाँक रही थीं। "भगवान, कल रात कितनी अच्छी नींद आई!" मैंने आह भरते हुए कहा। कोई जवाब नहीं मिला। रीफ़ अभी भी सो रहा होगा। मैंने सिर घुमाकर देखा तो बिस्तर का दूसरा हिस्सा खाली था। "रीफ़?" मैं उछल पड़ी और पतली चादर को कसकर पकड़ लिया। मेरी नज़रें कमरे में चारों ओर घूमीं, मैंने देखा कि उसके कपड़े गायब थे, ठीक उसकी तरह। ये क्या बकवास है?
मैंने चादर अपने शरीर पर लपेटी और कमरे से निकलकर रसोई में चली गई। चेरी

नाइट ड्रेस में खड़ी थी, बेकन पलट रही थी, हाथ में कॉफी का कप था, और मेरी तरफ देखते हुए उसकी भौंहें ऊपर उठ गईं। "उम्म, सुप्रभात, स्लीपिंग ब्यूटी। अच्छी नींद आई?" मैंने उसके सवाल को अनसुना कर दिया और रीफ को ढूंढने लगी। "डेलीला?" उसने मेरे साथ चारों ओर देखते हुए पूछा। "हम क्या ढूंढ रहे हैं?"
मैंने पूछा, "क्या वह यहाँ नहीं है?"
“कौन? रीफ?” मैंने सिर हिलाया। “मुझे लगा कि वह अभी भी तुम्हारे साथ बिस्तर पर है।”
“नहीं। मैं उठी तो वो जा चुका था।” मैंने अपनी चादर को कसकर पकड़ लिया और आँसू रोकने की कोशिश करते हुए उसे निचोड़ने लगी।
मेरी उदासी भांपते हुए चेरी ने झट से विषय बदल दिया। "अरे, क्या तुमने यह देखा?" उसने एक अखबार का लेख मेरी ओर फेंक दिया।
मैंने खबर को जोर से पढ़ते हुए शीर्षक पर नजर डाली। “बदकिस्मत या निशाना? मौत का फरिश्ता और जानलेवा शार्क का ताजा शिकार एक ही है।” धिक्कार है! यह तो बहुत जल्दी हो गया। “यह कब आया?” मैंने पूछा।
चेरी ने कंधे उचकाते हुए कहा, "जब मैं उठी तो यह काउंटर पर ही रखा था; मुझे लगा कि तुमने इसे ले लिया होगा।" मैं थोड़ा घबराते हुए कराह उठी। क्या रीफ को यह मिल गया और वह भाग गया? वह कहाँ जाएगा? "तुम ठीक हो?" उसने मेरी तरफ हाथ बढ़ाया, लेकिन मैं पीछे हट गई और उसके इशारे को टाल दिया।
“मैं ठीक हूँ। रीफ को शायद कहीं जाना था।” मैंने जबरदस्ती मुस्कुराते हुए कहा।
“और ये,” मैंने अखबार को झटकते हुए कहा, “ये तो बहुत तनावपूर्ण है।” पेट में तेज दर्द होने पर मैंने अखबार को कूड़ेदान में फेंक दिया, दर्द से कराह उठी।
“तुम सही कह रहे हो। मुझे पहले से ही पता है कि तुम्हारे पिताजी आज दफ्तर में अपना आपा खो देंगे। तुम्हें पता है कि उन्हें उन टैब्लॉइड अखबारों से कितनी नफरत है।”
मैं नहाने जा रहा हूँ। मेरे बिना मत जाना। आज मैं तुम्हारे साथ पुलिस स्टेशन जा रहा हूँ।
चेरी ने सिर हिलाया। “ठीक है। अरे, मुझे तुम्हारा हार पसंद आया!” उसने मेरे पीछे से चिल्लाकर कहा। मैंने अपने गले में लटके दांत को छुआ। कम से कम यह तो मेरे पास है।

मैं चेरी के साथ ऑफिस गई, मेरे स्केट्स बंधे हुए थे और कंधे पर लटके हुए थे, मैंने कैजुअल कपड़े पहने थे जबकि वह अपने बिजनेस सूट में बेहद खूबसूरत लग रही थी। हम उसकी डेस्क के पास पहुँचे और देखा कि वहाँ कागजों का एक नया ढेर रखा हुआ

है।
“अरे यार! डिप्टी डेनियलसन कहाँ हैं?” वह जल्दी से बोली और काम शुरू करने लगी। “तुम्हारे पिताजी अपने दफ्तर में होने चाहिए।” वह जल्दी से अस्त-व्यस्त जगह को व्यवस्थित करने लगी।
मैंने अपने पिता के दफ्तर के टूटे हुए दरवाजे पर दस्तक दी। "अंदर आ जाओ।"
मैं अंदर गया और देखा कि मेरे पिताजी मेरी तरफ देख रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो उन्होंने पूरी रात यहीं काम करते हुए बिताई हो। फाइलों, तस्वीरों और पुलिस रिपोर्टों से भरे बक्से उनके डेस्क ऑफिस में बिखरे पड़े थे, ठीक वैसे ही जैसे घर के डाइनिंग रूम में होते हैं।
“तुम क्या चाहती हो, दलिहा?” उसने बड़बड़ाते हुए अपनी नज़रें वापस उस चीज़ पर टिका दीं जिसकी वह जाँच कर रहा था।
मैं बस आपसे हालचाल पूछने आया था, यह जानने के लिए कि आप कैसे हैं।
“तुमने वो लेख देखा ही होगा,” उसने मेरी झूठी बातों को भांपते हुए कहा। मैंने सिर हिलाया। “देखो, मैंने पुलिस वालों को पूरे शहर में छानबीन करने को लगा दिया है, पोस्टर लगा रहे हैं, फोन कर रहे हैं, इस मौत के फरिश्ते को पकड़ने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं।” उसने आह भरी, कुर्सी पर पीछे झुकते हुए अपनी आँखें मलीं। “और जहाँ तक इस खूंखार शार्क की बात है, तो मछुआरे अभी उसे पकड़ने की तैयारी में जुटे हैं। डेल सही था। हमने गलत शार्क को पकड़ लिया था, और किसी को नहीं पता कि डेनियलसन कहाँ है!”
मैंने रीफ के लिए चिंतित होकर पूछा, "क्या तुम उन्हें इसका शिकार करने दे रहे हो?"
“इसे रोकने का और क्या तरीका है?” उसने चिढ़कर कहा। “देखिए, आपका हालचाल पूछने के लिए धन्यवाद, लेकिन मुझे काम पर ध्यान देना है।” कोई नई बात नहीं।
मैंने इशारा समझकर सिर हिलाया और उसके दफ्तर से निकल गई। मुझे रीफ को चेतावनी देनी होगी। मैंने अपने स्केट्स पहने और पुलिस स्टेशन से निकलते हुए चेरी को अलविदा कहा।
मैं स्केटिंग करते हुए समुद्र तट की ओर बढ़ा, जैसे ही मैं रेत के टीलों के पास पहुँचा, किसी ने मुझे पीछे खींच लिया और गोदी की ओर घसीटने लगा। "मुझे छोड़ दो!" मैं चिल्लाया और अपने स्केट्स को लात मारने लगा।
"चुप रहो!"
मैंने विरोध करना बंद कर दिया और ऊपर देखा तो वह मुझे लकड़ी के घाट पर घसीट रहा था। "डेल?" उसने कुछ नहीं कहा, बस मुझे और आगे घाट पर अपनी नाव की ओर खींचता चला गया, जबकि मैं उससे बचने की कोशिश कर रही थी, उसका हाथ मेरे बालों में कसकर जकड़ा हुआ था और वह मुझे खींच रहा था। "छोड़ो!"
जैसे ही हम नाव से कुछ ही कदम दूर खड़े हुए, डेल मेरी ओर मुड़ा और मेरी बाहों को कसकर दबाते हुए मुझे जबरदस्ती खड़ा कर दिया। जैसे ही मैं गिरा, उसने मुझे पीछे धकेल दिया, मेरा शरीर ज़ोर से धड़ाम से डेक पर गिरा, दर्द से कराहते हुए मैंने चारों

ओर देखा, मैं भ्रमित था। एक सड़ी हुई दुर्गंध मेरी नाक में भर गई, जिससे मेरा पेट खराब हो गया। मैंने अपना सिर उठाया और अपने बालों के बीच से झाँक कर देखा तो मेरे सामने एक मरी हुई शार्क उल्टी पड़ी थी। उसका पेट चीरा हुआ था, जीव की आँतें, खून, अधपची मछलियाँ अंदर से बाहर निकल रही थीं, जिससे लकड़ी का डेक सना हुआ था।
मैं चीख पड़ी और रेंगते हुए पीछे हटी, डेल के पैरों से जा टकराई। जैसे ही मैंने ऊपर उसकी तरफ देखा, उसने मेरे सिर के पीछे से पकड़कर मुझे ज़बरदस्ती खड़ा कर दिया। "देखा तुमने?" उसने क्षत-विक्षत शव की ओर इशारा करते हुए कहा। "मैंने उनसे कहा था कि उन्होंने गलत शार्क पकड़ी है। मैंने उनसे कहा था! लेकिन नहीं, उन्हें मेरी बात पर यकीन दिलाने के लिए एक अखबार के लेख की ज़रूरत पड़ी, जबकि मेरे पास सबूत इतने समय से मौजूद था!"
“तुम सही थे,” मैंने उसे शांत करने की कोशिश करते हुए कहा। “तुम सही थे, डेल।”
मैं डर के मारे घबरा गई, उसकी आँखें पागलपन से लाल थीं। “सुनो, मुझे जाने क्यों नहीं देते? मुझे जाने दो, और मैं अपने पिताजी को बता दूँगी कि मैंने क्या देखा, समझा दूँगी कि तुम शुरू से ही सही थे। कैसा रहेगा?”
उसने मेरी ओर घूरते हुए, अपने होठों के कोनों पर एक भयावह मुस्कान फैलाई, जिससे धूप से झुलसी उसकी त्वचा और भी झुर्रीदार हो गई। "मैं बेवकूफ नहीं हूँ, डेलाइला।" उसने मुझे पीछे धकेल दिया, मेरा शरीर मृत शार्क के पेट में जा गिरा। मैं उल्टी करने की इच्छा को दबाते हुए रेंग कर दूर हट गई। डेल ने घाट से लात मारी, और घाट की रस्सियाँ पानी में फिसल गईं। "वैसे भी, जहाँ हमें जाना है, वहाँ मुझे एक अतिरिक्त हाथ की ज़रूरत पड़ सकती है।"
“हम कहाँ जा रहे हैं?” मैंने डरते हुए पूछा, मुझे उसका जवाब सुनने में डर लग रहा था।
डेल तेजी से अपनी नाव के आगे की ओर दौड़ा और इंजन चालू कर दिया, जो धीरे-धीरे चल रहा था और किनारे से दूर बहने लगा। "हमें एक शार्क जरूर मिलेगी।"

नौ

दलीला

कई घंटे बीत चुके थे, शाम ढलने लगी थी और आसमान में समुद्री पक्षी उड़ रहे थे। सूरज क्षितिज के ठीक ऊपर डूब रहा था, और दूर-दूर तक गर्म रंगों की छटा बिखेर रहा था। डेल ने इंजन बंद कर दिया और एक पुराना लंगर अंधेरे पानी में डाल दिया। पानी की कमी से मेरा गला जल रहा था, हवा में फैली खारी गंध से मेरी भोजन नली में जलन हो रही थी। चेहरे पर ताज़ा चोट का दर्द बढ़ रहा था, जिससे मेरा थका हुआ और दर्द से चूर शरीर और भी तकलीफ में डूब गया था। मैं चारों ओर देख रहा था,

बचने का रास्ता ढूंढने की बेताब कोशिश कर रहा था, लेकिन हम किनारे से मीलों दूर थे और अंधेरा होने लगा था। अब कोई उम्मीद नहीं थी।
डेल ने ज़ोर लगाते हुए किसी चीज़ से भरी दो भारी बाल्टियाँ नाव के किनारे तक खींचीं और ढक्कन खोलकर देखा तो उसमें से बेहद गंदी और बदबूदार गंदगी निकली। "ये क्या बकवास है?" मैंने मुँह ढकते हुए पूछा। वह मेरी तरफ बढ़ा और मेरे स्केट्स पकड़ लिए। मैंने उसका विरोध करने की कोशिश की, लेकिन उसने मेरा पैर खींचकर मुझे डेक पर घसीटा और मेरे स्केट्स के फीते खोल दिए। उसने मेरे गले में लटके हार को देखकर उन्हें एक तरफ फेंक दिया और उसकी ओर इशारा किया।
“इसे उतारो,” उसने आदेश दिया।
मेरी उंगलियों ने रीफ के दांत को छुआ और मैंने अपना सिर हिलाया। "नहीं।"
उसने हाथ बढ़ाकर मेरे शरीर से हार छीन लिया और उसे गौर से देखा। “ये तो काफी बड़े आकार का शार्क का दांत है। ये तुम्हें कहां से मिला?” मैं चुप रही और उसे घूरती रही। उसने हार अपनी जेब में डाला और मेरा हाथ पकड़ लिया। “ये,” उसने मेरे हाथ में एक प्लास्टिक का डिब्बा थमाते हुए कहा, “इसी से तुम शार्क का शिकार करने में मेरी मदद करोगी।” उसने मेरा हाथ हिलाया और मुझे इशारा करते हुए डिब्बे की सामग्री को पानी में फेंकने को कहा, मछली और खून के टुकड़े नाव के साथ लहरों पर उछल रहे थे। “शार्क पकड़ने का सबसे अच्छा तरीका है पानी में चारा डालना। तुम पानी में चारा डालोगी, इन बाल्टियों से चारा की एक-एक बूंद निकाल दोगी, जब तक कि शार्क हमारे पास न आ जाए, और फिर मैं उसे खुद मार डालूंगा।”
“अगर मैं ऐसा नहीं करना चाहूँ तो?” मैंने गुर्राते हुए कहा।
डेल ने अपना हाथ घुमाते हुए मेरे चेहरे पर ज़ोर से थप्पड़ मारा, जानबूझकर मेरे चोटिल गाल पर। उसने मेरे बाल पकड़े और मेरी नज़रें ज़बरदस्ती अपनी ओर उठाईं। “तुम या तो पानी में चारा डालो या खुद चारा बन जाओ। तुम्हारी मर्ज़ी।” उसने मेरा सिर नीचे झुकाया और नाव के अंदर चला गया।
आसमान अंधेरा होने लगा और मैं कांपते हुए प्लास्टिक के डिब्बे में मछली के टुकड़े भरने लगा और उन्हें समुद्र में फेंकने लगा। हे रीफ! कृपया मुझे बचा लो। मेरे पेट में ऐंठन हो रही थी, दर्द हो रहा था।

मेरी बांहें दर्द से भरी हुई थीं, उनमें सूजन थी और वे थक चुकी थीं, फिर भी मैं चारे से भरी दूसरी बाल्टी उठाने लगा। डेल नाव पर बैठा सिगरेट पीता रहा, उसे ज़रा भी परवाह नहीं थी। कमीना! अगर मुझे नाव चलाना आता, तो मैं उसे जान से मारने की कोशिश करता, लेकिन अफ़सोस, मुझे इसका कोई ज्ञान नहीं था।
मैं चारा डालने के लिए नाव के किनारे झुकी ही थी कि मुझे पानी की सतह के ठीक

नीचे कुछ तैरता हुआ दिखाई दिया। वह धातु का बना था और चांदनी में चमक रहा था। मैंने सावधानी से पानी में हाथ डालने से पहले डेल की ओर देखा और उस छोटी सी वस्तु को पकड़ लिया। मैंने उसे बाहर निकाला, उस पर से समुद्री शैवाल हटाया और ध्यान से देखा। वह एक प्लास्टिक का तारा था। उस पर लगी नकली चांदी की परत उतर रही थी, लेकिन इतनी बची थी कि मैं उसे पहचान सकूं।
“मुझे वह दो।” डेल ने मेरे हाथों से छीन लिया। “जी.सी.पी—” उसने तारे को कसकर पकड़ लिया, अंधेरे में उसे पढ़ पाने में असमर्थ था। “यह क्या है?”
मैंने आंखें घुमाईं। “यह गोल्डन कोस्ट के डिप्टी का बैज है। डिप्टी डेनियलसन के पास भी बिल्कुल ऐसा ही बैज था, लेकिन उसके बाद से किसी ने उसे नहीं देखा—” मैं रुक गई, यह महसूस करते हुए कि रीफ ने उस पर भी हमला किया होगा। इसीलिए उसका लापता होना स्वाभाविक था। मेरे पेट में फिर से दर्द होने लगा, लेकिन इस बार दर्द और भी तेज़ था, और मैं झुककर अपने पेट के निचले हिस्से को पकड़ लिया।
“तुम्हें क्या हुआ है?” डेल ने टॉर्च उठाई और उसकी रोशनी मुझ पर डाली। मैंने नीचे देखा और तुरंत अपने पैरों के बीच की सनसनी को पहचान लिया। उसने टॉर्च नीचे कर ली और उसके चेहरे पर घृणा के भाव छा गए। “क्या खून बह रहा है?” वह पीछे हट गया।
धत् तेरे की! धत् तेरे की! धत् तेरे की! मुझे मासिक धर्म शुरू हो गया था। "मेरी बात सुनो, डेल। मुझे-मुझे वापस बीच पर जाना है। मुझे घर जाना है, ठीक है?"
मेरी जींस शॉर्ट्स से खून की पतली-पतली धारें रिसती हुई मेरी टांगों पर बह रही थीं, यह देखकर वह जोर से हंस पड़ा। "तुम्हें पीरियड्स शुरू हो गए हैं, है ना? अरे यार, ये तो बहुत घिनौना है।" ज़हरीली मर्दानगी का यही तो घिनौना उदाहरण है।
“प्लीज़!” मैंने बेबसी से कहा। “बस मुझे जाने दो। तुम्हें मेरी ज़रूरत भी नहीं है।”
डेल की आँखों में कुछ कौंध गया जब उसने अपनी टॉर्च बंद की और सिगरेट को मुँह तक उठाया, जिसकी नोक नारंगी रंग की चमक रही थी। "हाँ, बिल्कुल।" उसने कश छोड़ा, धुआँ उसके चेहरे पर छा गया। "ताज़ा खून से शार्क को लुभाने का इससे बेहतर तरीका और क्या हो सकता है?"
मेरी आँखें चौड़ी हो गईं। "नहीं, नहीं, डेल। तुम ऐसा नहीं कर सकते—"
वह झपटा, पास पड़ी एक बंदूक उठाई, उसे लोड किया और मेरी तरफ निशाना साधा, ठंडी धातु की नली मेरे माथे को हल्के से छू गई। "वह सीढ़ी दिख रही है ना?" उसने अपना सिर नाव के पिछले हिस्से की ओर झुकाया और पानी में डूबी एक छोटी सी सीढ़ी की ओर इशारा किया। मैं डर से कांपते हुए घबरा गया और सिर हिलाया।
"अच्छा।" उसने नली मेरे सिर पर मारी और मुझे धक्का दिया। "जाओ।"
मैं धीरे-धीरे खड़ी हुई, मेरे पैर लड़खड़ा रहे थे और मैं सीढ़ी की ओर पीछे हट रही थी, मेरे हाथ ऊपर उठे हुए थे। "प्लीज़, डेल," मैंने आँसुओं के बीच गिड़गिड़ाते हुए कहा। "प्लीज़। प्लीज़ मुझे ऐसा करने के लिए मजबूर मत करो।"
“चुप रहो!” वह चिल्लाया, जिससे मैं चौंक गई। “पीछे मुड़ो और नीचे उतरना शुरू करो।” मैंने सिर हिलाया और अंधेरे पानी में देखती रही, यह जानते हुए कि हमारे नीचे

कुछ भी हो सकता है।
मैंने अपना पैर आगे बढ़ाया, मेरा नंगा पैर पानी के ऊपर मंडरा रहा था, मैं डर से कांप रही थी। “डेल, सुनो—” उसने मेरी पीठ पर लात मारी, जिससे मैं आगे की ओर गिर पड़ी और मुंह के बल पानी में जा गिरी। मैं घबराकर छटपटाने लगी, ऊपर आने की कोशिश कर रही थी। “डेल!” मैं चीखी, गहरी सांस लेते हुए, मेरा दिल तेजी से धड़क रहा था। उसने जल्दी से चारे से भरी बाल्टी को नाव के किनारे तक खींचा और पानी में मेरे चारों ओर चारे के टुकड़े फेंकने लगा। “बस करो!” मैं चिल्लाई, अपने हाथों से उन टुकड़ों को अपने चेहरे पर लगने से रोकते हुए। “बस करो!”
“चुप रहो!” उसने चिल्लाते हुए बंदूक मेरी तरफ तान दी। “मुझे पता है कि यहाँ आस-पास कोई शार्क है। मैं उसे महसूस कर सकता हूँ।” मैं डर के मारे तेज़ी से मुड़ा और अपने चारों ओर पानी में उठती लहरों को देखा। किसी चीज़ ने मेरे पैर को छुआ, जिससे मैं चीख पड़ा और नाव की तरफ पीछे हट गया।
“क्या बात है?” उसने नाव के पिछले हिस्से से सटकर दुबकते हुए पूछा।
डेल ने पानी से मुझे छूई हुई किसी भी चीज़ को बाहर निकाला। मैंने झाँककर देखा तो पाया कि वह शार्क नहीं, बल्कि एक शव था। डेल अपनी टॉर्च से उसे टटोलने लगा, साथ ही बंदूक भी पकड़े हुए करीब से देख रहा था, और उसने शव के धड़ पर शार्क के बड़े टुकड़े की ओर इशारा किया। उसके नारंगी बाल और वर्दी ने मेरे अनुमान की पुष्टि कर दी, और मैंने नज़रें हटा लीं, यह समझते हुए कि आखिरकार हमें लापता डिप्टी डेनियलसन मिल गए हैं।
“बेवकूफ।” डेल ने सिगरेट वापस अपने होठों पर रख ली।
दूर कहीं पानी में कुछ छपा, जिससे हमारा ध्यान भटक गया। डेल ने डेनियलसन के शरीर को छोड़ दिया जो बहता जा रहा था और अपनी टॉर्च पानी की ओर घुमाई। मेरे चारों ओर लहरें उठ रही थीं मानो कुछ पास में ही सतह पर आ गया हो। "मुझे ऊपर आने दो, डेल!" मैं चिल्लाई।
"चुप हो जाओ!" वह चिल्लाया, अपनी लाइट से बंदूक का निशाना साधते हुए पानी में खोज रहा था।
कोई बड़ी चीज़ नाव से टकराई, जिससे डेल तुरंत पानी में गिर गया। वह छटपटाने लगा, नाव हिलने लगी और सामान पानी में लुढ़कने लगा। एक बड़ा धातु का ऑक्सीजन टैंक उसकी ओर उछला और उसके सिर पर लगा, जिससे वह बेहोश होकर पीछे गिर गया। मैंने नाव की ओर तैरने की कोशिश की, लेकिन कोई चीज़ मेरे पैर के पास से सरक गई। "नहीं!" मैं चीखी, तेज़ी से पैर मारते हुए, रोते हुए सीढ़ी की ओर बेतहाशा बढ़ी। उसने मुझे फिर से टक्कर मारी और नाव की ओर धकेल दिया।
“डेलीला!” उसने चिल्लाया, और मैं मुड़कर देखने लगी तो देखा कि रीफ मेरी तरफ आ रहा है। मैं रोते हुए उसकी ओर तैरी और गले मिल गई, उसकी बाहों ने मुझे दिलासा दिया और मुझे कसकर पकड़ लिया। “सब ठीक है, सब ठीक है।” उसने मुझे कसकर गले लगाया। “मैं तुम्हारे साथ हूँ।”
रीफ ने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे नाव की ओर खींचते हुए डेक पर चढ़ने में मदद की।

मैंने सिसकते हुए पूछा, "आपने मुझे कैसे ढूंढा?"
उसने मेरी टांगों के बीच नीचे देखा। “मैं तुम्हारी खुशबू पहचानता हूँ।” मेरी नज़रें उसकी आँखों से मिलीं, मेरी शॉर्ट्स के क्रॉच पर खून के धब्बे थे। “क्या तुम ठीक हो?” उसने पूछा और मैंने सिर हिलाकर हाँ में जवाब दिया। “ठीक हूँ।” उसने मेरे सिर के ऊपर चूमा और डेल के तैरते हुए शरीर को देखने लगा। “तुम उसके बारे में क्या करना चाहती हो?”
मैंने पीछे मुड़कर देखा तो डेल बेहोश पड़ा था। “सब जानते हैं कि वो यहाँ तुम्हारा शिकार करने आया है।” मुझे अपने मन में उठने वाले शब्दों से नफ़रत हो रही थी। “उसे ज़िंदा रहना होगा।” रीफ़ ने सिर हिलाया और पानी में कूदकर डेल को खींचकर नाव पर ले आया। मैंने उसकी जेब में हाथ डालकर शार्क के दांतों का हार निकाला और झट से उसे अपने गले में पहन लिया। मेरा! मैंने डेल के बदसूरत चेहरे पर थूका और रीफ़ से बात करने के लिए खड़ी हुई। “मुझे नाव चलाना नहीं आता। क्या तुम्हें आता है?”
“हाँ,” उसने कहा। रीफ ने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे नाव के अंदर ले गया।
मैं रात के अंधेरे में देखता रहा, तभी रीफ ने इंजन चालू किया और हमें वापस समुद्र तट की ओर ले जाने लगा। उसकी हरकतें इतनी सहज थीं कि सब कुछ व्यवस्थित करते हुए वह मेरी ओर मुड़ा और अपनी बाहें मोड़ लीं। "बस इतना ही?" मैंने पूछा।
“बस, यही काफी है। इधर आओ।” उन्होंने अपनी बाहें खोल दीं। मैं थककर उनकी छाती से लिपट गई, उन्होंने मुझे उठाया, मेरी गोद में लिया और एक छोटी सी चारपाई पर लिटा दिया। “आज तुमने बहुत कुछ सहा है। आराम करो।” उन्होंने मेरे चेहरे पर हाथ फेरा और धीरे से मुझे चूमा। “मैं संभाल लूंगा।”
मैंने सिर हिलाया और उसका हाथ पकड़ लिया। "मेरे साथ रहो।"
रीफ ने मेरा हाथ दबाया। "अब तुम्हें मेरे साथ ही रहना होगा, बैराकुडा।" मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और इंजन की आवाज़ मुझे नींद में सुलाने लगी।

इंजन के अचानक बंद हो जाने से मेरी नींद खुल गई और मैं झटके से उठ बैठा, मुझे याद आया कि मैं कहाँ हूँ। "रीफ़!" मैंने पुकारा।
“मैं यहाँ हूँ।” वह मेरे पास आया। “मैं यहाँ हूँ।” मैं उसके सीने से लग गई और उसे कसकर गले लगा लिया। “समुद्र तट के पास पहुँचते ही मुझे इंजन बंद करना पड़ा।”
“आखिरकार,” मैंने हांफते हुए कहा।
नाव की आगे की खिड़कियों से एक प्रकाश की किरण चमकी, रीफ और मैं दोनों शीशे से बाहर झाँक रहे थे तो देखा कि मेरे पिताजी घाट पर खड़े होकर हमें हाथ हिलाकर बुला रहे थे।

“अरे यार। ये तो मेरे पापा हैं।”
रीफ ने मुझे घूरकर देखा। "तुम्हारे पिताजी चीफ हैं?"
मैंने उसकी ओर मुड़कर देखा। "आश्चर्य।"
"आपको पता है ना कि वह उन मछुआरों के साथ-साथ हर दिन मेरा पीछा कर रहा है?"
“हाँ, ठीक है, अगर इससे कुछ मदद मिलती है, तो वह मेरा भी पीछा कर रहा है।”
स्थिति की गंभीरता को समझते हुए रीफ चुप हो गया।
"तुम उसे क्या बताने वाले हो?" उसने पूछा जैसे-जैसे हम धीरे-धीरे घाट के करीब पहुँचते गए।
“मैं उसे सच नहीं बता सकती; वो कभी मेरी बात पर यकीन नहीं करेगा। वो डेल को हमेशा से ही संत समझता आया है।” मैंने कुछ देर सोचा। “जब हम करीब पहुँचें, तो तुम्हें चुपचाप गायब हो जाना। उसे पता भी नहीं चलना चाहिए कि तुम यहाँ थे।” रीफ ने सिर हिलाया।
“डेल के बारे में क्या?”
“मैं डेल को संभाल लूंगा। अब मुझे दिखाओ कि क्या करना है।” मैंने नाव की ओर इशारा किया। रीफ ने सिर हिलाया और मेरी बात मान ली।

जब मैं डेल की नाव से घाट पर कूदी, तो मेरे पिता की टॉर्च की रोशनी से मेरा चेहरा झुलस गया। "डेलीला?" उन्होंने टॉर्च बंद करते हुए पुकारा। मैं उनकी ओर चली, मेरा गाल जल रहा था और मेरे रोलर स्केट्स मेरे कंधे पर लटके हुए थे। "डेल कहाँ है? तुम उसकी नाव पर क्यों हो? और तुम्हारे साथ आखिर हुआ क्या है?" उन्होंने मेरे खून से सने शॉर्ट्स और पैरों को देखकर पूछा।
मैं उसके पास से गुज़रते हुए कंधे पर से बोली, “डेल नाव पर बेहोश हो गया है। वो बहुत ज़्यादा शराब पीकर नाव से गिर गया। और मैं...” मैंने आह भरी। “मुझे शौच जाना है। मैं घर जा रही हूँ।”

दस

दलीला

चेरी ने दरवाजा खोलने से पहले मेरे दरवाजे पर दस्तक दी। "सुप्रभात, डेलाइला," उसने मेरी ओर देखते हुए गुनगुनाया। "सुप्रभात, रीफ।"

उसने अपना सिर हल्के से उठाया और मेरी छाती पर टिका दिया। हम दोनों मुस्कुराते हुए एक साथ बोले, "सुप्रभात, चेरी।"
“ओह, डेलिलाह, मैं तुम्हें बताना चाहती थी—कल जाते समय मैंने तुम्हारे पापा को किसी से बात करते हुए सुना। लगता है मछुआरे आज उस शार्क का शिकार करने जा रहे हैं। नाकाबंदी करने की बात हो रही थी? मुझे ठीक से पता नहीं। लेकिन इसका मतलब है कि वो शायद आज हमारे साथ संगीत समारोह में नहीं आ पाएंगे।”
मैंने राहत की सांस लेते हुए अपना सिर झुका लिया। "भगवान का शुक्र है।"
“रुको।” रीफ उठ बैठी। “क्या आज सारे मछुआरे मछली पकड़ने जा रहे हैं?” उसने सिर हिलाया और दरवाजा बंद कर दिया।
“मैं तुम्हारी ये नज़र पहचानता हूँ।” मैंने देखा कि वो बिस्तर से उठा और कपड़े पहनने लगा। “रीफ, ऐसा मत करो।”
“तुम्हें पता है मुझे वो मछुआरे कितने नापसंद हैं। मुझे उन्हें रोकना ही होगा।” ये कहते हुए उसने अपनी शॉर्ट्स की ज़िप बंद की और मैं आह भरते हुए रेडियो चालू करके स्थानीय संगीत स्टेशन पर ट्यून करने लगा।
रेडियो होस्ट क्या कह रहे थे, यह सुनने के लिए मैंने नॉब घुमाया तो स्टैटिक की आवाज़ आने लगी। “मैं सच कह रहा हूँ, सिंडी। आज के संगीत समारोह में, मौत का फरिश्ता किसी को निशाना बनाने के बारे में सोचे तो मूर्ख ही होगा। गोल्डन कोस्ट पुलिस पूरे दिन भीड़ में तैनात रहेगी और निगरानी रखेगी। यह हत्यारा किसी को मारने के बारे में तभी सोच सकता है जब कोई ऐसी भयानक घटना घट जाए जिससे पूरा पुलिस विभाग समारोह से हट जाए। मैं तुम्हें बता रहा हूँ, ऐसा कुछ भी होने की संभावना नहीं है—” रीफ ने नॉब घुमाकर आवाज़ कम कर दी।
"तुम ठीक हो?" उसने मेरी ओर देखते हुए पूछा।
मैंने उसकी ओर देखते हुए उपहास किया। "मेरे पास एक विचार है। मैं उन्हें खूब पागलपन दिखाऊंगा।"

चेरी और मैं अपनी सबसे छोटी बिकिनी पहनकर बीच पर उतरे, फेस्टिवल के लिए एकदम तैयार। संगीत की धुन हवा में गूंज रही थी क्योंकि सैकड़ों लोग आज के कार्यक्रम के लिए इकट्ठा हुए थे: गर्मियों के अंत का वार्षिक उत्सव। 4 जुलाई के बाद, यह गोल्डन कोस्ट का साल का सबसे बड़ा आयोजन था।
“अफ़सोस की बात है कि तुम्हें मासिक धर्म हो रहा है,” चेरी ने शिकायत करते हुए कहा। “मैं आज तैरने के लिए बहुत उत्सुक थी।”
मैंने कंधे उचका दिए। “हर चीज़ किसी न किसी कारण से होती है। वैसे भी,” मैंने धूप के चश्मे से उसकी तरफ देखा, “रीफ को तो कोई आपत्ति नहीं लगती।” मैंने आँख

मारी।
“अरे तुम लोग तो बड़े शरारती हो,” उसने चिढ़ाते हुए कहा, हम दोनों हंसते हुए भीड़ में शामिल हो गए, संगीत पर नाचते हुए हमने अपने तौलिए बिछाने के लिए जगह ढूंढी और आराम से बैठ गए। “हे डेलाइला, देखो।” उसने पानी में दूर जमा हुई मछली पकड़ने वाली नावों के एक समूह की ओर इशारा किया, जो एक नाकाबंदी बना रही थीं।
मैंने मन ही मन बुदबुदाते हुए कहा, "साले बेवकूफ हैं ये।"
“कम से कम वे बहुत दूर हैं, इधर नहीं।” मैंने चेरी की बात से सहमत होते हुए सिर हिलाया। बिल्कुल सही।
“अरे हाँ, यहाँ शार्क का हमला होना नामुमकिन है। इतनी पुलिस की मौजूदगी में और दूर मछुआरे चारा डाल रहे हैं।” मैंने आँखें घुमाईं।
“क्या बात है?” चेरी ने पूछा।
“कुछ नहीं।” मैंने कई चेहरों पर नज़र डाली और रीफ़ को मुस्कुराते हुए देखकर मेरी नज़रें मिलीं। मैंने उसे सिर हिलाकर अभिवादन किया और देखा कि उसने भी ऐसा ही किया और पानी की ओर दौड़ पड़ा। “अरे, मैं जाकर देखता हूँ कि क्या मैं किसी पर्यटक से एक-दो बियर चुरा सकता हूँ। क्या तुम्हें कुछ चाहिए?” चेरी ने सिर हिलाकर कहा, “मैं अभी आती हूँ।”
मैंने अपनी बटरफ्लाई नाइफ उठाई और उसे पास रखते हुए रेत के टीलों के ऊपर बने बाथरूम की ओर निशाना साधा। बाथरूम इतने पीछे थे कि एकांत तो मिल ही रहा था, लेकिन साथ ही दीवार से टिककर पानी को देखते हुए मुझे समुद्र का बेहतरीन नज़ारा भी दिख रहा था। चलो, रीफ, तुम कहाँ हो?
एक-दो मिनट बाद, आखिरकार मुझे उसका फिन दिखाई दिया। वह पानी में तैर रहे सर्फ़र्स के एक समूह की ओर सीधा तैर रहा था। हाँ, कर लो। पानी में डुबकी लगाते ही उसका फिन गायब हो गया। चलो, चलो। मैंने अपनी चाकू को कसकर पकड़ लिया, बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था। पलक झपकने से पहले ही, रीफ़ पानी से उछला, अपने जबड़े से एक सर्फ़र को पकड़ लिया और अपने शिकार के साथ वापस पानी की सतह पर आ गिरा।
“हाँ!” मैं खुशी से चिल्लाई, मुझे उस पर बहुत गर्व था। बाकी सर्फर घबराकर चीखते हुए किनारे की ओर वापस भागने लगे। रीफ का शरीर लुढ़का, उसका पेट समुद्र तट पर मौजूद सभी लोगों को साफ दिखाई दे रहा था, जैसे ही वह घूमा, उसने सर्फर को बुरी तरह से निगल लिया। खून की एक मोटी परत लहरों के साथ बह गई, जिससे पानी दूषित हो गया।
"शार्क!" किसी ने चीख मारी, जिसके बाद तुरंत अफरा-तफरी मच गई।
समुद्र तट पर मौजूद सभी लोग घबरा गए, जब उन्होंने देखा कि रीफ बेरहमी से एक अनजान सर्फर के शरीर को हिला रहा है। तैराक चीखते हुए पानी से बाहर भागने लगे, जिससे अफरा-तफरी मच गई और पूरा उत्सव रुक गया। पुलिस अधिकारी उत्सव स्थल से पानी की ओर दौड़े और सीटी बजाते हुए सभी को समुद्र तट पर लाने में मदद

की।
कार्यक्रम की एंकर मंच पर आईं और माइक पकड़कर उसमें चिल्लाईं, “सब लोग पानी से बाहर निकलो, तुरंत!” लीजिए, शुरू हो गया! समुद्र तट पर मौजूद लोग भागने लगे, रेत पर दौड़ते हुए सैकड़ों लोग मेरे पास से गुज़रे, जबकि मैं साधारण बाथरूम की इमारतों के बीच छाया में छिपा रहा, सही लक्ष्य की प्रतीक्षा करता रहा।
एक युवती बाथरूमों के बीच से निकलकर मेरी ओर दौड़ी। “क्या तुमने देखा?” वह चिल्लाई। “शार्क? क्या तुमने उसे देखा?” अब दिखावा करने का समय था।
“शार्क? कौन सी शार्क? क्या हुआ?” मैंने उसकी बांहें पकड़ते हुए पूछा। उसकी नज़र तुरंत मेरे चाकू पर पड़ी, वह उसे देखकर हैरान थी।
“ऊप्स।” मैंने चाकू उसके पेट में घोंप दिया, उसके अंगों के फटने की आवाज़ सुनी, उसका गर्म खून मेरे हाथ पर फैल गया। वह मुझे घूर रही थी, उसकी आँखों में आँसू भर आए थे और वह चीख रही थी। “शशशश।” मैंने उसका मुँह ढक दिया, उसकी दहशत को शांत करते हुए मैंने उसके शरीर को दीवार पर पटक दिया। “अब, इससे दर्द हो सकता है,” मैंने चेतावनी दी, फिर अपना हाथ ऊपर उठाया और चाकू को उसके धड़ पर ज़ोर से घसीटा, चाकू का ब्लेड उसकी पसलियों को खरोंचता हुआ उसकी छाती से आगे बढ़ा और उसकी ग्रासनली को चीरता हुआ चला गया। मैंने ब्लेड को उसकी ठुड्डी के ठीक नीचे खींच लिया, और औरत की जान निकल गई और उसका शरीर आगे की ओर गिरकर मेरी छाती पर फिसल गया। मैंने उसका चेहरा पकड़ा, अपने खास रंग से उसके माथे को चूमा, और उसके शरीर को पीछे धकेल दिया, जो दीवार से टकराकर ज़मीन पर गिर पड़ा। मेरे हाथों और शरीर के अगले हिस्से पर खून लगा हुआ था। “धत् तेरे की।” मैंने नीचे देखा, जितना हो सके खून पोंछने की कोशिश की। "अच्छा हुआ कि मैंने आज लाल रंग पहना," मैं हंस पड़ी।
मैं मुड़ी और चुपके से बाथरूम से बाहर निकलने की कोशिश करने लगी, तभी एक आदमी रुका और मेरी तरफ देखने लगा। "अरे, अरे, क्या तुम ठीक हो?" खून देखकर वह मेरी तरफ दौड़ते हुए बोला।
धत् तेरे की! "हे भगवान, मदद करो!" मैंने तुरंत नाटक करते हुए चिल्लाकर कहा। "मेरी मदद करो!"
उसने मेरी बांहें पकड़ लीं और मेरे हाथ पर लगे खून को ध्यान से देखने लगा। "क्या हुआ?"
“यह तो मौत का फरिश्ता था! वह यहाँ है। उसने मुझे मारने की कोशिश की!”
उसने मुझे अपने पीछे धकेल दिया, मानो मेरी रक्षा कर रहा हो, और चारों ओर देखने लगा। "कहाँ?" उसने अचानक महिला का शव देखकर पूछा।
“लो।” वह मेरी ओर मुड़ा, मेरी तलवार ने उसकी त्वचा को सटीक रूप से काट दिया और वह लड़खड़ाकर पीछे हट गया, उसकी गर्दन से खून बहने लगा। “त-त-तुम—”
“म-म-म-ईईई,” मैंने उसका मज़ाक उड़ाया जब वह पीछे गिर गया। “भगवान, लोग हमेशा इतना हैरान क्यों हो जाते हैं जब उन्हें पता चलता है कि मैं कौन हूँ?” मैं नीचे झुकी, उसकी चौड़ी, भयभीत आँखें मुझे घूर रही थीं। “क्या मैं सच में इतनी मासूम

दिखती हूँ? या यह इसलिए है क्योंकि मैं एक औरत हूँ?" वह हांफने लगा, उसके मुँह में खून उबल रहा था। "यह इसलिए है क्योंकि मैं एक औरत हूँ, है ना? खैर, मुझे आपको निराश करने के लिए माफ़ करें।" मैंने उसके चेहरे पर एक थप्पड़ मारा, उसकी पुतलियाँ फैल गईं और उसकी आत्मा उसके होठों से निकल गई। मैंने ऊपर देखा, अदृश्य शक्ति को हाथ हिलाया। "बाय-बाय।" मैंने जल्दी से उसके गाल पर एक चुंबन दिया और रीफ़ को खोजने के लिए उछलती हुई चली गई।

बीच लगभग खाली हो चुका था, शायद दो दर्जन लोग ही रेत पर बचे थे, जो समुद्र में तैर रहे कुछ लोगों को आवाज़ दे रहे थे, और समझ नहीं पा रहे थे कि आखिर हो क्या रहा है। गोल्डन कोस्ट पुलिस विभाग के सभी लोग किनारे पर दौड़ रहे थे, मेरे नए शिकारों से बिल्कुल अनजान। बेवकूफ! मैंने चारों ओर देखा, और पाया कि बीच पर बने शॉवर खाली थे, जिससे मुझे अपने शरीर से खून साफ करने के लिए पर्याप्त एकांत मिल गया। बढ़िया!

मैंने अस्थायी बाँस की दीवारों के पीछे कदम रखा, अपने धूप के चश्मे और चाकू को एक तरफ फेंक दिया और शावर चालू कर दिया। मैंने गहरी साँस ली और आँखें बंद कर लीं, ठंडा पानी मेरे चेहरे पर बहता हुआ मेरे शरीर को भिगो रहा था। मेरे कानों पर तेज़ पानी के दबाव ने दूर से आ रही चीखों और घबराहट की आवाज़ों को दबा दिया, जिससे एक धीमी, खामोशी भरी धुन सी गूंज उठी।

"बैराकुडा," रीफ ने फुसफुसाते हुए मुझे अस्थायी दीवार से सटा दिया और मेरी बाहों को दोनों तरफ जकड़ लिया। "तुम्हारी त्वचा खून से लथपथ है।" उसने मेरी गर्दन के पिछले हिस्से को सूंघा और गहरी सांस ली। "हम्म, अच्छी खुशबू है।"

उसके हाथ मेरे हाथों से हटकर मेरे शरीर के हर इंच को सहलाते हुए मुझे छू रहे थे। "कैसा रहा?" मैंने धीमी आवाज़ में पूछा। "मैंने तुम्हें उस सर्फर पर हमला करते देखा। तुम शानदार थीं।"

उसने मेरी गर्दन चूमना शुरू कर दिया। "ओह, हाँ? तो, मैंने उस सर्फर और किसी नशे में धुत आदमी को पटा लिया। उसे तब तक पता ही नहीं चला कि क्या हो रहा है जब तक बहुत देर नहीं हो गई।" उसने मेरी गर्दन पर ज़ोर से काटा, अपने दाँत मेरी त्वचा में गहरे तक गड़ा दिए, और साँस लेते हुए उसका लिंग मेरी पीठ से टकराया। "और अगर मैं तुम्हें सही से सूंघ रहा हूँ, तो तुमने भी दो शिकार किए हैं।"

"सावधान रहो, मैंने टैम्पोन पहना हुआ है।" मुझे शर्म आ गई, क्योंकि मुझे पता था कि ऐसी बात कहना कितना हास्यास्पद लगता है।

"मुझे लगता है मुझे इसे ठीक करना होगा।" उसने मेरे शरीर को पलट दिया और झुकते हुए अपने हाथों को धीरे-धीरे मेरी कमर पर फेरा। उसकी उंगलियों ने मेरी बिकिनी बॉटम की डोरी खींची और बड़ी आसानी से उसे खोलकर एक तरफ फेंक दिया। रीफ ने सूती डोरी देखी और मुझसे नज़रें मिलाते हुए आगे झुककर उसे अपने दांतों से पकड़ लिया। उसने मेरी जांघों को कसकर पकड़ा और धीरे-धीरे खून से सना टैम्पोन मेरे अंदर से बाहर निकाल दिया। उसने उसे गिरा दिया और तुरंत अपनी गर्म जीभ से उसे ढक दिया, और मुझे सिसकते हुए देखता रहा।

रीफ ने ज़रा भी देर नहीं की, उसने बड़ी सावधानी से मेरा एक पैर अपने कंधे पर रख लिया। मैं बाँस की दीवार का सहारा लेकर खुद को संभालने की कोशिश कर रही थी और गलती से शावर का एक नॉब चालू हो गया। उसने मुझे पकड़ रखा था और उसकी मांसपेशियां उभर रही थीं। मेरी पीठ दीवार से लगी हुई थी और मेरी उंगलियाँ उसके बालों में उलझी हुई थीं। ठंडे पानी के गर्म होते ही उसकी जीभ मेरे अंदर चलने लगी। रीफ ने अपनी जीभ घुमाते हुए उसे और अंदर तक धकेल दिया; मुझे अंदर बहुत अच्छा लग रहा था, लेकिन मुझे और चाहिए था।
“मैं तुम्हारी उत्तेजना महसूस कर सकता हूँ।” उसने मेरे कान में साँस छोड़ते हुए कहा।
“मुझे इसे और बढ़ाने दो।” उसने अपना मुँह खोला और मेरी क्लिटोरिस को धीरे से काटा, जिससे मेरी नसों में बिजली सी दौड़ गई।
"ओह, धिक्कार है!" मैं चीख उठा, लगभग तुरंत ही चरम सुख प्राप्त कर लिया।
रीफ ने उसी संवेदनशील जगह पर उंगली मारी और मुझसे दूर हट गया। उसने मेरी तरफ मुस्कुराते हुए देखा, मेरे मासिक धर्म का खून उसके चेहरे पर लगा हुआ था, जो पानी के बहते ही उसकी छाती पर फैल गया। "मैंने तुमसे कहा था।" वह खड़ा हुआ और मुझे वापस घुमा दिया। "तुम्हारा चरम सुख अब मेरा है।" उसने अपना लिंग मेरे अंदर डाला और मेरी कमर को कसकर पकड़ते हुए तुरंत मेरे शरीर में ज़ोर से धक्के मारने लगा।
मैं थोड़ा आगे झुक गई, जिससे उसे मेरे अंदर और गहराई तक जाने का मौका मिल गया। मेरे स्तन बांस की दीवार से दब गए, मेरे स्विमसूट का मोटा कपड़ा फिसल रहा था और मेरी नंगी निप्पलें खुरदुरे कपड़े से रगड़ खा रही थीं। पास से आती चीखों की आवाज़ ने मेरी खुशी को और बढ़ा दिया, क्योंकि मैं जानती थी कि इसका मतलब है कि मेरे शिकार पकड़े जा चुके हैं।
मेरे नाखून दीवार में गड़ गए, मेरी तेज़ आहें बीच शॉवर में गूंज उठीं। रीफ़ भी मेरे साथ कराह रहा था, हम दोनों अपनी ही एक कामुक धुन बना रहे थे, जिसकी आवाज़ और लय बढ़ती जा रही थी। उसने अपनी गति बढ़ा दी, और मुझे ज़ोर से दबाते हुए, मैं चीख पड़ी, उसके लिंग पर चरम सुख का अनुभव किया। रीफ़ भी जल्दी ही चरम पर पहुँच गया, उसका वीर्य मेरे अंदर फूट पड़ा, मेरे खून में मिल गया। उसने अपने दोनों हाथ मेरे सिर के ऊपर रख दिए, और कराहते हुए उसका लिंग धड़क रहा था, मेरा शरीर उसके चारों ओर सिकुड़ रहा था। उसने मेरी गर्दन पर साँस छोड़ी, और मुझे काटा। "तुम्हें अंदाज़ा भी नहीं है कि तुम कितनी अच्छी लग रही हो, तुम्हारा स्वाद कितना अद्भुत है।" उसने मेरी त्वचा को चूमा, अपने हाथों को मेरे नंगे स्तनों पर फेरा, और जानबूझकर मेरे निप्पल्स को रगड़ा। "और तुम पूरी तरह से मेरी हो।"
सीटी की आवाज़ ने हमारे उस खास पल को भंग कर दिया। रीफ़ ने अनिच्छा से अपना लिंग बाहर निकाला, हमारा वीर्य और खून मेरी टांग पर रिसकर गंदगी फैला रहा था। उसने मुझे साफ़ करने में मदद की, और कपड़े पहनते हुए उसने भी अपना शरीर धोया और फिर अस्थाई दीवार के पीछे से झाँका।
समुद्र तट से किसी ने चिल्लाकर कहा, "शार्क!" और उसने समुद्र की ओर इशारा

किया।
मैं अचंभित होकर पानी की ओर देखने लगा और देखा कि एक बड़ी शार्क एक अकेले तैराक का पीछा कर रही है। मैंने रीफ की ओर देखा, जो शार्क को देखते हुए गर्व से मुस्कुरा रहा था। "रुको—यह कौन है?" मैंने उलझन में पूछा।
रीफ हँसते हुए बोला, "यह मेरा लड़का ब्रूस है।" मैंने पलकें झपकाईं। "क्या? तुम्हें लगा कि मैं अकेली ही ऐसी हूँ?"
हे भगवान!

ग्यारह

दलीला

“डेलीला, उठो। उठो!” चेरी ने मेरा हाथ हिलाया, जिससे मैं चौंक गई और अचानक होश में आ गई।
“चेरी?” मैंने ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की, मेरी आँखें अभी भी पूरी तरह से खुली नहीं थीं। “क्या हुआ?”
उसने मेरी ओर देखा, बोलते समय उसकी चॉकलेट जैसी आंखें चमक उठीं। "ये तुम्हारे पापा हैं।"

चेरी और मैं डेल की मछली पकड़ने वाली झोपड़ी की ओर दौड़े, हमारे स्केट के पहिए तेज़ी से घिस रहे थे। चेरी ने जब मुझे मेरे पिता की शार्क का शिकार करने की योजना के बारे में बताया, तो मुझे पता था कि मुझे उन्हें रोकना ही होगा। नहीं तो, रीफ मेरे पिता का शिकार बन जाएगा।
हम दोनों डेल की झोपड़ी के सामने के दरवाजे से अंदर घुसे और वहाँ की भयावह समुद्री सजावट देखकर दंग रह गए। दीवारों का हर इंच अलग-अलग आकार और प्रकार के शार्क के जबड़ों से भरा हुआ था, जो फर्श से छत तक ऐसे फैले हुए थे मानो उन्हें सजाकर रखा गया हो। यह सब देखकर मुझे घिन आ रही थी, मेरी उंगलियाँ रीफ के शार्क के दांत को पकड़े हुए थीं और मैं सोच रहा था कि कितने और दांत उसके जैसे ही रहे होंगे।
चेरी ने मुंह बनाते हुए नाक सिकोड़ी और पूछा कि यह भयानक बदबू कैसी है।
"दोस्त," मैंने जवाब दिया। हम उस छोटी सी लकड़ी की संरचना से होते हुए स्केटिंग करते हुए पीछे की ओर निकले, तभी मेरे पिताजी ने डेल की ओर एक रस्सी फेंकी, जो अपनी नाव के किनारे पर बैठा था। "पिताजी!" मैं चिल्लाया और छोटे से लकड़ी के

घाट पर दौड़कर उनके पास पहुंचा।
“डेलीला?” वह मुड़ा। “तुम दोनों यहाँ क्या कर रही हो?”
"अवैध प्रवेश," डेल ने नाव से मुंह बनाते हुए गुस्से से कहा।
मेरे पिता ने उसे एक नज़र देखा और मेरी ओर मुड़ गए, तभी चेरी मेरे पास आकर खड़ी हो गई। “मैंने सुना है कि तुम शार्क का शिकार करने जा रहे हो। क्या यह सच है?” उसने सिर हिलाकर जवाब दिया।
“देखो, किसी को तो इसे रोकना ही होगा। बहुत से लोग मर चुके हैं।” वह मुड़ा और डेल की नाव की ओर चलने लगा।
“मौत के फरिश्ते का क्या हुआ?” मैंने उसे होश में लाने की कोशिश करते हुए चिल्लाकर पूछा। “मैंने सुना है कि उन्होंने त्योहार के दौरान दो और तटीय सैनिकों को मार डाला।”
मेरे पिता के रुकते ही डेल ने अजीब से भाव से मेरी ओर देखा और मेरी ओर मुड़कर बोले, “मैंने अपने आदमियों को इस काम में लगा दिया है। देखो, मौत के फरिश्ते ने पिछले कुछ हफ्तों में उतने लोगों को नहीं मारा है जितने उसने पश्चिमी तट पर हत्याएं शुरू करने के बाद से मारे हैं। अगर कुछ है तो, अब इस मामले को निपटाने का बिल्कुल सही समय है। अब, घर जाओ, डेलिला। आदमियों को इसे संभालने दो।”
डेल ने उन्हें नाव पर चढ़ने में मदद की।
चेरी और मैं असहाय होकर वहीं खड़े रहे और डेल को इंजन चालू करते हुए देखते रहे। नाव धीरे-धीरे घाट से दूर समुद्र में चली गई। "अब क्या?" चेरी ने अपनी बांह मलते हुए पूछा।
मुझे रीफ को ढूंढना था।

“रीफ़!” मैं चिल्लाया और लड़खड़ाते हुए उसकी निजी खाड़ी की ओर बढ़ा। “रीफ़!” मैं जल्दी से पानी के किनारे पहुँचा और अपने स्केट्स नीचे रख दिए। नीला पानी एकदम साफ़ था, उसमें कोई शार्क नहीं थी। धिक्कार है, तुम कहाँ हो? और मैं तुम्हें कैसे ढूँढूँ?
मेरे दिमाग में एक विचार कौंधा।
मैंने जल्दी से अपने लाल एथलेटिक शॉर्ट्स और पैड लगी पैंटी वाली पारदर्शी लॉन्जरी उतार दी। मैंने उन्हें रेतीले किनारे पर फेंक दिया और धीरे-धीरे पानी में उतर गई, तब तक चलती रही जब तक पानी मेरे सीने तक नहीं पहुँच गया। "रीफ़?"

बारह

रीफ

उसके खून की गंध मेरी नाक में घुस गई, उसकी मादक, धातु जैसी सुगंध ने मेरी पुतलियों को फैला दिया। बैराकुडा। मैंने अपनी सांस रोक ली और उसकी गंध की ओर तैरने लगा—यह मेरी खाड़ी से आ रही थी।

“रीफ़!” मेरा नाम उसके खूबसूरत होंठों से गूंजा, और जैसे ही मैंने उसे दूर से देखा, आवाज़ मेरी ओर धीमी होती चली गई। वह आधी पानी में थी, सिर्फ़ एक गीली, सफ़ेद टी-शर्ट पहने हुए, जिससे उसके सुडौल स्तन दिख रहे थे। मैं थोड़ा सा तैर गया, इस उम्मीद में कि मैं किसी की नज़र में न आऊं, ठीक उसी रात की तरह जब हम पहली बार मिले थे।

“रीफ, मुझे तुम्हारी जरूरत है!”

मुझे भी तुम्हारी ज़रूरत है, मेरी प्यारी। मैं समुद्र की तलहटी तक रेंगता हुआ गया और उसके पास पहुँचकर उसके टखनों को पकड़ लिया। वह हांफने लगी, मेरे हाथों ने उसे नीचे खींच लिया, उसके पैरों को मेरे चारों ओर इस तरह लपेट लिया कि वह मेरे चेहरे पर एकदम सही से बैठ गई। उसकी उंगलियों ने मेरे बालों को खींचा, उसके चौड़े मुंह से बुलबुले निकल रहे थे, जब मैंने अपनी जीभ से उसके गुप्तांग को सहलाया, उसके शरीर से मासिक धर्म का खून चाटा। हे भगवान, उसका स्वाद कितना अद्भुत था! मैंने अपनी जीभ को आखिरी बार उसके अंदर डाला, फिर हमारे शरीर सतह पर आ गए।

“रीफ!” चिल्लाते हुए उसने मुझ पर पानी उछाल दिया। मैं हँसे बिना नहीं रह सका जब वह उत्तेजित और घबराई हुई सी वहाँ पानी में चलने लगी। “सुनो, मुझे तुम्हें कुछ बताना है।”

मैं उसकी ओर तैरकर गया, उसे गले लगाया और उसके पैरों को अपने चारों ओर लपेट लिया। "सुनो, मैं तुम्हारी बात सुनूंगा, लेकिन पहले तुम मेरे साथ कुछ करो।"

“रीफ, सच में। यह तो—”

“चलो ना, बैराकुडा। बस एक छोटी सी बात।” मैं उसके करीब झुका और अपना माथा उसके माथे से छू लिया। मेरा लिंग उसके गुप्तांग से सटा हुआ था, जो मेरे शॉर्ट्स के नीचे उभरा हुआ था।

डेलीला ने हांफते हुए कहा, "इसमें कुछ भी छोटा नहीं है।" उसने मेरी आँखों में देखा, उसकी नीली पुतलियाँ समुद्र के पानी के बीच चमक रही थीं। वह बेहद खूबसूरत थी। "ठीक है। तुम्हें क्या पसंद है?"

मैंने मुस्कुराते हुए उसे छोड़ दिया और पीछे हट गया। वह मेरी हरकत को समझ नहीं पा रही थी, इसलिए उसने हैरानी से मेरी तरफ देखा। "तुम तैरो, मैं शिकार करता हूँ।" उसकी भौंहें तन गईं, और मैंने आँख मारते हुए धीरे-धीरे पानी के नीचे वापस चला गया।

"ओह शिट!" वह हंसते हुए चिल्लाई और तैरकर दूर जाने लगी।

बस, बैराकुडा, तैरो। मैं तुम्हारे पीछे आ रहा हूँ।

मैंने अपने पैर पटके, हाथों से पानी में हाथ-पैर चलाए और तैरकर दूर जाने की कोशिश की, लेकिन रीफ बहुत तेज़ था, यहाँ तक कि इंसान होने के बावजूद भी। गहरी साँस लेकर मैं पानी में कूद गया और तैरकर दूर जाने की कोशिश की, लेकिन उसने मेरी टखने को पकड़ लिया और मुझे वापस अपनी ओर खींच लिया।

हम दोनों पानी की सतह से ऊपर आ गए और मैं जोर से हंस पड़ी, रीफ ने भी मेरी हंसी में साथ दिया। "मैं जीत गया," उसने मेरे कान के पास फुसफुसाते हुए कहा और उसे हल्के से काट लिया।

मैं दर्द से कराह उठी, पानी में ही उसके साथ संबंध बनाने की तीव्र इच्छा को दबाते हुए। "रीफ, सुनो।" वह मेरी गर्दन चूमता रहा, उसके हाथ मेरे स्तनों को सहला रहे थे। "मुझे तुम्हें कुछ बताना है।"

उसने मुझे घुमाते हुए मुस्कुराया, और मैं उसे पकड़े रही। "क्या तुम्हें लगता है कि तुम मेरे लिंग पर सवार होकर मुझे बता सकती हो?" उसने चिढ़ाते हुए कहा। हे भगवान, मैं तुम पर सवार होना चाहती हूँ।

“मेरे पिताजी और डेल तुम्हें ढूंढने के लिए आ रहे हैं।” मैंने गुस्से में ये शब्द कहे, क्योंकि मुझे पता था कि अगर मैंने ये बात जल्दी नहीं कही तो मैं खुद को रोक नहीं पाऊँगी।

रीफ की मुस्कान फीकी पड़ गई जब उसने मेरी ओर देखा, और मेरी कही बात को समझने की कोशिश करने लगा। "क्या?"

मैंने रीफ को सब कुछ बता दिया। उसने चुपचाप मुझे खाड़ी के किनारे तक पहुँचाया ताकि मैं कपड़े पहन सकूँ। "अब हम क्या करेंगे?" मैंने अपनी शॉर्ट्स ठीक करते हुए पूछा।

“हम?” उसने मेरी तरफ देखा।

“हाँ, हम। मेरे पिताजी भले ही मुखिया हों, लेकिन वो मेरे पिताजी ही हैं। मैं नहीं चाहती कि उन्हें कुछ हो... चाहे हमारा अतीत कैसा भी रहा हो।” मैंने अपनी बाहें मोड़ लीं, दर्द भरी यादों को पीछे धकेलते हुए। “मेरा मतलब है, उन्हें रोकने का कोई न कोई तरीका तो होना ही चाहिए। काश कोई ऐसा तरीका होता जिससे हम उन्हें नाकाम कर पाते—” मैं रुक गई, एक बेहतरीन योजना के बारे में सोचते हुए। “रीफ, क्या तुम वहाँ जा सकते हो? नाव तक?”

उसने अपना सिर झुकाया और बाहें मोड़ लीं। "बेशक। असली सवाल तो यह है कि क्या तुम मेरी रफ्तार को संभाल पाओगे?"

मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "मैंने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।"

जैसे ही सूरज पूरी तरह डूब गया और अंधेरा छाने लगा, रीफ मेरे पास तैरता हुआ आया, उसका विशाल शार्क जैसा रूप भव्य और शक्तिशाली था। मैं उसके साथ-साथ चप्पू चलाता रहा, उसकी ऊपरी फिन को कसकर पकड़े हुए था क्योंकि वह गति पकड़ने लगा था। वह कोमल उत्साह के साथ तैर रहा था, मुझे पकड़े रहने से सावधान था क्योंकि हम डेल की मछली पकड़ने वाली नाव की दिशा में बढ़ रहे थे। कुछ ही मिनटों में, मैं अंधेरे में लहरों के बीच हिलती हुई पुरानी, जर्जर नाव को देख सका। वह कुछ मील आगे थी और लंगर डाले खड़ी थी।
जैसे-जैसे हम करीब आते गए, मैंने रीफ की पीठ थपथपाई और अपनी सांस रोक ली क्योंकि वह धीरे-धीरे हमें अंधेरे पानी की गहराई में ले जा रहा था। हम जल्दी से नाव के किनारे तक तैर कर पहुँच गए और किसी की नज़र में नहीं आए।
मैंने उसकी पीठ पर फिर से थपथपाया, तैरते हुए रीफ का फिन छोड़ दिया और धीरे से पानी की सतह पर आ गया। चारे ने मेरे चारों ओर पानी को मथ दिया, उसकी दुर्गंध से मेरी इंद्रियां घुट रही थीं और कठोर, आक्रामक लहरें खून से सना पानी मेरे मुंह में डाल रही थीं। मैंने घृणा से उसे थूक दिया।
मैंने किनारे पर लटकी रस्सी का एक टुकड़ा पकड़ा और खुद को ऊपर खींचने की कोशिश करने लगी, मेरे नंगे पैर फिसल रहे थे। मैंने देखा कि रीफ तैरता हुआ मेरे पास से गुजरा और मुझे ऊपर धकेलने लगा ताकि मैं नाव के किनारे पर चढ़ सकूँ। मैंने किनारे को पकड़ा और खुद को ऊपर खींच लिया, और उसे तैरते हुए दूर जाते हुए और हमारी योजना के अगले हिस्से की तैयारी करते हुए देखा।
रीफ ने जो कहा था, उसे याद रखो, मैंने मन ही मन दोहराया, नाव के किनारे पर झुकते हुए, केबिन की ओर धीरे-धीरे बढ़ते हुए, रीफ का इंतज़ार करते हुए, मैंने उसके द्वारा दी गई जानकारी को दोहराया। मैंने अंधेरे समुद्र में देखा, उसकी नाव का फिन लहरों को चीरता हुआ नाव के चारों ओर चक्कर लगाने लगा। मैंने स्थिरता के लिए रस्सी को कसकर पकड़ लिया, खुद को संभालते हुए।
रीफ ने मछली पकड़ने वाली नाव को हल्का सा धक्का दिया, जिससे वह आगे-पीछे हिलने लगी। मेरे पिता और डेल दोनों केबिन के अंदर से दौड़कर बाहर आए और उन्हें तुरंत रीफ दिखाई दिया।
“यह काम कर गया!” डेल चिल्लाया। “पानी में चारा डालने से फायदा हुआ! हाँ! अरे, देखा? यह हमारी शार्क है, चीफ!”
“हाँ, हाँ, अब हम क्या करें?” मेरे पिताजी लड़खड़ाते हुए चिल्लाए।
“अब हम इसे खत्म करते हैं।” डेल ने अपनी शॉटगन उठाई और उसमें गोलियां भरनी शुरू कर दीं।
“क्या तुम्हें सच में लगता है कि इससे यह रुक जाएगा?” मेरे पिताजी ने चिल्लाकर पूछा।
डेल ने हथियार को लोड किया और रीफ के लौटने का इंतजार करते हुए निशाना साधा। "हमें जल्द ही पता चल जाएगा।"

ठीक उसी समय, रीफ ने नाव को दूसरी बार हिलाया, जिससे दोनों आदमी ज़मीन पर गिर पड़े। तभी मैं चुपके से निकलकर केबिन में घुस गया। वे गालियाँ बकते हुए खड़े होने की कोशिश कर रहे थे, तभी मैंने वही किया जो रीफ ने कहा था—मैंने नाव को नुकसान पहुँचाया। मेरे हाथ ने रेडियो के तार खींचे, बिजली के तारों से चिंगारियाँ निकलीं और मैं चीख पड़ा।

“वो क्या था?” जैसे ही मैं छिपने की कोशिश करते हुए झुका, डेल मेरी ओर झपटा। “चीफ, क्या आपने वो आवाज़ सुनी?” उनके कदमों की आवाज़ तेज़ होती गई और वे मेरी ओर बढ़ने लगे। मैं घबरा गया और बाहर निकलने का दूसरा रास्ता खोजने लगा... लेकिन कोई रास्ता नहीं था।

केबिन का हैंडल घूमते ही नाव फिर से हिल गई, जिससे केबिन में थोड़ा सा पानी रिसने लगा और बाहर खड़े लोग अंदर गिर पड़े। वे नाव के किनारे की ओर भागे, संतुलन बनाए रखने के लिए लड़खड़ाते हुए, तभी डेल ने पानी पर निशाना साधा। नहीं, रीफ!

मैं केबिन के गीले फर्श पर रेंगता हुआ, दरवाज़ा थोड़ा खोलकर डेक पर आ गया। डेल पानी में गोलियां चला रहा था और मेरे पिता ने अपने कान ढँक रखे थे। डेल के बंदूक में गोलियां भरते ही गोलीबारी रुक गई, खाली कारतूस डेक पर खटकने लगे। मैं नाव के किनारे पर रेंगता हुआ नीचे उतरने की कोशिश कर रहा था, तभी किसी ने मुझे खींचकर वापस नाव पर चढ़ा लिया।

“देखो तो यहाँ कौन है!” डेल चिल्लाया और मुझे धक्का देकर नीचे गिरा दिया, जिससे मैं अपने पिता के पैरों पर गिर पड़ा। “हमारा अपना छोटा सा शरारती बच्चा।”

“डेलीला, तुम यहाँ बाहर क्या कर रही हो?” मेरे पिता ने मुझे डांटते हुए मेरा हाथ पकड़ा और मुझे जबरदस्ती खड़ा कर दिया। “जवाब दो, जल्दी करो!”

“चीफ।” डेल ने मेरे पिता को अपने पास बुलाया। उन्होंने मेरा हाथ कसकर पकड़ रखा था और मुझे घसीटते हुए अपने साथ ले गए, जबकि डेल ने चिंगारियां बिखेरते तारों को उठाया। “लगता है आपकी बेटी नहीं चाहती कि हम शार्क को ढूंढें।”

मेरे पिता के हाथ के पिछले हिस्से से थप्पड़ पड़ते ही मेरे गाल में जलन होने लगी। मैं ज़मीन पर गिर पड़ी, पानी मेरे जलते हुए चेहरे पर छलक रहा था। “मैं तुम्हारी अवज्ञा और अनादर से तंग आ गया हूँ।” मेरी आँखों से आँसू बहने लगे, उनके दुर्व्यवहार की सारी दबी हुई, दर्दनाक यादें मेरे दिमाग में उमड़ आईं। “तुम्हारी माँ के मरने के बाद, मैंने तुम्हें सही रास्ते पर लाने के लिए अपनी पूरी कोशिश की, फिर भी तुम यहाँ हो—अपनी माँ द्वारा दिए गए जीवन को बर्बाद कर रही हो!”

“चीफ।” डेल ने उनके कंधे पर थपथपाते हुए कहा। “यह वापस आ गया है।” दोनों आदमी डेस्क की ओर दौड़े, तभी रीफ उनकी ओर तैरता हुआ आया। “इंजन चालू करो!” डेल चिल्लाया, अपनी बंदूक तानते हुए। “अभी!”

मेरे पिता मेरे पास से धीरे-धीरे गुज़रे और नाव को चालू करने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए। “चालू क्यों नहीं हो रही?” उन्होंने फिर कोशिश की, और मेरी हंसी देखकर उनका गुस्सा भड़क उठा। वे एकदम भावहीन चेहरे के साथ मुड़े। “क्या किया

तुमने, दलिहा?" उन्होंने जबड़े कसते हुए पूछा। "बताओ।"
मैंने थूकते हुए कहा, "मुझे काट लो।"
मेरे पिता मेरे पास आकर खड़े हो गए। "इस दुनिया से तुम्हारी जान जानी चाहिए थी, तुम्हारी माँ की नहीं।" मैं जानती थी कि उनके हर शब्द का गहरा अर्थ था। मैं उनके काले दिल में उमड़ रहे दर्द और नफरत को महसूस कर सकती थी।
मैं उठ खड़ी हुई, आँखों में आँसू भरे हुए उसे घूरते हुए बोली, "माँ डरपोक थी। उसने तुम्हें हमें हर दिन पीटने दिया, जब तक कि वह इसे और सहन नहीं कर सकी। उसने भले ही बंदूक अपनी कनपटी पर रखी हो, लेकिन गोली तुमने चलाई।" उसने मेरा चेहरा पकड़ लिया और मेरे चोटिल, लाल गालों को कसकर दबा दिया।
डेल ने पानी में दो और गोलियां चलाईं। "चीफ! इंजन!" मेरे पिता ने मुझे पीछे धकेल दिया और नाव चालू करने के लिए दौड़ते हुए अपने जूते से मेरे चेहरे पर लात मारी। नाव का इंजन चालू होते ही मेरी नाक से खून बहने लगा। नहीं! मैंने अपना चेहरा पकड़ा और चारों ओर देखा। हम चल रहे थे।
डेल खुशी से चिल्लाते हुए घाट पर खड़ा हो गया और हमारे साथ शामिल हो गया। "इससे कम से कम हमारे बीच कुछ दूरी तो बन जाएगी।" उसने मेरी तरफ देखा और खून देखकर पूछा, "यहाँ क्या हुआ?"
मेरे पिता सामने घूरते हुए शांत स्वर में बोले, "अनुशासन।"
डेल ने अपनी टोपी उतार दी और खाट पर बैठते हुए मेरी ओर घूरने लगा, मानो मेरी तकलीफ का आनंद ले रहा हो। "तैयार हो जाओ, हम घूमने जा रहे हैं।"

चट्टान

जैसा हमने योजना बनाई थी, डेलीला समुद्र में वापस नहीं लौटी थी। उसके साथ क्या हुआ होगा, इस बात का बढ़ता डर मेरी रगों में दौड़ रहा था, जब मैं ठंडे पानी में तैरते हुए अंधेरे में उसकी तलाश कर रहा था। बैराकुडा, तुम कहाँ हो?
मछली पकड़ने वाली नाव का इंजन गड़गड़ाहट के साथ चालू हो गया और नाव रात के अंधेरे में चल पड़ी। धिक्कार है। डेलिलाह अभी भी नाव पर ही होगी, जो ठीक नहीं था। मुझे उन्हें रोकना होगा। कोई मेरी लड़की को नहीं ले जा सकता।
मैं नाव के पीछे पानी में तेजी से आगे बढ़ा, अपने और पतवार के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखी, और उसके ख्याल मेरे दिमाग में दौड़ रहे थे।
मैं तुम्हारे पास आ रहा हूँ, बैराकुडा।

तेरह

दलीला

डेल और मेरे पिता शराब पी रहे थे, और देखते ही देखते वे नशे में चूर हो गए। नाव के

धीरे-धीरे चलने के दौरान वे दोनों बेसुरी आवाज़ में गा रहे थे। मैं केबिन के कोने में दुबकी बैठी रही, मेरा चेहरा दर्द से तड़प रहा था, नाक से खून बहना आखिरकार बंद हो गया था। रीफ़ या किसी और शार्क का कोई निशान नहीं था। मैं बस चाहती थी कि रात खत्म हो जाए। मैं घर जाना चाहती थी।
“हे चीफ,” डेल ने लड़खड़ाती आवाज़ में कहा। “क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि आपकी बेटी के होंठ कितने लाल होते हैं?” मैंने उसे घूरकर देखा। “मतलब, वो हमेशा एक परफेक्ट शेड का लाल रंग लगाती है। मुझे यकीन है कि वो रंग बहुत जल्दी दाग भी छोड़ता होगा।”
मेरे पिता ने सिर हाथ पर टिकाते हुए कराहते हुए कहा, "मैं उन सब बातों के बारे में बात नहीं करना चाहता।"
“ठीक है।” डेल ने हाथ ऊपर उठा लिए। “मुझे यह बात दिलचस्प लगती है कि ये सारी हत्याएँ तभी शुरू हुईं जब वह शहर वापस आई।” मेरे पिता की भौंहें तन गईं। “कहिए, क्या आपने पश्चिमी तट पर पढ़ाई नहीं की थी?”
मेरे पिताजी एकदम से उठ खड़े हुए, आखिरकार उन्हें सारी बातें समझ आ गईं। “यह मुमकिन नहीं है।” मैं डरी हुई आँखों से उन्हें देखती रही, जैसे ही वे मेरी तरफ दौड़े। धिक्कार है! उन्होंने मेरी बांहें पकड़ लीं, मुझे खींचकर खड़ा किया और मेरा शरीर हिलाया। “डेलीला मैरी बेली, अभी सच बताओ!” मैं चिल्लाई, जैसे ही उन्होंने मुझे कसकर पकड़ा, मुझे दर्द हुआ। “क्या तुम मौत की फरिश्ता हो?” उनकी आँखें काँप रही थीं, उनके मुँह से शराब की बदबू आ रही थी। “मुझे जवाब दो!”
तभी नाव ज़ोर से हिली। रीफ़! मैं अपने पिता की बाहों से गिर पड़ी, और वो और डेल डेक की ओर भागे। मैं अपने हाथों और घुटनों के बल रेंगती हुई केबिन का दरवाज़ा पकड़े रही, और रीफ़ को मछली पकड़ने वाली नाव के चारों ओर चक्कर लगाते हुए देखती रही। मैंने एक क्रूर मुस्कान दी—वो मेरे लिए वापस आया था।
“यह हमें कैसे ढूंढ पाया?” मेरे पिताजी चिल्लाए।
डेल ने पीछे मुड़कर देखा और मेरी नज़रें उससे मिलीं, मेरी खुशी गायब हो गई और मैंने घबराकर निगल लिया। "ये वही है।" मैंने रीफ का दांत हाथ में पकड़ रखा था, तभी डेल मेरी तरफ दौड़ा और मुझे घसीटते हुए डेक पर ले आया। मैंने लात मारी और चिल्लाई, भागने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।
"उसकी?"
डेल ने मुझे नीचे पटक दिया, एक मछली पकड़ने वाला चाकू निकाला और मेरी ओर तान दिया, जिससे मैं दर्द से कराह उठा। "सोचो, चीफ। शार्क तब तक नहीं दिखी जब तक तुम्हारी बेटी अचानक प्रकट नहीं हुई, और अब वह वापस आ गई है? उन दोनों के बीच कुछ चल रहा है। मुझे ऐसा महसूस हो रहा है।" कसम से, मैं तुम्हें जान से मार दूंगा, डेल।
“तुम क्या कहना चाह रहे हो?” मेरे पिता ने पूछा।
जैसे ही मैं उठकर बैठा, डेल ने मेरी गर्दन पकड़ ली, ब्लेड मेरी आंख से कुछ ही इंच दूर था। "मेरा सुझाव है कि हम उसे चारा बनाएं।"

मेरे पिता एक मिनट तक चुप रहे, अपना सिर नीचे झुकाए हुए। "तुम्हें जो करना है करो।"
डेल हँसा और जीभ बाहर निकाल दी। "लगता है तुम तैरने जा रहे हो।" उसने मुझे छोड़ दिया और कुछ लेने के लिए थोड़ी देर के लिए दूर चला गया।
“नहीं। नहीं!” मैं रेंगकर दूर जाने की कोशिश कर रही थी, अपने पापा से गिड़गिड़ाते हुए, मेरी आँखों से आंसू बह रहे थे। “प्लीज पापा। प्लीज! उसे ऐसा मत करने दीजिए। प्लीज!”
मेरे पिता ने हाथ उठाकर मुझे चुप करा दिया। “तुमने अपनी कब्र खुद खोदी है। अब समय आ गया है कि तुम उसमें लेट जाओ।” वह चले गए और केबिन में प्रवेश कर गए, मुझे और डेल को वहीं छोड़ दिया।
“मैं तुमसे नफ़रत करती हूँ!” मैं चीखी जब डेल ने मेरे शरीर पर एक बड़ी रस्सी लपेटनी शुरू की। मैंने उसे लात मारी और खरोंचा, मेरे नाखूनों से उसका चेहरा कट गया, लेकिन उसने पलटवार किया और मुझे रोक लिया। “मैं तुमसे नफ़रत करती हूँ!” मैं फिर चीखी जब उसने रस्सी को किसी चीज़ से बांध दिया और मुझे घुटनों के बल बिठा दिया। “भाड़ में जाओ!” मैं चिल्लाई।
डेल ने रस्सी के आखिरी सिरे को खींचा और क्रेन ने मुझे ऊपर उठा लिया, मेरे हाथ पीछे बंधे हुए थे। वह मेरी ओर धीरे-धीरे बढ़ा और अपनी जेब से एक रुमाल निकाला। "देखते हैं तुम अपने उस प्यारे से छोटे मुंह के बिना कैसे रह सकती हो।" उसने रुमाल को गोल-गोल घुमाया और मेरे चेहरे को दबाते हुए उसे मेरे मुंह में ठूंस दिया, जिससे मेरा दम घुटने लगा।
“अरे, मैं तो लगभग भूल ही गया था!” डेल ने अपना चाकू निकाला और झुक गया। उसकी उंगलियाँ मेरी जांघ पर लिपट गईं, और धीरे-धीरे मुझे काटते हुए उसने चाकू की धार को मेरी त्वचा से छुआ। “थोड़ा खून बहाए बिना शार्क का शिकार नहीं किया जा सकता।” उसने रस्सी पकड़ी और मुझे नाव के पिछले हिस्से तक खींच लिया, फिर एक तरफ हटकर उसने एक हैंडल घुमाना शुरू कर दिया।
क्रेन ने मुझे पैरों से ऊपर उठा लिया, मेरा शरीर डेक से लगभग दो फीट ऊपर हवा में लटक रहा था। मैंने चीखने की कोशिश की, लेकिन रुमाल ने मेरी आवाज़ दबा दी। डेल ने मेरी टखने को पकड़ा और मुझे पानी के ऊपर टिका दिया, उत्साह से मुस्कुराते हुए। "क्या तुम अपनी एक और देर रात की तैराकी के लिए तैयार हो?" उसने क्रेन के पास आते हुए पूछा। मैंने सिर हिलाया, रोते हुए, मेरे पैर से खून टपक रहा था। "बहुत बुरा हुआ!"
जैसे ही उसने क्रैंक के ऊपर एक बटन दबाया, रस्सी तुरंत ढीली हो गई। मेरा शरीर पानी में जा गिरा और मैं तेज़ी से डूबने लगी, रुमाल के अंदर से ही मेरी चीख निकल गई। सतह पर किसी चीज़ के टकराने की आवाज़ ने मेरा ध्यान खींचा, मैंने ऊपर देखा तो डेल पानी में चारा डाल रहा था। मैंने अपनी भौंहें सिकोड़ीं और गुर्राई, मेरे मुँह के चारों ओर बुलबुले बन रहे थे। खारे पानी से मेरी जांघ जल रही थी और मेरा खून मेरे चारों ओर के गहरे पानी में घुल रहा था।

मैंने चारों ओर नजर घुमाई, अंधेरे में रीफ को ढूंढने के लिए बेचैनी से इधर-उधर देखा, इस उम्मीद में कि शायद वही मुझे सबसे पहले ढूंढ लेगा।
दूर से कुछ हलचल देखकर मेरा ध्यान उस ओर गया और मैं सामने घूरते हुए डर से कांप रहा था। एक विशाल सफेद शार्क तेज़ी से मेरे करीब तैरने लगी और मेरे चारों ओर चक्कर लगाने लगी। "तुम रीफ नहीं हो!" मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा और मैं घबराकर रस्सी से छूटने की कोशिश करने लगा।
शार्क ने घूरकर मुझे परखने की कोशिश की। मैं घबराकर अपने हाथ पीठ के पीछे हिलाने लगा, मेरी सांस फूल रही थी। धिक्कार है! शार्क मेरे पास से गुज़री, फिर मुड़कर सीधे मेरी तरफ तैरने लगी। धिक्कार है! धिक्कार है! धिक्कार है! मैं पानी में चीख उठा, तभी उस विशाल सफेद शार्क ने अपना मुंह खोला—और तभी उससे भी बड़ी कोई चीज़ उस पर हमला करने आ गई।
पानी खून से सना हुआ था। रीफ ने ग्रेट व्हाइट शार्क को अपने जबड़ों में जकड़ रखा था, और काटते हुए अपना सिर हिला रहा था। विशाल मछली के शरीर के टूटने की आवाज़ अंधेरे में गूंज रही थी। वह तब तक छटपटाता और लड़ता रहा जब तक कि वह उसके मुंह में बेजान होकर गिर नहीं गई।
रीफ ने उस विशाल शव को छोड़ दिया और मेरी ओर बढ़ते हुए वापस मेरे चारों ओर तैरने लगा। मेरी दृष्टि धुंधली होने लगी और मैं बेहोश होने लगा। मैं महसूस कर सकता था कि वह रस्सी तोड़कर मेरे शरीर को घसीट रहा है, लेकिन फिर सब कुछ अंधेरा हो गया। रीफ।

“डेलीला!” रीफ ने मुझे होश में आते ही झटक दिया, मैं खांस रही थी और पानी थूक रही थी, हवा मेरे फेफड़ों में तेज़ी से वापस आ रही थी। उसने मुझे कसकर पकड़ लिया, गले लगा लिया। “तुमने मुझे डरा दिया।” हम एक पल के लिए गले मिले, फिर से मिलकर खुश थे।

“र-र-रिफ,” मैं ठंड और थकान से कांपते हुए हकलाया।
वह पीछे हट गया और मेरी ओर घूरने लगा, जब मैं बोल रहा था। "हमें उन्हें मारना होगा।"
“डेलीला।” उसने प्यार से मेरे गाल को छुआ। “क्या तुम सच में ऐसा कह रही हो?”
मैंने सिर हिलाया। “हाँ। हमें यह करना ही होगा। आज रात ही।” उसने मुझे कसकर गले लगा लिया, जबकि मैं पास में हिलती हुई मछली पकड़ने वाली नाव को घूर रही थी। “मुझे नाव पर वापस ले जाना है।”
रीफ ने मुझे चूमा। "सावधान रहना, बैराकुडा।" मैं मुस्कुराई, आधी हंसते हुए और आधी रोते हुए, जब वह पानी में उतरा।

मैं कुछ पल के लिए समुद्र में चला गया, तभी वह फिर प्रकट हुआ और मुझे हल्के से धक्का दिया। मैंने उसका ऊपरी पंख पकड़ लिया, क्रोध और आक्रोश मुझ पर हावी हो रहा था, मैंने अपनी पिछली जेब से चाकू निकाला और उसे खोल दिया। "चलो इसे खत्म करते हैं।" मैंने रीफ की पीठ थपथपाई, और वह नाव की ओर तैरने लगा।
“मैं तुमसे कह रहा हूँ!” डेल चिल्लाया। “मुझे बिलकुल नहीं पता कि उसने यह कैसे किया, लेकिन वह बच निकली!”
“अरे यार, डेल! क्या तुम्हें कभी सही गांठ बांधना नहीं सिखाया?” वह और मेरे पिताजी बहस करते रहे, तभी रीफ ने मुझे नाव पर चढ़ने में मदद की, और मैं अपने दांतों के बीच चाकू दबाकर नाव पर चढ़ गया। जैसे ही मैं झुककर, चाकू को कसकर पकड़े हुए, चुपचाप इधर-उधर कदम रखते हुए, किसी की नजर में न आने की कोशिश कर रहा था, वह वापस पानी में उतर गया।
“मैं तुम्हें बताता हूँ, डेल। तुम इस झंझट को सुलझा लो, क्योंकि मैं वापस उस केबिन में जा रहा हूँ और सूरज उगने तक शराब पीता रहूँगा!” मेरे पिताजी केबिन में घुस आए और दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दिया, जबकि डेल नाव के पिछले हिस्से में गुस्से से खड़ा था।
मैं धीरे-धीरे उसके करीब गई, चाकू तैयार करके हाथ ऊपर उठाया, तभी वह मुड़ा और मुझे रोक दिया। "मुखिया!" वह चिल्लाया और मेरा हाथ जबरदस्ती खोल दिया, जिससे मेरा चाकू नीचे गिर गया। "मुखिया! मैंने उसे पकड़ लिया!" जैसे ही मैं लड़खड़ाकर गिरी, डेल ने मेरे पेट में एक घूंसा मारा। उसने मेरी गर्दन के पीछे से पकड़कर मुझे अपनी छाती से लगा लिया और अपना चाकू निकाल लिया, जिसकी धार मेरे गले को छूते हुए निकल आई, तभी मेरे पिता दौड़कर बाहर आ गए।
“अब रुको। इसे रोको। उसे जाने दो, डेल।” मेरे पिता धीरे-धीरे आगे बढ़े।
“उसे जाने दूं? तुमने मुझे उसे चारा बनाकर समुद्र में फेंकने दिया, और अब तुम चाहते हो कि मैं उसे जाने दूं?” जैसे ही मैं चीखी, उसने चाकू मेरी त्वचा पर और जोर से दबा दिया। “नहीं!”
“अब मेरी बात सुनो! मैं पुलिस प्रमुख हूँ! इसे छोड़ दो, वरना मुझे तुम्हें गिरफ्तार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।”
डेल बेतहाशा हंसने लगा, और ब्लेड मेरी त्वचा पर चलने लगा। "हे भगवान, तुम कितने मज़ेदार हो। लेकिन नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता।" मेरे पिता के मेरे साथ चिल्लाने पर वह ब्लेड को घसीटने लगा।
“रीफ!” मैं चिल्लाई।
लगभग तुरंत ही, रीफ नाव के पिछले हिस्से पर कूद पड़ा और मुझे डेल से अलग कर दिया, जिससे डेल पानी में गिर गया। मेरे पिता भी लुढ़क गए और उनका सिर ज़मीन पर जा लगा। मैं गीले डेक पर रेंगता हुआ गया, एक हाथ से अपनी गर्दन पकड़े हुए, मैंने रीफ की ओर मुड़कर देखा और मुस्कुराते हुए सिर हिलाया।
जैसे ही मैंने अपना सिर उठाया और ठंडी हवा में सांस छोड़ी, वह धीरे-धीरे पानी में डूब गया। क्या ही भयानक रात थी!

“दलीला,” मेरे पिता चिल्लाए, और मैंने सिर झुकाकर देखा तो वे पीठ के बल लेटे हुए थे, उनका चेहरा खून से लथपथ था। “मेरी मदद करो,” वे गिड़गिड़ा रहे थे। “कृपा करके।”
मेरे भीतर कुछ अंधेरा सा हिल गया। मैंने अपना चाकू पकड़ा, धीरे-धीरे खड़े होते हुए उसकी धार ज़मीन पर रगड़ खा रही थी। जैसे ही मैं उसके पास पहुंची, वह मुझे देखता रहा। “दलिल्लाह ये, दलिल्लाह वो। हे दलिल्लाह, मुझे बचाओ!” मैंने अपने बटरफ्लाई चाकू को लहराते हुए, उससे खेलते हुए कहा। “लड़के, अच्छा हुआ कि जब तुमने उसे मुझे चारा बनाने दिया, तब मैं डूबी नहीं!” मैंने गुस्से से कहा।
रीफ अचानक मेरे पास आ गया और उसने अपनी उंगलियां मेरी उंगलियों में फंसा लीं। मेरे पिता का चेहरा भावहीन हो गया, वे पूरी तरह से खो गए थे।
“पापा, ये रीफ़ है। रीफ़, ये मेरे पापा हैं, वो आदमी जिसने मुझे और मेरी माँ को रोज़ इतना पीटा कि मेरी माँ की मौत हो गई। फिर, उसने मुझे दुगनी तेज़ी से और दुगनी बार पीटा, जब तक कि मैं आख़िरकार भाग नहीं गया।” रीफ़ ने मेरे पिता को घृणा से देखा। “मैंने सोचा था कि छोड़कर मैं नई शुरुआत कर सकूँगी और एक सामान्य जीवन जी सकूँगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, है ना पापा?” मेरे पिता का खून बहता रहा और मैं गुर्राई। “नहीं, जब मैं आख़िरकार पश्चिमी तट पर पहुँचा, तो मैं स्कूल जाने लगा और वहाँ घुल-मिल गया... जब तक कि एक दिन, मैं एक बहुत ही शरारती स्थिति में फँस गया, और मेरे पिता का गुस्सा फूट पड़ा। मेरा उस पर कोई नियंत्रण नहीं था; बस हो गया। और फिर, यह बार-बार होता रहा, जब तक कि मुझे मजबूरन घर छोड़ना पड़ा। तो मैं वापस घर आ गया। अजीब बात है, मैंने सोचा था कि वापस आकर मेरी ज़िंदगी खत्म हो गई।” मैंने मुस्कुराते हुए रीफ़ की तरफ देखा। “लेकिन ये तो अभी शुरू हुई है।” उसने मुझे चूमा, हम दोनों एक-दूसरे की साँसों में साँस ले रहे थे। जैसे ही उन्होंने सिर हिलाकर मेरा हाथ छोड़ा, मुझे खुद को उनसे दूर करना पड़ा। मैं अपने पिता के ऊपर खड़ी होकर उनकी आँखों से बहते आँसू देख रही थी। "ओह, मैं लगभग भूल ही गई थी। रीफ आपकी खूंखार शार्क है। और मैं आपकी मौत की फरिश्ता हूँ, ज़ाहिर है," मैंने हँसते हुए कहा।
“तुम्हारे साथ क्या हुआ?” उसने पूछा।
मेरे चेहरे के भाव उतर गए और मैं घुटनों के बल बैठ गया। "तुमने किया।" मैंने चाकू उसके पेट में घोंप दिया, फिर झट से खींचकर वापस अंदर डाल दिया और यही क्रिया बार-बार दोहराई। मेरे पिता चीखने-चिल्लाने लगे, मदद के लिए गुहार लगाने लगे, जबकि मैं हंसता हुआ उनकी छाती और पेट में चाकू घोंप रहा था।
“मदद! मदद!” मैं हँसते हुए उसका मज़ाक उड़ा रही थी, उसके मांस के कुचलने की आवाज़ सुन रही थी, उसका खून मेरे चेहरे पर फैल रहा था क्योंकि मैं उसे चाकू मार रही थी। “तुम्हारी चीख कोई नहीं सुन सकता!” मैं रुक गई, अपनी पूरी ताकत लगाकर हाँफ रही थी। वह हाँफने लगा, उसकी लाल आँखें मुझ पर टिक गईं।
“बताओ, इतना बेबस होना कैसा लगता है?” मैंने पूछा। “यह जानना कि, अंदर ही अंदर, जो बुराई तुम अपने अंदर लिए फिरते हो और जिसे तुमने अपने परिवार पर

निकाला है, उसी ने यह सब किया है।” मैंने खुद की ओर इशारा किया। “यह जानना कैसा लगता है कि तुमने सिर्फ माँ को ही नहीं मारा—तुमने खुद को भी मार डाला?” उसने बोलने की कोशिश की, पर बोल नहीं पाया; मरते हुए, वह एकदम स्थिर पड़ा रहा और मेरी तरफ देखता रहा। उसकी मृत्यु से मुझे राहत मिली और मैं मुस्कुराया। आखिरकार। मैं आज़ाद हो गया।
रीफ ने मुझे उठने में मदद की। "अब क्या?" उसने मेरी गर्दन चूमते हुए मेरी पीठ सहलाते हुए पूछा।
मैंने उधर देखा तो मुझे एक नारंगी रंग की फ्लेयर गन दिखाई दी, मैंने उसे पकड़ लिया और मुस्कुराते हुए उसकी तरफ देखा। "मेरा सुझाव है कि हम इसे जला दें।"
रीफ के होंठ मेरी ही तरह उत्साह से मुड़ गए। "तुम्हें मिल गया, बैराकुडा।"
जब मैं अपने पिता के शव को घूर रही थी, तभी रीफ पानी में कूद गया। मैंने गुस्से से कहा, "तुम मेरे चुंबन के लायक नहीं हो।" मैं नाव के पिछले हिस्से की ओर चली गई, रीफ का पंख देखते ही धीरे से पानी में उतरी और उसकी पीठ पर बैठ गई। वह मुझे नाव से दूर ले गया, बस इतनी दूरी बनाए रखी कि मैं अपना हाथ उठाकर निशाना साध सकूं।
“नरक में जल जाओ, पिताजी।” मैंने ट्रिगर दबाया और फ्लेयर को सीधे नाव पर दाग दिया, जिससे वह तुरंत फट गई और आग का मलबा हमारे चारों ओर बिखर गया।

चौदह

दलीला

मैं रीफ के मेरे चेहरे को कोमल स्पर्श से सहलाने से जाग उठी, सूरज की तेज रोशनी मेरी आँखों में चुभ रही थी। "सुप्रभात, सुंदर।" उसने मुस्कुराते हुए मेरी ओर देखा और मुझे प्यार से चूमा।
“सुप्रभात।” मैंने मुस्कुराते हुए कहा। पिछली रात के बाद, हमने यहीं, अपने घर वापस आने का फैसला किया।
"कैसा महसूस कर रही हो?" उसने मेरी गर्दन पर चुंबन करते हुए पूछा।
“बहुत बुरा हाल है। हर जगह दर्द हो रहा है,” मैंने आंखें मलते हुए कराहते हुए कहा।
रीफ मेरे ऊपर घुटनों के बल बैठ गया, सावधानी से मेरी शॉर्ट्स उतारी और मेरे पैरों को अपने चारों ओर लपेट लिया। "क्यों न तुम लेट जाओ और मुझे तुम्हें तरोताज़ा करने दो?" उसने मेरे पेट को चूमा और उसके हाथ मेरी कमीज़ के नीचे चले गए। "मुझे तुम्हारा सारा दर्द मिटाने दो और तुम्हारी नसों को आनंद से भर देने दो, जैसे मैं तुम्हारी पूजा कर रहा हूँ।"
मैं उसके लिए तड़पते हुए धीमी सी आह भरी। बस इतना ही कह पाई, "हाँ।"
रीफ ने अपना लिंग हाथ में लेकर पीछे की ओर झुककर धीरे-धीरे उसे मेरे गुप्तांग पर

रगड़ा, मुझे चिढ़ाते हुए। जैसे ही उसने लिंग के सिरे से मुझे सहलाया, मैं तुरंत उत्तेजित हो गई और मैंने अपनी जांघों के बाहरी हिस्से को पकड़ लिया, उन्हें अलग रखते हुए, जैसे ही उसने मुश्किल से मुझे अंदर धकेला, धीरे से पीछे खींचा और फिर धीरे-धीरे पूरा अंदर धकेलने से पहले यही क्रिया दोहराई।
मेरी सांसें अटक गईं जब मैंने अपनी पीठ झुकाई, मेरा शरीर पहले से ही दर्द कर रहा था। रीफ धीरे-धीरे और नरमी से मुझे चूमता रहा, जानबूझकर अपना समय ले रहा था। वह नीचे झुका, मुझे चूमते हुए उसकी जीभ मेरे मुंह में घूम रही थी। मैंने अपनी जांघें छोड़ दीं और अपनी बाहों को उसकी गर्दन के चारों ओर लपेट लिया, उसे जाने देने से इनकार कर दिया। वह हँसा और मुझे और ज़ोर से चूमने लगा। मैं खुद को रोक नहीं पाई, उसके निचले होंठ को काट लिया जब वह कराहते हुए पीछे हटा। मैंने अपने दांतों से उसे कसकर पकड़ लिया, खून निकल आया, फिर उसे छोड़ा। "अपनी ज़बान संभाल कर रखो," उसने फुसफुसाया।
मैं आगे झुकी और उसके निचले होंठ से खून की बूंद चाट ली। "या फिर क्या?"
बिना किसी चेतावनी के, रीफ ने खुद को अंदर तक धकेल दिया, अपने लिंग को मजबूती से पकड़े हुए मेरी आँखों में देखते हुए बोला, "वरना मुझे इसे किसी ऐसी चीज़ से भरना पड़ेगा जिसे तुम काट न सको।" उसकी इस यौन धमकी से मेरी आँखें चमक उठीं।
मैं आगे झुकी और जैसे ही वह मेरे अंदर से बाहर निकला, मैंने उसे धीरे से लात मारकर पीछे धकेल दिया। "मुझे भर दो, पापा।"
रीफ ने अपना सिर मेरे सिर से टिका दिया। “मेरे पास एक बेहतर उपाय है।” उसने मुझे पलट दिया और रेत पर घसीटते हुए पीछे की ओर झुक गया, जिससे मेरे घुटने उसकी गर्दन से लिपट गए। मेरा चेहरा उसके लिंग के ऊपर था और उसके हाथ मेरी जांघों को सहला रहे थे। “मैं तुम्हें भर दूंगा, लेकिन मैं चाहता हूं कि तुम मेरा चेहरा गीला कर दो। अब बैठो।”
मैंने वही किया जो मुझे कहा गया था, हंसते हुए मैं हिल रही थी, हम दोनों को अपनी मनचाही चीज़ मिलने के विचार से उत्साहित थी। रीफ की जीभ मेरे अंदर सरक गई और उसके हाथों ने मेरे नितंबों को फैला दिया, और मैं उसके कंपन को महसूस करते हुए चीख पड़ी। मेरे मुंह में पानी आ गया जब मैंने अपनी जीभ उसके लिंग पर फेरते हुए उसके सिरे पर थूका। मैंने उसके मुड़े हुए घुटनों को पकड़ा और धीरे से खुद को नीचे किया। वह मेरी योनि में कराह उठा, और मैंने भी उसे उसी तरह भिगोते हुए आह भरी। वह मेरे मुंह में कांप उठा, प्रीकम मेरे होंठों के आसपास रिस रहा था जिसे मैंने निगल लिया और अपनी गति तेज कर दी। मेरे स्तन उसकी त्वचा से रगड़ खा रहे थे, मेरे निप्पल उत्तेजित हो रहे थे, जिससे मैं और भी ज्यादा उत्तेजित हो रही थी। मैं महसूस कर सकती थी कि मेरा शरीर उसमें पिघल रहा है, उसकी जीभ पर और आगे बढ़ रहा है, मेरी अपनी जीभ उसके चारों ओर लिपटकर उसके लिंग की नसों को छू रही है।
रीफ ने अपनी गति बढ़ा दी, उसकी आहें मेरे अंदर गूंज उठीं जैसे ही उसने मेरे मुंह में

और गहराई तक धक्के मारे, गर्माहट मेरी ग्रासनली में भर गई। उसकी उंगलियां मेरी त्वचा में धंस गईं जैसे ही उसने अपना कूल्हा ऊपर उठाया और उसका लिंग मेरे गले के पिछले हिस्से में जा घुसा। मैं घबरा गई, निगलते हुए जैसे ही उसने मेरे मुंह में वीर्य निकाला, मैं घुटन न होने देने की कोशिश कर रही थी क्योंकि वह कांप रहा था और मेरे गले में वीर्य की बौछार कर रहा था। उसकी उत्तेजना और नमकीन स्वाद मुझे चरम सीमा पर ले जा रहा था। मैं उसके चेहरे पर और पीछे झुक गई, चरम सुख के लिए तैयार हो रही थी तभी उसने अपनी जीभ हिलाई और मेरे नितंबों के बाहरी किनारे को सहलाने लगा, अपनी दो उंगलियां मेरी भीगी हुई योनि में डाल दीं। मैं हांफने लगी, उसके लिंग से खुद को छुड़ाते हुए चिल्लाई जबकि उसका वीर्य मेरे मुंह से रिसकर मेरे चेहरे पर बह रहा था। आनंद मेरे पूरे शरीर में फूट पड़ा और मैंने एक बार फिर उसके चेहरे पर वीर्य की बौछार कर दी। इस बार, मुझे पूरा भरोसा था। रीफ ने अपनी जीभ वापस मेरी योनि पर ले जाकर मुझे अपनी जीभ से ज़ोर-ज़ोर से चोदना शुरू कर दिया, मेरा शरीर उसके चारों ओर कस गया, मैं कांपने लगी और पूरी तरह से चरम सुख तक पहुंच गई। मैं वापस नीचे झुक गई और उसके गीले लिंग को चाटने लगी, जैसे-जैसे हम दोनों धीरे-धीरे होश में आ रहे थे।

उसने धीरे से अपनी जीभ हटाई और अपने चेहरे से मुझे सहलाने लगा। हांफते हुए उसने मेरे कान में फुसफुसाया, “मैं अपनी बाकी जिंदगी तुम्हें चूमते हुए बिताऊंगा, हर दिन हर मिनट। तुम बिलकुल परिपूर्ण हो।”

मैंने अपनी लार चाटी, उसे आखिरी बार चाटा और फिर पीछे झुककर कंधे के ऊपर से नीचे उसकी ओर देखा। "काश मैं शार्क होती। तब तो मैं एकदम सही होती।"

रीफ ने अपनी ठुड्डी मेरे गालों पर टिका दी और मुस्कुराते हुए मेरी तरफ देखा। "किसने कहा कि तुम नहीं हो सकते?"

पंद्रह

दलीला

मेरे गाल जल रहे थे, चेहरे पर फैली मुस्कान से उनमें दर्द हो रहा था। मैं खुशी से झूम उठी थी। मेरे पिता जा चुके थे, डेल जा चुका था, और मेरे पास रीफ था। सब कुछ एकदम सही था। मैंने चाबी दरवाजे की कुंडी में डाली और बिना किसी रुकावट के घुमा दी। यह सामान्य बात नहीं थी। अपने घर का दरवाजा खोलने से पहले मैं थोड़ी हिचकिचाई, और दरवाजा चरमराहट के साथ खुल गया।

“हेलो?” दिन का समय होने के बावजूद घर में अंधेरा था। “चेरी?” मैं अंदर गई और उसकी तलाश करने लगी। “मैं घर आ गई हूँ। मेरे पास तुम्हें बताने के लिए एक बहुत ही रोमांचक खबर है।” दरवाजा ज़ोर से बंद हो गया, जिससे मैं चौंक गई और मुड़कर देखा तो कमरा एकदम अंधेरा था।

सोफे के पास की एक बत्ती जल उठी। "हेलो, डेलाइला।" ये क्या बकवास है?
डेल मेरे सामने खड़ा था, चेरी उससे चिपकी हुई थी, उसकी आँखों से आंसू बह रहे थे और उसने मेरे सिर पर बंदूक तान रखी थी। "हे भगवान!" मैं चीख पड़ी। "चेरी, मेरी बात सुनो।" डेल के देखते हुए मैंने उसे शांत करने की कोशिश की। "जान, सब ठीक हो जाएगा। सब कुछ ठीक हो जाएगा।"
“उससे झूठ मत बोलो!” वह गुस्से से बोला, जिससे हम दोनों चौंक गए। “मैंने पुलिस को सब कुछ बता दिया है, डेलाइला। वे जानते हैं कि तुम कौन हो, तुमने क्या किया है, लेकिन असली बात तो तब भड़की जब मैंने उन्हें बताया कि तुमने अपने पिता की हत्या कैसे की।” वह चेरी के सिर से टिक गया, जो रो रही थी। “वे उसे पकड़ने आ रहे हैं।”
“ये क्या कह रहे हैं, दलिला?” वह हकलाते हुए बोली।
“प्लीज़, ऐसा मत करो,” मैं रोते हुए बोली। “उसे जाने दो। वो निर्दोष है, डेल। बस उसे जाने दो। मुझे ले जाओ।”
“हाँ, मैं ज़रूर करूँगा—लेकिन पहले तुम मुझे अपने दोस्त को मारते हुए देखोगे। और जब पुलिस आएगी, तो मैं कहूँगा कि मैंने आत्मरक्षा में ऐसा किया। भला कौन मुझसे बहस कर सकता है जब तुम मौत के फरिश्ते हो?”
“ये क्या कह रहा है, दलिहा?” वो डर के मारे चिल्लाई। मेरा चेहरा उतर आया, मैं उसे देखती रही, मेरे होंठ काँप रहे थे और आँसू मेरे गालों को जला रहे थे। “नहीं,” वो सिसकते हुए बोली। “नहीं। मुझे बताओ कि ये सच नहीं है।”
“चेरी—”
“नहीं!” वह चीख पड़ी।
दूर से पुलिस सायरन की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। "आह।" डेल मुस्कुराया और बंदूक की नली चेरी के सिर के पास ले गया। "समय समाप्त।" उसने ट्रिगर दबा दिया और चेरी का शरीर उसकी बाहों में ढीला पड़ गया।
जैसे ही मैंने उसका नाम पुकारा, मेरे कानों में तेज़ झनझनाहट गूंज उठी और मैं घुटनों के बल गिर पड़ी। “चेरी!” मेरा सीना दर्द से भर गया, मेरा दिल टूट गया जब डेल ने उसके शरीर को ज़मीन पर गिरा दिया, उसकी आँखें डर से जम गई थीं और वह मुझे घूर रही थी। मैं रेंगते हुए उसके पास गई, मेरे हाथ कांप रहे थे और मैं उसका नाम पुकार रही थी। मैंने उसके बेजान शरीर को अपनी छाती से लगा लिया, उसे कसकर पकड़ लिया और झुलाने लगी।
डेल ने बंदूक नीचे रखते हुए उपहास किया और सामने का दरवाजा खोला, पुलिस सायरन की आवाजें करीब आती जा रही थीं।
मैंने बंदूक पर एक नज़र डाली, मेरे दिल की धड़कन की आवाज़ मेरे कानों में गूंज रही थी और सब कुछ लाल हो गया था। मैंने चेरी के गाल पर चुंबन किया, सिसकते हुए उसे ज़मीन पर लिटाया और चुपचाप हथियार को पकड़कर खड़ी हो गई।
“तुम्हें पता है, मुझे नहीं लगता कि हालात इससे बेहतर हो सकते थे। क्या तुम्हें ऐसा लगता है?” जैसे ही मैंने बंदूक उसकी तरफ तानी, वह मुड़ा और उसकी घमंडी

मुस्कान गायब हो गई।
“नहीं।” मैंने ट्रिगर दबाया और उसकी आँख में गोली मार दी। वह लड़खड़ाते हुए दरवाजे से पीछे हट गया और पीठ के बल गिर पड़ा। मैं दरवाजे से अंदर घुस गया, अपनी बांह को मजबूती से पकड़े हुए बार-बार गोली चलाता रहा, गोलियां उसकी छाती में जा लगीं। मेरी बांह कांप रही थी और मैं जोर-जोर से सांस ले रहा था। सब खत्म।
“पुलिस!” मैंने गर्दन घुमाकर देखा तो एक पुलिस कार तेज़ी से पार्क हो रही थी और दो पुलिसवाले मेरी तरफ दौड़ रहे थे। धिक्कार है! मैंने बंदूक गिरा दी और समुद्र तट की ओर भागने लगा।
पुलिस मेरा पीछा कर रही थी, शहर भर में मेरा पीछा करते हुए, अन्य पुलिस की गाड़ियाँ भी उनके साथ शामिल हो गईं। गर्म फुटपाथ से मेरे पैर जल रहे थे, मैं रीफ की खाड़ी की ओर भागने की कोशिश कर रहा था, किसी भी कीमत पर वहाँ से निकलना चाहता था।
“रुको!” दूसरे अधिकारी ने चिल्लाकर कहा। “मैं तुम्हें गोली मार दूंगा!” उसने अपनी बंदूक निकाली और मेरी तरफ गोली चला दी। मैं गोली से बच गया, मुड़ते ही मेरी गति बढ़ गई और मैं रेत के टीलों से नीचे गिरकर समुद्र तट पर लुढ़क गया। मैंने जल्दी से अपना संतुलन वापस पाया और खाड़ी की ओर भागा।
पुलिस अधिकारियों ने मेरा पीछा किया और तेज़ी से मेरे करीब पहुँच गए, तभी अचानक एक अधिकारी प्रकट हुई और मुझे रेत पर गिरा दिया। "नहीं!" मैं चीखी, क्योंकि उसने मुझे अपने पैरों के बीच दबा लिया और मेरे हाथ पीछे की ओर हथकड़ी लगा दी। "मुझे छोड़ दो!" मैं चिल्लाई, तभी मुझे पानी में एक मछली का पंख दिखाई दिया। "रीफ़!" मैं चीखी। वह महिला खड़ी हुई और मुझे अपने साथ खींचते हुए बाकी अधिकारियों की ओर ले गई।
"अब हमने तुम्हें पकड़ लिया, मृत्यु के देवदूत," उसने हंसते हुए कहा।
मैंने पीछे मुड़कर उसकी तरफ देखा। नहीं, तुम ऐसा नहीं कर सकते!
मैंने अपना सिर पीछे की ओर झटका और ज़ोर से उस महिला की नाक पर मारा, जिससे वह दर्द से चीख उठी और उसके चेहरे से खून बहने लगा। उसने मुझे छोड़ दिया और अपनी चोट को पकड़ लिया, जबकि मैं पानी की ओर दौड़ने लगा। "उसे रोको!" पुलिस अधिकारी मेरे पीछे आते हुए चिल्लाए। "उसे भागने मत दो!"
जैसे ही मैं पानी के किनारे पहुँचा, महिला अधिकारी अपनी बंदूक को लेकर परेशान हो गई, और जैसे-जैसे मैं गहरे पानी में धंसता गया, मेरे पैर समुद्र में छप-छप करते हुए गिरे। जैसे ही मेरा शरीर आगे की ओर गिरा और डूबने लगा, महिला ने गोली चला दी।
“क्या हुआ?” किसी ने चिल्लाकर पूछा। “क्या तुमने उसे बचा लिया?”
वह महिला मेरी लाश की तलाश में पानी की ओर दौड़ी। "मुझे वह कहीं नहीं दिख रही!"
“सावधान!” किसी ने समुद्र की ओर इशारा करते हुए कहा, तभी एक नहीं बल्कि दो शार्क के पंख तैरते हुए दूर चले गए। “शार्क!”

महिला ने देखा कि एक विशालकाय ग्रेट व्हाइट शार्क तैरकर दूर चली गई, जिसके पीछे एक छोटी टाइगर शार्क भी आ गई।

उपसंहार

रीफ

“पश्चिमी तट पर दहशत का माहौल है क्योंकि हत्याएं बेरोकटोक हो रही हैं। एंग—” दूर से आती लहरों की आवाज़ के बीच मैंने रेडियो बंद कर दिया।
मैंने आह भरते हुए कहा, "मुझे लगता है कि मुझे पत्रकारों से उतनी ही नफरत होने लगी है जितनी मछुआरों से।"
उसने अपनी बाहें मेरे चारों ओर लपेट लीं और मेरी पीठ से लगकर मेरी गर्दन चूमने लगी। "मुझे पता है, लेकिन अगर हम पकड़े नहीं जाना चाहते तो हमें बात माननी ही पड़ेगी।" उसके सुनहरे बाल हवा में लहरा रहे थे, मानो धूप में चमक रहे हों। "कम से कम यहाँ कोई मछुआरा तुम्हारा पीछा तो नहीं कर रहा है।"
मैं पेट के बल लेट गई, मेरा सिर उसकी गोद में टिका हुआ था और मेरी उंगलियां मेरे काटने के निशान पर फिर रही थीं। "मुझे अब भी लगता है कि तुम्हारा निशान मेरे निशान से बेहतर दिखता है।"
डेलीला ने अपने चश्मे उतारे, उसकी नीली आँखें चमकती हुई मेरी ओर देखने लगीं। “मैं क्या कहूँ? मुझे काटना अच्छा लगता है।” मैं उठ बैठा तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी, मेरे धड़ पर उसके काटने का निशान अभी भी भर रहा था, उसके शार्क जैसे दांतों के गहरे निशान मेरी त्वचा में साफ और लाल दिख रहे थे। उसकी उंगलियाँ कोमल स्पर्श से उन निशानों को सहला रही थीं। मैं खुद को काबू में रखने की कोशिश कर रहा था, उसे यहीं समुद्र तट पर अपने साथ ले जाना चाहता था। शुक्र है, हमारे पिछले हमले के बाद, यह बंद था और आसपास कोई नहीं था।
“मुझे अब भी समझ नहीं आता कि मैं टाइगर शार्क क्यों हूँ और तुम ग्रेट व्हाइट शार्क क्यों हो।” उसने मुंह फुलाते हुए कहा।
मैं उसके करीब झुककर फुसफुसाया, “मुझे लगता है इसका संबंध तुम्हारे गुस्से से है, बैराकुडा। तुम मुझसे बड़ी तो नहीं हो, लेकिन मुझसे कहीं ज्यादा खतरनाक हो।” उसने मुस्कुराते हुए मेरे हाथ पर एक हल्की सी थपकी दी। “और हाँ, मुझे लगता है कि तुम टाइगर शार्क के रूप में अच्छे दिखते हो।”
डेलीला घुटनों के बल मेरे करीब झुक गई, उसके होंठ मेरे होंठों के ठीक ऊपर थे। "मुझे लगता है कि तुम्हारे लिंग पर बैठकर मैं ज़्यादा अच्छी लगूँगी।" उसने मेरे मुँह को चाटा। ओह, धिक्कार है!
“अब तुम्हें काटने की मेरी बारी है,” मैंने गुर्राते हुए कहा।
मैंने उसे रेत पर गिरा दिया और हंसते हुए उसे जोश से चूमा। जब हम अलग हुए तो

उसने मेरी ओर देखा और मेरा चेहरा सहलाया। "मैं तुमसे प्यार करती हूँ, रीफ।"
मैंने उसे फिर से चूमा, इस बार और भी कोमलता से, और उसके होंठों में फुसफुसाते हुए कहा, "मैं तुमसे प्यार करता हूँ, मेरी छोटी बैराकुडा।"